Monthly Current Affairs
May 2023
Hindi

byjusexamprep.com

Important News: International

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए)

चर्चा में क्यों:- इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) द्वारा नवीनतम बाजार विश्लेषण में कहा गया है कि भारत तेजी से एक प्रमुख वैश्विक विमानन बाजार के रूप में उभर रहा है।

1. IATA एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार निकाय है जिसकी स्थापना 1945 में एयरलाइनों के एक समूह द्वारा की गई थी।
2. वर्तमान में, IATA लगभग 300 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें अंतरराष्ट्रीय अनुसूचित हवाई यातायात का 94% शामिल है। आईएटीए के सदस्यों में दुनिया की अग्रणी यात्री और कार्गो एयरलाइंस शामिल हैं।
3. मुख्यालय: मॉन्ट्रियल, कनाडा
4. मिशन: एयरलाइन उद्योग का प्रतिनिधित्व, नेतृत्व और सेवा करना। आईएटीए विमानन गतिविधि के कई क्षेत्रों का समर्थन करता है और पर्यावरणीय चिंताओं सहित महत्वपूर्ण विमानन मुद्दों पर उद्योग नीति तैयार करने में मदद करता है।
5. ईआईसीओ शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए सुरक्षित और कुशल अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन विकसित करने और प्रत्येक राज्य के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस संचालित करने के लिए एक उचित अवसर सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। यह विमानन सुरक्षा, सुरक्षा और सुविधा, दक्षता और हवाई परिवहन के आर्थिक विकास के साथ-साथ विमानन के पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार के लिए आवश्यक मानकों और विनियमों को निर्धारित करता है।

(SOURCE – LIVEMINT)

डी-डॉलराइजेशन

चर्चा में क्यों:- अप्रैल 2023 में, आपराधिक आरोपों का सामना करते हुए, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अमेरिकी डॉलर गिर रहा है और जल्द ही विश्व मानक नहीं होगा। उनकी यह चेतावनी डॉलरीकरण की दिशा में देशों में बढ़ती दिलचस्पी के बीच आई है।

1. **De-**डॉलरीकरण उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसमें देश आरक्षित मुद्रा, विनिमय के माध्यम और खाते की एक इकाई के रूप में अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करते हैं।
2. रिजर्व मुद्रा अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को सुविधाजनक बनाने, विनिमय दरों को स्थिर करने और वित्तीय विश्वास को मजबूत करने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा आयोजित विदेशी मुद्रा है। पिछले साल यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में हटाने के प्रयासों में तेजी आई है
3. उभरते बाजारों की बढ़ती आर्थिक शक्ति और अधिक विविध और लचीले वित्तीय ढांचे के लिए उनकी इच्छा ने डी-डॉलराइजेशन के आह्वान को नवीनीकृत किया है।
4. चीन, रूस और ब्राजील दुनिया भर के उन देशों की बढ़ती सूची में से एक रहे हैं जो डी-डॉलराइजेशन के रास्ते पर चल पड़े हैं।

5. भारत ने डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने के प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। इसने रूस से तेल आयात के लिए रुपये में भुगतान करने की दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया।
6. **De-**डॉलरीकरण एक अधिक विविध और लचीला वैश्विक वित्तीय प्रणाली के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। हालांकि, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां भी पैदा करता है जिन्हें वैश्विक वित्तीय स्थिरता और निरंतर आर्थिक विकास के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जाना चाहिए।इसलिए, भारत जैसे विकासशील देशों को डी-डॉलराइजेशन की दिशा में एक विवेकपूर्ण और मापा दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

(SOURCE – LIVEMINT)

अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ)

चर्चा में क्यों:- भारत ने हाल ही में अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की एक रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें देश में धार्मिक स्वतंत्रता के "गंभीर उल्लंघन" का आरोप लगाया गया था।

1. यह 1998 के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (आईआरएफए) द्वारा बनाई गई एक स्वतंत्र, द्विदलीय संघीय सरकार इकाई है।
2. उद्देश्य: स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के तथ्यों और परिस्थितियों की समीक्षा करना।
3. राष्ट्रपति, राज्य सचिव और कांग्रेस को नीतिगत सिफारिशें करें; यह विश्व स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन की निगरानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का उपयोग करता है।
4. यू.एस. नीति को अपनी स्वयं की वार्षिक रिपोर्ट जारी करने की आवश्यकता होती है, अपनी स्वतंत्र सिफारिशें निर्धारित करती है।
5. संरचना: यूएससीआईआरएफ में नौ आयुक्त हैं, जो प्रत्येक राजनीतिक दल के अध्यक्ष या कांग्रेस के नेताओं द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, जो एक गैर-पक्षपातपूर्ण पेशेवर कर्मचारियों द्वारा समर्थित होते हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

डब्ल्यूईएफ: "नौकरियों का भविष्य" रिपोर्ट

चर्चा में क्यों:- - 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स' शीर्षक वाली रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि भारतीय श्रम बाजार में 22 फीसदी नौकरियों का मंथन (अर्थव्यवस्था में नौकरियों की आवाजाही) देखने को मिलेगा, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 23 फीसदी है।

1. विश्व आर्थिक मंच (**WEF**) ने नौकरियों और कौशल पर अपनी चौथी संस्करण (द्वि-वार्षिक) रिपोर्ट जारी की है, जो इस बात की पड़ताल करती है कि 2023-2027 के बीच नौकरियां और कौशल कैसे विकसित होंगे।
2. रिपोर्ट की फोकस रिपोर्ट चौथी औद्योगिक क्रांति, हरित ऊर्जा संक्रमण, आपूर्ति-श्रृंखला बदलाव, और बहुत कुछ के श्रम-बाजार प्रभाव को ट्रैक करती है।

3. नई नौकरी-सृजन हरित संक्रमण, और आपूर्ति श्रृंखलाओं के स्थानीयकरण से प्रेरित होगा, जबकि आने वाले वर्षों में नौकरी का विनाश धीमी आर्थिक वृद्धि, आपूर्ति की कमी और इनपुट की बढ़ती लागत, और उपभोक्ताओं के लिए जीवन यापन की बढ़ती लागत के कारण होगा; अगले पांच वर्षों में 44% श्रमिकों का कौशल बाधित हो जाएगा; अगले पांच वर्षों में 23% नौकरियों में बदलाव की उम्मीद है।
4. बैंक टेलर, कैशियर और डेटा एंट्री क्लर्क सहित डी.क्लेरिकल या सेक्रेटेरियल भूमिकाओं में सबसे तेजी से गिरावट आने की उम्मीद है
5. वर्कफोर्स स्ट्रैटेजीज 2023-27) रिपोर्ट में ऑन-द-जॉब लर्निंग और ट्रेनिंग में निवेश करने, प्रक्रियाओं के स्वचालन में तेजी लाने, अनुबंध कार्य के उपयोग का विस्तार करने, काफी अधिक स्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने आदि की सिफारिश की गई है।
6. आगे बढ़ने के लिए सरकारों और व्यवसायों को शिक्षा, कौशल और सामाजिक समर्थन संरचनाओं के माध्यम से भविष्य के नौकरी परिवर्तनों का समर्थन करने में निवेश करना चाहिए। एआई और बड़े डेटा का उपयोग करने के लिए श्रमिकों को प्रशिक्षित करने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।
7. विश्व आर्थिक मंच (1971 में स्थापित; मुख्यालय: कॉलोनी, स्विट्जरलैंड) बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी और लॉबिंग संगठन है। इसकी स्थापना 24 जनवरी 1971 को जर्मन इंजीनियर क्लॉस श्वाब ने की थी

(SOURCE –NEWS ON AIR)

अजय बंगा विश्व बैंक के अगले अध्यक्ष होंगे

चर्चा में क्यों:- - हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति (जो बिडेन) ने घोषणा की कि अमेरिका अजय बंगा को विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का नेतृत्व करने के लिए नामित कर रहा है।

1. यह 1944 ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में आईएमएफ के साथ स्थापित किया गया था। डब्ल्यूबी एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है जिसका उद्देश्य निम्न और मध्यम आय / कम आय में पूंजीगत परियोजनाओं को आगे बढ़ाना है। विकासशील देशों की सरकारों को ऋण और अनुदान प्रदान करता है।
2. WB समूह, जो WB का मूल संगठन है, में निम्न शामिल हैं -
   a. आईबीआरडी: यह ऋण, क्रेडिट और अनुदान प्रदान करता है।
   b. आई.डी.ए. : यह कम आय वाले देशों को कम या कोई ब्याज ऋण प्रदान नहीं करता है।
   c. अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC): यह निजी कंपनियों और सरकारों को निवेश, सलाह और परिसंपत्ति प्रबंधन प्रदान करता है।
   d. बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (एमआईजीए): यह युद्ध जैसे राजनीतिक जोखिम के खिलाफ उधारदाताओं और निवेशकों का बीमा करता है।

   निवेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID): यह निवेशकों और देशों के बीच निवेश विवादों का निपटारा करता है।

3. ये सभी डब्ल्यूबी समूह के दोहरे उद्देश्यों की सेवा करते हैं, जो 2030 तक अत्यधिक गरीबी को समाप्त करना और दुनिया भर में निचले 40% आबादी के लिए साझा समृद्धि में वृद्धि करना है।
4. डब्ल्यूबी को एक अध्यक्ष और 25 कार्यकारी निदेशकों द्वारा चलाया जाता है। आईबीआरडी और आईडीए में क्रमशः 189 और 174 सदस्य देश हैं, और एस, जापान, चीन, जर्मनी और यूके के पास सबसे बड़ी मतदान शक्ति है।
5. WB का अध्यक्ष, जो पूरे WB समूह का अध्यक्ष है, निदेशक मंडल की बैठकों और बैंक के समग्र प्रबंधन की अध्यक्षता करने के लिए जिम्मेदार है। नामांकित व्यक्ति पांच साल की, नवीकरणीय सेवा अवधि के लिए कार्यकारी निदेशक मंडल द्वारा पुष्टि के अधीन है।
6. 63 वर्षीय एफ बंगा वर्तमान में जनरल अटलांटिक में उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यरत हैं और उन्हें 2016 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।
7. बंगा इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के मानद अध्यक्ष हैं, जो 2020-2022 तक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। वह त्रिपक्षीय आयोग के सदस्य, अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच आदि के संस्थापक न्यासी हैं। इससे पहले, वह मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ थे, जो रणनीतिक, तकनीकी और सांस्कृतिक परिवर्तन के माध्यम से कंपनी का नेतृत्व करते थे।

(SOURCE – LIVEMINT)

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2023

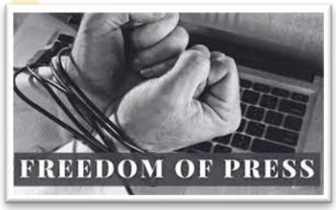

चर्चा में क्यों:- - हाल ही में जारी 2023 वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 180 देशों में से फिसलकर 161 हो गई है।

1. यह वैश्विक मीडिया निगरानी संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट है।
2. उद्देश्य: 180 देशों और क्षेत्रों में पत्रकारों और मीडिया द्वारा प्राप्त स्वतंत्रता के स्तर की तुलना करना।
3. रैंकिंग पांच श्रेणियों पर आधारित है – राजनीतिक, विधायी, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और पत्रकारों की सुरक्षा।
4. भारत 180 देशों में से 161 वें स्थान पर है। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता "समस्याग्रस्त" से "बहुत खराब" हो गई है, 2022 की रिपोर्ट के बाद से देश 11 रैंक नीचे खिसक गया है। बांग्लादेश (163), म्यांमार (173) और चीन (179) को छोड़कर, अन्य सभी पड़ोसी देश भारत से बेहतर स्थान पर हैं – भूटान (90), नेपाल (95), श्रीलंका (135), पाकिस्तान (150), अफगानिस्तान (152)।
5. राजनीतिक संकेतकों में भारत 169 वें स्थान पर था, जबकि यह विधायी में 144, आर्थिक में 155, सामाजिक संकेतकों में 143 और पत्रकारों की सुरक्षा में 172 था। और नॉर्वे लगातार सातवें साल पहले स्थान पर है।
6. यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है जिसका स्वघोषित उद्देश्य मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा और संवर्धन करना है। मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस।

7. इस को संयुक्त राष्ट्र के साथ सलाहकार का दर्जा प्राप्त है। यह आरएसएफ प्रेस की स्वतंत्रता को "राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी और सामाजिक हस्तक्षेप से स्वतंत्र सार्वजनिक हित में समाचारों का चयन करने, उत्पादन करने और प्रसार करने के लिए व्यक्तियों और समूहों के रूप में पत्रकारों की क्षमता और उनकी शारीरिक और मानसिक सुरक्षा के लिए खतरों की अनुपस्थिति" के रूप में परिभाषित करता है।

(SOURCE – LIVEMINT)

फिट फॉर 55

चर्चा में क्यों:- - फिट फॉर 55 2030 तक शुद्ध ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम से कम 55% तक कम करने के यूरोपीय संघ के लक्ष्य को संदर्भित करता है। प्रस्तावित पैकेज का उद्देश्य यूरोपीय संघ के कानून को 2030 के लक्ष्य के अनुरूप लाना है।

1. फिट फॉर 55 पैकेज प्रस्तावों का एक सेट है जिसका उद्देश्य यूरोपीय संघ के कानून को संशोधित और अद्यतन करना और परिषद और यूरोपीय संसद द्वारा सहमत जलवायु लक्ष्यों के साथ यूरोपीय संघ की नीतियों को संरेखित करने के लिए नई पहलों को लागू करना है।
2. पैकेज का नाम 2030 तक शुद्ध ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम से कम 55% तक कम करने के यूरोपीय संघ के लक्ष्य के नाम पर रखा गया है।
3. कुछ पहलों में शामिल हैं – समुद्री परिवहन से उत्सर्जन का विस्तार। उत्सर्जन भत्तों में कमी। अंतर्राष्ट्रीय विमानन के लिए वैश्विक कार्बन ऑफसेटिंग और रिडक्शन प्लान का कार्यान्वयन। एक नवाचार निधि के लिए धन बढ़ाएं। बाजार स्थिरता भंडार का संशोधन।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

"मशीनें देख सकते हैं" शिखर सम्मेलन 2023

चर्चा में क्यों:- - यूएई सरकार ने हाल ही में दुबई में भविष्य के संग्रहालय में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'मशीन्स कैन सी 2023' शिखर सम्मेलन शुरू किया। यह कार्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इकोनॉमी और रिमोट वर्क एप्लीकेशन ऑफिस और 'मशीन्स कैन सी' कंपनी के बीच साझेदारी में आयोजित किया गया था।

1. संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने दुबई में 'मशीन्स कैन सी 2023' शिखर सम्मेलन शुरू किया, जो पूरे क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक है।
2. सम्मेलन का आयोजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इकोनॉमी एंड रिमोट वर्क एप्लीकेशन कार्यालय और 'मशीन्स कैन सी' कंपनी के बीच साझेदारी में किया जा रहा है।
3. सम्मेलन का उद्देश्य एआई के भविष्य और अगली सिलिकॉन वैली बनाने के यूएई के दृष्टिकोण में योगदान करने की इसकी क्षमता पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर के विशेषज्ञों को एक साथ लाना है।

4. यह कार्यक्रम दुबई के आर्थिक और पर्यटन विभाग और दुबई फ्यूचर फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था। शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां और पैनल चर्चाएं शामिल थीं।
5. संयुक्त अरब अमीरात एक राज्य स्तरीय एआई कार्यक्रम वाला एकमात्र देश है, जो एआई प्रौद्योगिकी की प्रगति का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
6. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यह कंप्यूटर विज्ञान की एक व्यापक शाखा है जो उन कार्यों को करने में सक्षम स्मार्ट मशीनों के निर्माण से संबंधित है जिन्हें आमतौर पर मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है।

(SOURCE – LIVEMINT

महासागर के 20: नीली अर्थव्यवस्था के लिए ब्लूप्रिंट

चर्चा में क्यों:- - भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) गोवा में जी 20 देशों के सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएएल) के लिए एक जुड़ाव समूह एसएआई 20 की अध्यक्षता करेंगे।

1. भारत के कैग का उद्देश्य जी 20 देशों के लिए अंतर-पीढ़ीगत समानता सुनिश्चित करने में मदद करना और महासागर संसाधनों को विकसित करते समय जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए एक ढांचा बनाना है।
2. ब्लू, या महासागर अर्थव्यवस्था, जिसका वैश्विक वार्षिक मूल्य $ 2.5 ट्रिलियन के रूप में अनुमानित है, मछली पकड़ने और पर्यटन सहित तटीय गतिविधियों की एक सरणी शामिल है। 2018 में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने पहली बार टिकाऊ नीली अर्थव्यवस्था वित्त सिद्धांतों को निर्धारित किया।
3. निवेशक महासागर आधारित उद्योगों को निधि देने के लिए इस ढांचे का उपयोग कर सकते हैं। फाइनेंसर इसे एक संदर्भ बिंदु के रूप में उपयोग कर सकते हैं यह देखने के लिए कि समुद्री निवेश आजीविका और गरीबी उन्मूलन को कैसे प्रभावित कर सकता है।
4. विभिन्न क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों को वर्गीकृत करते समय परस्पर विरोधी परिभाषाओं और मुद्दों के कारण नीली अर्थव्यवस्था का माप चुनौतीपूर्ण है। और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक वर्गीकरण भूमि-आधारित और महासागर-आधारित गतिविधियों के बीच ठीक से अंतर करने में असमर्थ हैं।
5. राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एनएएस) नीली अर्थव्यवस्था की स्पष्ट समझ प्रदान नहीं करती है। इन कठिनाइयों को देखते हुए, एक नए लेखांकन ढांचे की आवश्यकता है जो नीली अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित उत्पादन, व्यापार और सेवाओं की निष्पक्ष रूप से पहचान कर सके।
6. भारत ने नीली अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय विकास के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों में से एक के रूप में पहचाना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय नीली अर्थव्यवस्था नीति तैयार की गई है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध समुद्री जैव विविधता को संरक्षित करते हुए समुद्री संसाधनों का दोहन करना है।
7. भारत के सीएजी के नेतृत्व में एसएआई 20 द्वारा तैयार की जा रही टूलकिट को एसएआई 20 एंगेजमेंट ग्रुप मीट में प्रस्तुत किया जाएगा। यह महासागर-आधारित गतिविधियों के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रदर्शन के ऑडिट में सुधार के लिए रचनात्मक बातचीत और समझौते के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

वाशिंगटन घोषणा

चर्चा में क्यों:- - दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में अपने द्विपक्षीय संबंधों के 70 साल पूरे होने की सालगिरह पर वाशिंगटन घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

1. इस पर अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर हस्ताक्षर किए गए। घोषणा में परमाणु प्रतिरोध की दिशा में सहयोग को रेखांकित किया गया है।
2. उद्देश्य:
   a. परमाणु हमले से कोरियाई प्रायद्वीप की रक्षा करना।
   b. कोरियाई प्रायद्वीप में एक अमेरिकी परमाणु-सशस्त्र बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) तैनात की जाएगी;
   c. संयुक्त प्रतिक्रिया रणनीति के सिद्धांतों को तैयार करने के लिए एक संयुक्त परमाणु सलाहकार समूह का गठन किया जाएगा;
   d. दक्षिण कोरिया को परमाणु प्रगति के बारे में अमेरिका से खुफिया जानकारी प्राप्त होगी;
3. अमेरिका संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और वार्षिक अंतर-सरकारी सिमुलेशन के माध्यम से दक्षिण कोरिया की परमाणु निरोध क्षमताओं को मजबूत करेगा।
4. घोषणा अप्रसार संधि की पुष्टि करती है, जिसका अर्थ है कि दक्षिण कोरिया अपनी स्वतंत्र परमाणु क्षमताओं के निर्माण में उद्यम नहीं करेगा और इसके बजाय गठबंधन-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से निरोध उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
5. यह अमेरिकी राष्ट्रपति को परमाणु टकराव की स्थिति में अमेरिका के परमाणु शस्त्रागार का उपयोग करने के लिए एकमात्र 'एकमात्र अधिकारी' के रूप में भी अनिवार्य करता है।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

एडीबी का आईएफ-कैप

चर्चा में क्यों:- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण में तेजी लाने के लिए एशिया और प्रशांत क्षेत्र में जलवायु के लिए अभिनव वित्त सुविधा (आईएफ-सीएपी) कार्यक्रम की घोषणा की है। यह घोषणा 2 मई, 2023 को की गई थी।

1. **IF-CAP** एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अपनी तरह की पहली बहु-दाता वित्तपोषण साझेदारी सुविधा है, जिसका लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए वित्त को बढ़ाना है।

   एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के प्रारंभिक भागीदार डेनमार्क, जापान, कोरिया गणराज्य, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

2. लाभ a. गारंटी के प्रत्येक $ 1 के लिए बहुत आवश्यक जलवायु वित्त में $ 5 तक का गुणक प्रभाव ('$ 1 इंच, $ 5 आउट' का मॉडल)

   b. वित्तपोषण एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कमजोर देशों को उनके शमन और अनुकूलन लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा।

   c. 2019-2030 से जलवायु वित्त में $ 100 बिलियन के लिए एडीबी की बढ़ी हुई महत्वाकांक्षा का समर्थन करें।

3. वित्तपोषण तंत्र वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ), ग्रीन क्लाइमेट फंड (जीसीएफ), अनुकूलन निधि और हानि और क्षति निधि हैं

   फंडिंग स्रोत द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्रोत, निजी क्षेत्र और परोपकार सहित ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड द प्लेनेट

   गारंटी में $ 3 बिलियन की प्रारंभिक महत्वाकांक्षा एशिया और प्रशांत क्षेत्र में बहुत आवश्यक जलवायु परियोजनाओं के लिए नए ऋणों में $ 15 बिलियन ('$ 1 इंच, $ 5 आउट' का मॉडल) तक पैदा कर सकती है।

4. एशियाई विकास बैंक (1966 में स्थापित; मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस) एक क्षेत्रीय विकास बैंक है जो अत्यधिक गरीबी को मिटाने के अपने प्रयासों को बनाए रखते हुए एक समृद्ध, समावेशी, लचीला और टिकाऊ एशिया और प्रशांत प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

   (SOURCE – NEWS ON AIR)

शीर्षक 42

चर्चा में क्यों:- संयुक्त राज्य अमेरिका कोविड-19 प्रतिबंधों को हटाने के लिए तैयार हो रहा है, जिसने 2020 से अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर पकड़े गए प्रवासियों को शरण लेने से रोक दिया है, जो मानवीय और राजनीतिक प्रभावों के साथ एक बड़ा नीतिगत बदलाव है।

1. कोविड प्रतिबंध, जिसे शीर्षक 42 के रूप में जाना जाता है, पहली बार मार्च 2020 में महामारी की शुरुआत में रिपब्लिकन द्वारा पेश किए गए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत लागू किया गया था।
2. यह अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने कहा था कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए इस आदेश की जरूरत है।
3. शीर्षक 42 ने सीमा एजेंटों को मेक्सिको में कई प्रवासियों को तेजी से निष्कासित करने की अनुमति दी।
4. अपनी स्थापना के बाद से, प्रवासियों को शीर्षक 42 के तहत 2.7 मिलियन से अधिक बार निष्कासित किया गया है, हालांकि कुल में कई रिपीट क्रॉसर्स शामिल हैं और मेक्सिको ने आम तौर पर केवल कुछ राष्ट्रीयताओं को स्वीकार किया है।

   (SOURCE – LIVEMINT)

रेस्पिरेटरी सिंसाइटियल वायरस (आरएसवी) वैक्सीन

चर्चा में क्यों:- यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में उपयोग के लिए यूके स्थित दवा कंपनी जीएसके द्वारा विकसित पहली बार रेस्पिरेटरी सिंसाइटियल वायरस (आरएसवी) वैक्सीन को मंजूरी दे दी है।

1. रेस्पिरेटरी सिंसाइटियल वायरस (आरएसवी) एक आम वायरस है जो हल्के से गंभीर श्वसन बीमारी का कारण बन सकता है, खासकर छोटे बच्चों और बड़े वयस्कों में।
2. संचरण आरएसवी श्वसन स्राव के माध्यम से फैलता है, जैसे खांसने या छींकने से, या दूषित सतहों या वस्तुओं को छूने से।
3. आरएसवी के लक्षण खांसी, घरघराहट, बुखार, बहती नाक और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं।
4. आदरणीय शिशुओं, वृद्ध वयस्कों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को गंभीर आरएसवी संक्रमण का सबसे अधिक खतरा होता है।
5. आरएसवी का निदान श्वसन नमूने के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे कि नाक या गले के स्वैब से, जिसका परीक्षण प्रयोगशाला में किया जाता है।
6. आरएसवी के लिए उपचार मुख्य रूप से सहायक है, जैसे तरल पदार्थ, ऑक्सीजन थेरेपी और बुखार कम करने वाले। गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

पुलित्जर पुरस्कार

चर्चा में क्यों:- पुस्तक, नाटक और संगीत के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 के 9 विजेता

1. पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता और कला में उत्कृष्टता का सम्मान करने के लिए 1917 से दिया जाता है। वार्षिक पुरस्कार पत्रकारिता, पुस्तकों, नाटक और संगीत में 23 श्रेणियों में दिए जाते हैं। पुलित्जर पुरस्कार 2023 की घोषणा 9 मई को की गई थी। यहां हम पुस्तकों, नाटक और संगीत के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 विजेताओं को सूचीबद्ध करते हैं।
2. बारबरा किंगसोल्वर ने चार्ल्स डिकेंस के क्लासिक 'डेविड कॉपरफील्ड' के एक मोडर रीटेलिंग 'डेमन कॉपरहेड' के लिए फिक्शन के लिए 2023 पुलित्जर पुरस्कार जीता। इस बीच, हर्नान डियाज ने 'ट्रस्ट' के लिए फिक्शन के लिए 2023 पुलित्जर पुरस्कार जीता।
3. जनरल नॉन-फिक्शन 2023 के लिए सी. पुलित्जर पुरस्कार रॉबर्ट सैमुएल्स और टूलस ओलोरुन्निपा द्वारा लिखित 'हिज नेम इज जॉर्ज फ्लॉयड: वन मैन्स लाइफ एंड द स्ट्रगल फॉर नस्लीय जस्टिस' ने जनरल नॉन-फिक्शन श्रेणी में पुलिटर पुरस्कार 2023 जीता।

4. बेवर्ली गेज ने पुस्तक 'जी-मैन: जे एडगर हूवर एंड द मेकिंग ऑफ द अमेरिकन सेंचुरी' के लिए जीवनी श्रेणी में पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता। और हुआ हसू ने अपने संस्मरण 'स्टे ट्रू' के लिए संस्मरण या आत्मकथा श्रेणी में पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता। कार्ल फिलिप्स ने 'फिर युद्ध: और चयनित कविताएं, 2007-2020' पुस्तक के लिए कविता के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता।
5. जेफरसन कोवी ने 'फ्रीडम डोमिनियन: ए सागा ऑफ व्हाइट रेसिस्टेंस टू फेडरल पावर' पुस्तक के लिए इतिहास के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता। और सनाज तुसी के नाटक 'अंग्रेजी' ने नाटक के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता। रेयानन गिडेंस और माइकल एबेल्स ने अपने एल्बम 'उमर' के लिए संगीत के लिए पुलित्जर पुरस्कार 2023 जीता।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

आसियान-भारत समुद्री अभ्यास

चर्चा में क्यों:- भारत ने हाल ही में पहले आसियान-भारत समुद्री अभ्यास (एआईएमई-2023) में भाग लेने के लिए दो फ्रंटलाइन युद्धपोत भेजे।

1. **AIME-2023** पहली बार है जब भारत **ASEAN** के साथ अभ्यास में शामिल हुआ है, हालांकि **ASEAN** देशों के साथ अलग-अलग अभ्यास हुए हैं।
2. उद्देश्य: भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच अंतःक्रियाशीलता और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ाना। **AIME-2023** के साथ, भारत रूस, चीन और अमेरिका के बाद **ASEAN +1** समुद्री अभ्यास आयोजित करने वाला चौथा **ASEAN** संवाद भागीदार बन गया है।

   पहला अभ्यास सिंगापुर के तट पर आयोजित किया जाएगा और सिंगापुर के तट से दूर बंदरगाह और समुद्र में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।
3. भारतीय नौसेना के दो प्रमुख युद्धपोत - स्वदेशी रूप से निर्मित विध्वंसक आईएनएस दिल्ली और हाल ही में निर्मित शिवालिक श्रेणी का उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा अभ्यास का हिस्सा हैं।
5. यह एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है जिसमें दस दक्षिण पूर्व एशियाई देश शामिल हैं। यह 1967 में बैंकॉक घोषणा पर हस्ताक्षर करने के साथ स्थापित किया गया था।
6. उद्देश्य: अंतर-सरकारी सहयोग को बढ़ावा देना और अपने सदस्यों और अन्य एशियाई राज्यों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सुरक्षा, सैन्य, शैक्षिक और सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण की सुविधा प्रदान करना।
7. सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, लाओस, म्यांमार, कंबोडिया और वियतनाम।

(SOURCE – LIVEMINT)

एवरेस्ट वार्षिक आईटीएस रैंकिंग

चर्चा में क्यो:- ग्लोबल आईटी रिसर्च फर्म एवरेस्ट ग्रुप ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं के लिए अपना वार्षिक पीक मैट्रिक्स सर्विस प्रोवाइडर ऑफ द ईयर अवार्ड्स जारी किया है।

1. रैंकिंग वार्षिक राजस्व में $ 2 बिलियन से अधिक के साथ बड़े आईटी सेवा प्रदाताओं को पहचानती है जिन्होंने बेहतर क्षमताओं और सेवा रणनीतियों का प्रदर्शन किया है।
2. लगातार सातवें वर्ष, एक्सेंचर ने रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया है, इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), कैपजेमिनी, विप्रो और एचसीएलटेक हैं। टीसीएस दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि कैपजेमिनी और विप्रो प्रत्येक ने पिछले साल की तुलना में रैंकिंग में तीन स्थानों की छलांग लगाई।
3. **2023** आईटीएस रैंकिंग में बड़े उतार-चढ़ाव देखे गए, जिसमें कैपजेमिनी छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि विप्रो सातवें से चौथे स्थान पर पहुंच गई। दूसरी ओर इन्फोसिस दूसरे से सातवें स्थान पर खिसक गई, जबकि एचसीएल चौथे से पांचवें और कॉग्निजेंट पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई।
4. इस साल आईटीएस लीडरबोर्ड में शामिल होने वाले नए लोगों में एलटीआईएमइंडट्री (नंबर 10), ईवाई (नंबर 18), ऑरेंज बिजनेस सर्विसेज (नंबर 19), और ईपीएएम (नंबर 20) शामिल हैं। इस बीच, यूएसटी ग्लोबल और ईएक्सएल 2023 में सूची से बाहर हो गए।
5. आईटीएस रैंकिंग स्टार परफॉर्मर्स ऑफ द ईयर को भी मान्यता देती है, जो पीक मैट्रिक्स मूल्यांकन पर साल-दर-साल सबसे बड़ा सकारात्मक सापेक्ष आंदोलन प्राप्त करती है। इस साल के स्टार प्रदर्शन करने वालों में एलटीआईएमएनडीटीआरआईई, टीसीएस, कैपजेमिनी और एचसीएलटेक शामिल हैं।
6. **2023** के पुरस्कारों में शीर्ष 3 आईटीएस चैलेंजर्स एम्फैसिस, वर्टुसा और जेनसर हैं। जेनसर को शीर्ष आईटीएस चैलेंजर्स सूची में सबसे बड़ी संचयी ऊपर की ओर गतिशीलता प्राप्त करने के लिए शीर्ष आईटीएस चैलेंजर स्टार परफॉर्मर के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।
7. एक्सेंचर ने लगातार सातवें साल शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। टीसीएस पिछले साल के तीसरे स्थान से सुधरकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। कैपजेमिनी तीन पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। विप्रो पिछले साल के सातवें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। एचसीएल टेक पिछले साल के चौथे स्थान से फिसलकर पांचवें स्थान पर आ गई है।
8. कॉग्निजेंट एक पायदान फिसलकर छठे स्थान पर आ गया।

   इन्फोसिस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और वह पिछले साल के दूसरे स्थान से फिसलकर इस साल सातवें स्थान पर आ गई। एनटीटी कॉर्पोरेशन और आईबीएम ने पदों की अदला-बदली की, जिसमें एनटीटी आठवें स्थान पर और आईबीएम नौवें स्थान पर आया। एलटीआईमाइंडट्री 2023 के लिए अपने शीर्ष 10 में दसवें स्थान पर रही, एक नए प्रवेश के रूप में।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

शटल कूटनीति

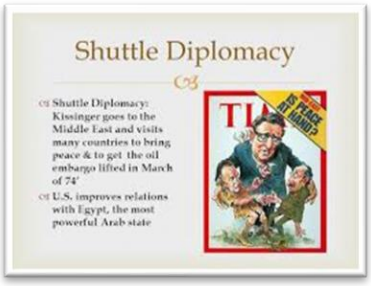

चर्चा में क्यों:- कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में, शटल कूटनीति एक विवाद में (या बीच) प्रिंसिपलों के बीच मध्यस्थ के रूप में सेवा करने में एक बाहरी पार्टी की कार्रवाई है, बिना सीधे प्रिंसिपल-टू-प्रिंसिपल संपर्क के

1. शटल कूटनीति एक प्रकार की कूटनीति को संदर्भित करती है जहां एक मध्यस्थ बातचीत को सुविधाजनक बनाने और विवादों को हल करने के लिए दो या दो से अधिक पक्षों के बीच आगे और पीछे यात्रा करता है।
2. यह उपयोग अक्सर तब किया जाता है जब राजनीतिक, भौगोलिक या सुरक्षा कारणों से पार्टियों के बीच सीधी बातचीत संभव नहीं होती है। उदाहरण के लिए, 1970 के दशक में तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर द्वारा इजरायल और मिस्र के बीच शांति वार्ता कराने के प्रयास। किसिंजर ने यरूशलेम और काहिरा के बीच आगे-पीछे उड़ान भरी, युद्धविराम और अंततः कैंप डेविड समझौते में मध्यस्थता करने के लिए दोनों पक्षों के नेताओं के साथ बैठक की।
3. हाल ही में, "शटल कूटनीति" शब्द का उपयोग जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा अपने दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन करने के लिए किया गया है।
4. उदाहरण : ऐसे शब्द सीधे प्रारंभिक परीक्षा में या अंतर्राष्ट्रीय संबंध / अंतर्राष्ट्रीय संबंध अधिनियम में पूछे जा सकते हैं। मुख्य रूप से निबंध पेपर में इस्तेमाल किया जा सकता है।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

CORPAT अभ्यास

चर्चा में क्यों:- भारतीय नौसेना और रॉयल थाई नौसेना ने 3 मई से 10 मई, 2023 तक भारत-थाईलैंड समन्वित गश्ती (इंडो-थाई कॉरपैट) के 35 वें संस्करण का आयोजन किया।

1. अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री संबंधों को मजबूत करना और हिंद महासागर की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इंडो-थाई CORPAT 2005 से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) के साथ द्वि-वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है ताकि दोनों के बीच समझ और अंतःक्रियाशीलता को बढ़ाया जा सके दोनों नौसेनाएं।
2. अभ्यास का उद्देश्य अवैध अनियंत्रित (आईयूयू) मछली पकड़ने, नशीली दवाओं की तस्करी, समुद्री डकैती और सशस्त्र डकैती जैसी अवैध गतिविधियों को रोकना और दबाना है। यह तस्करी, अवैध आप्रवासन और समुद्र में खोज और बचाव (एसएआर) कार्यों के संचालन के लिए सूचना के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान करता है।
3. भारत-थाई CORPAT क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन तालमेल को मजबूत करता है, जिससे वे किसी भी संकट या आपात स्थिति की

स्थिति में प्रभावी ढंग से एक साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह भारत और थाईलैंड के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देता है,

4. जिसमें गतिविधियों और इंटरैक्शन की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इंडो-थाई कॉर्पोरेशन में भारतीय नौसेना जहाज (आईएनएस) केसरी, एक स्वदेशी रूप से निर्मित एलएसटी (एल) और महामहिम जहाज (एचटीएमएस) साइबरी, चाओ फ्राया श्रेणी के फ्रिगेट, दोनों नौसेनाओं के समुद्री गश्ती विमान की भागीदारी देखी गई।
5. अभ्यास में अंडमान सागर में आईएमबीएल के साथ समन्वित गश्त शामिल थी, जिसमें दोनों नौसेनाओं के बीच संचार, अंतःक्रियाशीलता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

थाईलैंड, आधिकारिक तौर पर थाईलैंड के साम्राज्य के रूप में जाना जाता है, दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित एक देश है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक है। यह देश का सबसे बड़ा शहर भी है, जिसकी आबादी 8 मिलियन से अधिक है।

(SOURCE – LIVEMINT)

हिंद महासागर सम्मेलन

चर्चा में क्यों:- बांग्लादेश 12-13 मई के बीच ढाका में आयोजित होने वाले छठे हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) की मेजबानी करेगा।

1. सम्मेलन का पहला संस्करण 2016 में सिंगापुर में आयोजित किया गया था। यह हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने वाले पहलुओं पर चर्चा करेंगे।
2. सम्मेलन का छठा संस्करण इंडिया फाउंडेशन द्वारा विदेश मंत्रालय, बांग्लादेश और एस राजरत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
3. थीम: "शांति, समृद्धि और साझेदारी लचीला भविष्य"
4. सम्मेलन क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के लिए क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए क्षेत्र के महत्वपूर्ण राज्यों और प्रमुख समुद्री भागीदारों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास करता है।

(SOURCE – LIVEMINT)

भारत ने SCO स्टार्टअप फोरम की मेजबानी की।

चर्चा में क्यों:- भारत ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) स्टार्टअप फोरम के तीसरे संस्करण को नई दिल्ली में पहले भौतिक कार्यक्रम के रूप में होस्ट किया।

1. यह कार्यक्रम वाणिज्य मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन

विभाग स्टार्टअप इंडिया द्वारा आयोजित किया गया था। फोरम का उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच स्टार्टअप बातचीत का विस्तार करना और नवाचार, रोजगार सृजन और प्रतिभा निर्माण को प्रोत्साहित करना है।

2. मंच ने एससीओ सदस्य राज्यों की भौतिक भागीदारी देखी, जिसमें सरकारी अधिकारियों, निजी उद्योग के खिलाड़ियों, इनक्यूबेटरों और स्टार्टअप का एक प्रतिनिधिमंडल शामिल था।
3. एससीओ स्टार्टअप फोरम सहयोग और उद्यमिता पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य नवाचार विकास को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से सामान्य प्लेटफार्मों के निर्माण और एससीओ सदस्य राज्यों के बीच विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं की सुविधा के माध्यम से। फोरम ने इस एजेंडे को बढ़ावा देने और प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्टार्टअप-टू-स्टार्टअप द्विपक्षीय बैठकों की सुविधा प्रदान की।
4. प्रतिनिधियों ने स्टार्टअप इंडिया द्वारा आयोजित "स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय जुड़ाव की भूमिका" पर एक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में भागीदारी के विभिन्न मॉडलों को समझने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र शामिल था जो राष्ट्रों के बीच घनिष्ठ संबंधों को विकसित करने और एससीओ देशों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।
5. स्टार्टअप इंडिया ने इससे पहले एससीओ सदस्य देशों के लिए एससीओ स्टार्टअप फोरम 2020 सहित विभिन्न पहलों का आयोजन किया था, जिसने बहुपक्षीय सहयोग और जुड़ाव की नींव रखी थी।

   SCO के सदस्य देशों के बीच स्टार्टअप।
6. एससीओ स्टार्टअप फोरम 2021 को संवर्धित वास्तविकता में भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अनुकूलित मंच के माध्यम से वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। इसने एससीओ स्टार्टअप हब लॉन्च किया, जो एससीओ स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए संपर्क का एक बिंदु है। स्टार्टअप इंडिया ने एससीओ स्टार्टअप संस्थापकों के बीच क्षमता निर्माण के लिए नामांकित स्टार्टअप के लिए "स्टार्टिंग-अप" नामक तीन महीने लंबी वर्चुअल मेंटरशिप श्रृंखला का भी आयोजन किया।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

माइटोकॉन्ड्रियल दान उपचार (एमडीटी)

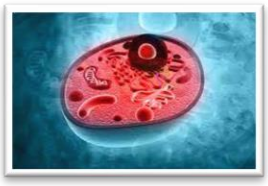

चर्चा में क्यों:- एमडीटी गंभीर विरासत में मिली माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी वाले परिवारों को एक स्वस्थ बच्चे की संभावना प्रदान करता है। यह आईवीएफ का एक रूप है जो रोगी के अंडे में दोषपूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए को दाता अंडे से स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए के साथ बदल देता है

1. ब्रिटेन में माइटोकॉन्ड्रियल डोनेशन ट्रीटमेंट (एमडीटी) (लोकप्रिय रूप से 'तीन माता-पिता का बच्चा' कहा जाता है) नामक तकनीक का उपयोग करके एक बच्चे का जन्म हुआ है, जिसमें बच्चों को लाइलाज बीमारियों को विरासत में लेने से रोकने के प्रयास में तीन लोगों के डीएनए का उपयोग करना शामिल है।
2. यह प्रक्रिया एक दाता के अंडे से माइटोकॉन्ड्रिया के साथ जैविक माता-पिता से शुक्राणु और अंडे को जोड़ती है। माइटोकॉन्ड्रिया में हानिकारक उत्परिवर्तन, जो केवल मां से विरासत में मिलते हैं, एक महिला के सभी बच्चों को प्रभावित कर सकते हैं। अब तक, तकनीक अभी भी अपने प्रयोगात्मक चरण में है।

3. **5,000-10,000** शिशुओं में से लगभग 1 हर साल माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी के साथ पैदा होते हैं। चिंताएं: डिजाइनर शिशुओं का विकास, पतला पितृत्व, प्रकृति में महंगा, आदि।

(SOURCE – LIVEMINT)

Mpox

चर्चा में क्यों:- वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंकीपॉक्स वायरस से प्रोटीन मेथिलट्रांसफेरेज़ की संरचना को समझा।

1. यह एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है। एमपीओएक्स का पहला मानव मामला 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में दर्ज किया गया था।
2. Mpox वायरस के दो ज्ञात प्रकार (क्लेड्स) हैं – एक जो मध्य अफ्रीका (क्लेड I) में उत्पन्न हुआ और एक जो पश्चिम अफ्रीका (क्लेड II) में उत्पन्न हुआ।
3. एमपॉक्स के सामान्य लक्षण त्वचा पर चकत्ते या म्यूकोसल घाव हैं, जो बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और सूजन लिम्फ नोड्स के साथ 2-4 सप्ताह तक रह सकते हैं।
4. एमपॉक्स का मानव-से-मानव संचरण शरीर के तरल पदार्थ, घावों, यौन संपर्क सहित लंबे समय तक आमने-सामने संपर्क और दूषित कपड़ों या बिस्तर के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से होता है।

   मंकीपॉक्स वायरस संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट उपचार नहीं हैं। लक्षणों को प्रबंधित करने और आगे की समस्याओं से बचने में मदद करने के लिए प्रारंभिक और सहायक देखभाल महत्वपूर्ण है।
5. ये संक्रमण हैं जो लोगों और जानवरों के बीच फैलते हैं। ये संक्रमण रोगाणुओं, जैसे वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी और कवक के कारण होते हैं। कुछ गंभीर और जीवन के लिए खतरा हो सकते हैं, जैसे रेबीज, और अन्य हल्के हो सकते हैं और अपने आप बेहतर हो सकते हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी)

चर्चा में क्यों:- बांग्लादेश 12-13 मई के बीच ढाका में आयोजित होने वाले छठे हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) की मेजबानी करेगा।

1. यह हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने वाले पहलुओं पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन के छठे संस्करण का आयोजन इंडिया फाउंडेशन द्वारा विदेश मंत्रालय, बांग्लादेश और एस राजरत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के सहयोग से किया जा रहा है।
2. थीम: "एक लचीला भविष्य के लिए शांति, समृद्धि और साझेदारी"

3. सम्मेलन क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के लिए क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए क्षेत्र के महत्वपूर्ण राज्यों और प्रमुख समुद्री भागीदारों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास करता है।
4. सम्मेलन का पहला संस्करण 2016 में सिंगापुर में आयोजित किया गया था।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

समुद्र शक्ति – 23

चर्चा में क्योः- स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एएसडब्ल्यू कोरवेट आईएनएस कवरत्ती 14-19 मई 23 से भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय अभ्यास समुद्र शक्ति -23 के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया के बाटम पहुंचे

1. इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतःक्रियाशीलता, संयुक्तता और आपसी सहयोग को बढ़ाना है।
2. हार्बर चरण में क्रॉस डेक टूर, पेशेवर बातचीत, विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान और खेल फिक्स्चर शामिल होंगे।
3. समुद्री चरण के दौरान, हथियार फायरिंग, हेलीकॉप्टर संचालन, पनडुब्बी विरोधी युद्ध और वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग ऑपरेशन की योजना बनाई जाती है।
4. समुद्र शक्ति-23 दोनों नौसेनाओं के बीच उच्च स्तर की अंतर-क्षमता और क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा।
5. इंडोनेशियाई नौसेना का प्रतिनिधित्व केआरआई सुल्तान इस्कंदर मुदा, सीएन 235 समुद्री गश्ती विमान और एएस 565 पैंथर हेलीकॉप्टर द्वारा किया जाएगा।

(SOURCE – LIVEMINT)

आंतरिक विस्थापन पर वैश्विक रिपोर्ट 2023 (ग्रिड-2023)

चर्चा में क्यों:- आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र द्वारा प्रकाशित आंतरिक विस्थापन 2023 (ग्रिड-2023) पर वैश्विक रिपोर्ट, 2022 में आपदाओं से विस्थापित लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट में मौसम से संबंधित घटनाओं, ला नीना की भूमिका और विस्थापन में क्षेत्रीय भिन्नताओं के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।

1. ग्रिड-2023 के अनुसार, आपदाओं से विस्थापित लोगों की संख्या में 2021 की तुलना में 2022 में 40% की वृद्धि हुई है। यह अभूतपूर्व वृद्धि विभिन्न प्रकार की आपदाओं के कारण दुनिया भर के समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली बढ़ती चुनौतियों को दर्शाती है।

2. रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि 2022 में 98% आपदा विस्थापन मौसम से संबंधित घटनाओं के कारण हुए थे। बाढ़ और तूफान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो 10 आपदा विस्थापनों में से 6 के लिए जिम्मेदार थी। 2016 के बाद यह पहली बार था जब तूफान ने विस्थापन के अन्य कारणों को पीछे छोड़ दिया।
3. पाकिस्तान और भारत: उच्च विस्थापन दर पाकिस्तान 2022 में सबसे अधिक आपदा विस्थापन वाले देशों की सूची में सबसे ऊपर है, जिसमें 8.16 मिलियन विस्थापन दर्ज किए गए हैं। भारत 2.5 मिलियन विस्थापन के साथ चौथे स्थान पर है। ये आंकड़े इन देशों पर आपदाओं के महत्वपूर्ण प्रभाव और प्रभावी आपदा प्रबंधन और प्रतिक्रिया रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं।
4. ला नीना, अल नीनो दक्षिणी दोलन के ठंडे चरण ने 2022 में आपदाओं में वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रिड-2023 तीन साल की ला नीना घटना का श्रेय मौसम से संबंधित आपदाओं, विशेष रूप से बाढ़ में वृद्धि को देता है। इसका प्रभाव लगातार तीसरे वर्ष जारी रहा, जिससे दुनिया भर में व्यापक आपदाएं आईं।
5. उप-सहारा अफ्रीका ने 2022 में आपदाओं के कारण सबसे अधिक विस्थापन का अनुभव किया, जिसमें 16.5 मिलियन आंतरिक विस्थापन थे – पिछले वर्ष से 17% की वृद्धि। दक्षिण एशिया में आपदा विस्थापन का वार्षिक औसत दोगुना हो गया, जो 12.5 मिलियन तक पहुंच गया। इसके विपरीत, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र ने कम तीव्र वर्षा और चक्रवात के मौसम के कारण कम विस्थापन का अनुभव किया।
6. आपदा विस्थापन में खतरनाक वृद्धि प्रभावी आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह व्यक्तिगत, समुदाय और राष्ट्रीय स्तर पर लचीलापन और तैयारी के निर्माण के महत्व को रेखांकित करता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को संबोधित करना और अनुकूलन उपायों में निवेश करना भविष्य के विस्थापन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ)

चर्चा में क्यों:- अमेरिका ने हाल ही में प्रस्ताव दिया था कि हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचे (आईपीईएफ) के 14 सदस्य देशों द्वारा टैरिफ परिवर्तन और निर्यात प्रतिबंधों के अग्रिम नोटिस पर विचार किया जाए।

1. यह 23 मई, 2022 को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा शुरू की गई एक आर्थिक पहल है।
2. IPEF में चौदह सदस्य राज्य हैं: ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम।

   फ्रेमवर्क का उद्देश्य सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के लिए लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाना है।
3. मंच पारंपरिक मुक्त व्यापार समझौतों से परे जाना चाहता है और आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, डीकार्बोनाइजेशन, बुनियादी ढांचे, और कर और भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों पर काम करना चाहता है।

   इस पहल का उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र के भीतर सहयोग, स्थिरता, समृद्धि, विकास और शांति में योगदान करना है।

4. यह ढांचा मूर्त लाभ प्रदान करेगा जो आर्थिक गतिविधि और निवेश को बढ़ावा देगा, स्थायी और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, और पूरे क्षेत्र में श्रमिकों और उपभोक्ताओं को लाभान्वित करेगा।

(SOURCE – LIVEMINT)

चक्रवात फैबियन

खबरों में क्यों: एक शक्तिशाली चक्रवात 'फैबियन' भूमध्यरेखीय अक्षांश, एबेम दक्षिणी प्रायद्वीप में दक्षिण हिंद महासागर के ऊपर बढ़ रहा है। तूफान की ताकत वाली मौसम प्रणाली को क्षेत्र को साफ करने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। यह राक्षस तूफान क्रॉस-इक्वेटोरियल प्रवाह और मानसून धारा के निर्माण को प्रतिबंधित कर रहा है।

1. एक। बुधवार को शाम 5:00 बजे ईडीटी, उष्णकटिबंधीय चक्रवात फेबियन का केंद्र डिएगो गार्सिया से लगभग 145 मील (235 किमी) दक्षिण-पूर्व में अक्षांश 9.0 डिग्री सेल्सियस और देशांतर 73.6 डिग्री ई पर स्थित था।
2. फैबियन 6 मील प्रति घंटे (10 किमी / घंटा) की गति से दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था। हवा की अधिकतम निरंतर गति 110 मील प्रति घंटे (175 किमी / घंटा) थी, जिसमें हवा के झोंके 130 मील प्रति घंटे (210 किमी / घंटा) तक पहुंच गए थे। न्यूनतम सतह दबाव 959 एमबी दर्ज किया गया था।
3. उष्णकटिबंधीय चक्रवात फैबियन के अगले 24 घंटों में तीव्र होने के लिए प्रतिकूल वातावरण से गुजरने की उम्मीद है। जबकि समुद्र की सतह का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के करीब है, परिसंचरण के पश्चिमी तरफ दक्षिणी हवाएं शुष्क हवा लाती रहेंगी, और चक्रवात अपने परिसंचरण के शीर्ष की ओर बहने वाली उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण ऊर्ध्वाधर हवा कतरनी का अनुभव करेगा।
4. फैबियन को दक्षिण हिंद महासागर के ऊपर एक उच्च दबाव प्रणाली द्वारा संचालित किया जाएगा, जो इसे अगले 24 घंटों में पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर ले जाएगा।

(SOURCE – LIVEMINT)

लंदन इंटरबैंक ऑफरेड रेट (लिबोर)

खबरों में क्यों: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य आरबीआई-विनियमित संस्थाओं को एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें 1 जुलाई से लंदन इंटरबैंक ऑफरेड रेट (LIBOR) से पूरी तरह से संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के लिए कहा गया है.

1. यह एक बेंचमार्क ब्याज दर है जिस पर प्रमुख वैश्विक बैंक अल्पकालिक ऋण के लिए अंतर्राष्ट्रीय इंटरबैंक बाजार में एक दूसरे को उधार देते हैं।
2. यह रातोंरात से 1 वर्ष तक परिपक्वता के साथ अल्पकालिक ऋण प्रदान करता है। यह कॉर्पोरेट और सरकारी बॉन्ड, बंधक, छात्र ऋण, क्रेडिट कार्ड, डेरिवेटिव और अन्य वित्तीय उत्पादों के लिए एक आधार के रूप में भी कार्य करता है।

3. यह ICE बेंचमार्क प्रशासन (IBA) द्वारा प्रशासित है, जो ब्रिटेन के वित्तीय आचरण प्राधिकरण (FCA) द्वारा विनियमित है। यह अमेरिकी डॉलर, यूरो, ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और स्विस फ्रैंक सहित पांच मुद्राओं पर आधारित है, और 7 अलग-अलग परिपक्वता अवधि प्रदान करता है।
4. सुरक्षित ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट (एसओएफआर) का व्यापक रूप से दुनिया भर में लिबोर के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा रहा है। अन्य बेंचमार्क दरें - (1) सीएचएफ - सरॉन; (2) EUR – ESTER; (3) GBP – SONIA (पहले से ही 31 मार्च, 2021 से उपयोग में); (4) जेपीवाई – TONA।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

प्रवासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन

चर्चा में क्यों:- संयुक्त राज्य अमेरिका से एमी पोप को अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के नए महानिदेशक के रूप में चुना गया है, जिससे वह इस पद को धारण करने वाली पहली महिला बन गई हैं।

1. आईओएम एक अंतर-सरकारी संगठन है जो शरणार्थियों, आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों और प्रवासी श्रमिकों सहित सरकारों और प्रवासियों को प्रवास से संबंधित सेवाएं और सलाह प्रदान करता है।
2. ओरिजिन आईओएम की स्थापना 1951 में यूरोपीय प्रवासन के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीईएम) के रूप में द्वितीय विश्व युद्ध द्वारा विस्थापित लोगों को फिर से बसाने में मदद करने के लिए की गई थी।
3. यह 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में स्थायी पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया था। यह अब संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा है।
4. प्रमुख रिपोर्ट विश्व प्रवासन रिपोर्ट हर साल प्रकाशित की जाती है। यह कार्य आईओएम प्रवास प्रबंधन के चार व्यापक क्षेत्रों में काम करता है- प्रवासन और विकास, प्रवासन को सुविधाजनक बनाना, प्रवासन को विनियमित करना और मजबूर प्रवास।
5. इस में 175 सदस्य देश हैं। भारत आईओएम का सदस्य है। आईओएम, मुख्य रूप से अमेरिकी नेतृत्व के साथ, वैश्विक प्रवासन चुनौतियों को संबोधित करने, प्रवासियों को सहायता प्रदान करने और प्रवासन से संबंधित नीतियों पर सरकारों को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

(SOURCE – LIVEMINT)

दक्षिण एशिया गैस उद्यम (एसएजीई)

चर्चा में क्यों:- मध्य पूर्व और भारत को जोड़ने वाली एक समुद्र के नीचे गैस पाइपलाइन परियोजना को दक्षिण एशिया गैस एंटरप्राइज (एसएजीई), एक अंतरराष्ट्रीय संघ द्वारा प्रस्तावित किया गया है।

1. इस परियोजना की अनुमानित लागत 5 बिलियन डॉलर है, जिसका उद्देश्य भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों को दरकिनार करते हुए अरब सागर के माध्यम से 2,000 किलोमीटर लंबा ऊर्जा गलियारा स्थापित करना है।

2. यदि इसे प्राप्त किया जाता है, तो पाइपलाइन से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की समान मात्रा आयात करने की तुलना में लगभग 7,000 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत हो सकती है।
3. ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर जैसे देशों से गैस का आयात, जिनके पास सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण गैस भंडार हैं।
4. प्रस्तावित पाइपलाइन 20 साल के दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंध के तहत भारत को 31 मिलियन मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर प्रति दिन (एमएमएससीएमडी) गैस वितरित करने का अनुमान है, जिसमें 2 डॉलर से 2.25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की पाइपलाइन टैरिफ रेंज है।
5. साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड (एसएजीई) को नई दिल्ली स्थित सिद्धो मल समूह द्वारा यूके स्थित डीपवाटर टेक्नोलॉजी कंपनी के साथ एक संयुक्त उद्यम में पदोन्नत किया गया है। यह गैस समृद्ध खाड़ी और मध्य पूर्व क्षेत्रों को भारत से जोड़ने के लिए सबसे गहरी पानी के नीचे अंतरराष्ट्रीय गैस पाइपलाइन ("मध्य पूर्व से भारत डीपवाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी)) बनाने के लिए एक पथ-प्रदर्शक परियोजना शुरू कर रहा है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

क्वाड शिखर सम्मेलन 2023

चर्चा में क्यं:- हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री, भारत के प्रधान मंत्री, जापान के प्रधान मंत्री और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने तीसरे इन-पर्सन क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन के लिए मुलाकात की।

1. चार लोकतंत्रों - भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के समूह को चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता या क्वाड के रूप में जाना जाता है।
2. समूह का उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन के आधार पर एक स्वतंत्र और खुली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।
3. हिंद महासागर सुनामी के बाद भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने आपदा राहत प्रयासों पर सहयोग करने के लिए एक अनौपचारिक गठबंधन बनाया।
4. इस में सभी सदस्य देशों के प्रधानमंत्रियों/राष्ट्रपतियों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन की मेजबानी अमेरिका ने की थी। भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के क्वाड शिखर सम्मेलन का एक छोटा संस्करण हिरोशिमा में आयोजित किया गया था।
5. क्वाड इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स कोऑपरेशन नेटवर्क और क्वाड प्रिंसिपल्स ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड्स जारी किए गए। यह प्रौद्योगिकी मानकों के विकास के लिए उद्योग के नेतृत्व वाले, आम सहमति-आधारित बहु-हितधारक दृष्टिकोण के लिए क्वाड नेताओं के समर्थन को दर्शाता है।
6. क्वाड नेताओं का संयुक्त बयान
   - स्पष्ट रूप से यूक्रेन युद्ध पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की
   - हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर

- क्वाड स्वास्थ्य सुरक्षा साझेदारी
- अन्य क्षेत्रीय मुद्दे
- समुद्री डोमेन
- क्वाड निवेशक नेटवर्क (QUIN)

(SOURCE – LIVEMINT)

डब्ल्यूएचओ ने संक्रामक रोग खतरे का पता लगाने के लिए वैश्विक नेटवर्क लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 जैसे संक्रामक रोगों के खतरे का तेजी से पता लगाने और उनके प्रसार को रोकने के लिए जानकारी साझा करने में मदद करने के लिए एक वैश्विक नेटवर्क लॉन्च किया है।

1. आईपीएसएन के बारे में (उद्देश्य, दृष्टि, कार्य क्षेत्र, परिणाम, आदि) अंतर्राष्ट्रीय रोगज़नक़ निगरानी नेटवर्क (**IPSN**) के बारे में अंतर्राष्ट्रीय रोगज़नक़ निगरानी नेटवर्क (**IPSN**) रोगज़नक़ जीनोमिक अभिनेताओं का एक वैश्विक नेटवर्क है।
2. इसका उद्देश्य रोगज़नक़ जीनोमिक्स की तैनाती पर प्रगति में तेजी लाना और सार्वजनिक स्वास्थ्य निर्णय लेने में सुधार करना है।रोगज़नक़ जीनोमिक निगरानी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करके, आईपीएसएन नए रोगजनकों का तेजी से पता लगाने और बीमारियों के प्रसार और विकास की ट्रैकिंग में वृद्धि करने में सक्षम बनाता है।
3. आईपीएसएन चल रही बीमारी निगरानी का समर्थन करता है और महामारी या महामारी बनने से पहले नए रोग खतरों का पता लगाने और पूरी तरह से चिह्नित करने में मदद करेगा। एक ऐसी दुनिया जहां हर देश के पास अपनी सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली के हिस्से के रूप में जीनोमिक अनुक्रमण और विश्लेषिकी के लिए निरंतर क्षमता तक समान पहुंच है।
4. आम चुनौतियों को हल करने के लिए अभ्यास का समुदाय – आईपीएसएन के काम के केंद्र में अभ्यास के समुदायों का एक समूह है जो रोगज़नक़ जीनोमिक्स पर काम करने वाले भागीदारों के बीच आदान-प्रदान को सक्षम करता है। इनमें से पहला जीनोमिक्स डेटा पर आईपीएसएन कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस है।
5. इसकी परियोजनाओं और वितरण का उद्देश्य डेटा मानकों और प्रोटोकॉल को सुसंगत बनाना है, यह सुनिश्चित करना है कि जीनोमिक्स डेटा टूल उद्देश्य के लिए फिट हैं, और डेटा और लाभ साझाकरण को बढ़ाते हैं।
6. सीएसयूए की परियोजनाओं और वितरण का उद्देश्य वैश्विक वस्तुओं के रूप में क्षमता निर्माण उपकरणों का एक सेट बनाना है, और क्षमता विकास के लिए दक्षिण-दक्षिण द्विपक्षीय और उप-क्षेत्रीय साझेदारी को सशक्त बनाना है।
7. देशों, भागीदारों, क्षेत्रीय संगठनों और डब्ल्यूएचओ की सक्रिय भागीदारी के साथ, आईपीएसएन वैश्विक एजेंडे पर रोगज़नक़ जीनोमिक निगरानी रखता है और रणनीतिक खरीद सुनिश्चित करता है।

8. वार्षिक मंच रोगज़नक़ जीनोमिक निगरानी में शामिल सभी आईपीएसएन संस्थाओं के प्रमुख खिलाड़ियों को एक साथ लाता है। यह मंच साझेदारी बनाने, नवाचारों को पेश करने, विचारों को सामाजिक बनाने और राजनीतिक और वित्तीय प्रतिबद्धताओं की वकालत करने के लिए एक उच्च प्रोफ़ाइल मंच प्रदान करने में मदद करेगा।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

PM मोदी को पापुआ न्यू गिनी, फिजी के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों:- पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल सर बॉब डाडे ने प्रशांत द्वीप देशों की एकता के लिए और ग्लोबल साउथ के कारण का नेतृत्व करने के लिए पीएम मोदी को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया।

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिजी गणराज्य के प्रधान मंत्री, सितवानी राबुका द्वारा फिजी के सर्वोच्च सम्मान, कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया गया है।
2. पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल सर बॉब डेड ने प्रशांत द्वीप देशों की एकता और वैश्विक दक्षिण के कारण का नेतृत्व करने के लिए पीएम मोदी को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द लोगो से सम्मानित किया। इस पुरस्कार के पूर्व प्राप्तकर्ताओं में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भी शामिल हैं।
3. भारत प्रशांत द्वीप सहयोग के लिए फोरम- भारत और 14 प्रशांत द्वीप राष्ट्रों के बीच सहयोग के लिए 2014 में विकसित एक बहुराष्ट्रीय समूह है।
4. पापा न्यू गिनी दक्षिण-पश्चिम प्रशांत महासागर में है, जिसकी राजधानी पोर्ट मोरेस्बी है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

टाइगर शार्क संयुक्त सैन्य अभ्यास

चर्चा में क्यों:- बांग्लादेश-अमेरिका संयुक्त नौसैनिक ड्रिल अभ्यास 'टाइगर शार्क 40' रविवार को चट्टोग्राम के बीएनएस निर्विक में शुरू हुआ।

1. अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाना और पारस्परिक तकनीकी और प्रक्रियात्मक ज्ञान प्राप्त करना है। यह दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच मौजूदा अच्छे संबंधों को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।
2. बांग्लादेश सेना और नौसेना के विशेष बलों और अमेरिकी विशेष बलों ने कमोडोर स्वॉर्ड्स कमांड के प्रबंधन के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण अभ्यास में भाग लिया।
3. बांग्लादेश में अमेरिकी दूतावास के कुछ प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। अन्य लोगों के अलावा, सशस्त्र बल विभाग, सेना, नौसेना और चटगांव नौसेना क्षेत्र के अन्य अधिकारी और आमंत्रित अतिथि अभ्यास में उपस्थित थे।

(SOURCE – LIVEMINT)

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ)

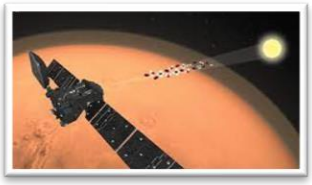

चर्चा में क्यों:- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) ने हाल ही में मंगल ग्रह के चारों ओर अपनी कक्षा से पृथ्वी को एक एन्कोडेड संदेश दिखाया।

1. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस के बीच संयुक्त मिशनों की एक श्रृंखला में ए.टीजीओ पहला है। मीथेन और अन्य वायुमंडलीय गैसों की बेहतर समझ प्राप्त करें जो मंगल ग्रह के वायुमंडल में छोटी सांद्रता (वायुमंडल के 1% से कम) में मौजूद हैं।
2. हाइड्रोजन के प्रति ऑर्बिटर की संवेदनशीलता ने इसे मंगल ग्रह की मिट्टी की उथली परतों के नीचे दफन पानी की खोज करने की भी अनुमति दी है। यह भविष्य के मिशनों के लिए प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए भी है।
3. यह मार्च 2016 में प्रक्षेपित किया गया था और 19 अक्टूबर 2016 को मंगल की कक्षा में प्रवेश करने के बाद परिचालन शुरू किया था। टीजीओ अपने साथ शियापारेल्ली लैंडर को मंगल ग्रह पर ले गया। हालांकि, लैंडिंग के दौरान यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अंतरिक्ष यान अपने आप में 3.2 मीटर बाय 2 मीटर का बॉक्स है, जिसमें एक एंटीना पृथ्वी के साथ संवाद करने के लिए लगाया गया है और दूसरा मंगल की सतह पर अंतरिक्ष यान के साथ संवाद करने के लिए है।
4. यह सौर सरणियों की एक जोड़ी द्वारा संचालित होता है जो इसके किनारों से पंखों की तरह निकलता है, साथ ही ग्रहण के दौरान इसे चालू रखने के लिए दो छोटी बैटरी होती है, जब इसे सूर्य का प्रकाश नहीं मिलता है।
5. इस में कई उपकरण हैं, जिनमें शामिल हैं,
   - नोमैड (मार्स डिस्कवरी के लिए नादिर और मनोगत);
   - एसीएस (वायुमंडलीय रसायन विज्ञान सूट);
   - सीएएसआईएस (रंग और स्टीरियो सतह इमेजिंग सिस्टम);
   - एफआरईएनडी (फाइन रिज़ॉल्यूशन एपिथर्मल न्यूट्रॉन डिटेक्टर);

(SOURCE – LIVEMINT)

डब्ल्यूएमओ ने जीएचजी के लिए ग्लोबल ट्रैकर को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों:- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस ने एक नई ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) निगरानी पहल को मंजूरी देने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

1. इस पहल का उद्देश्य गर्मी-फंसाने वाली गैसों को कम करने में तत्काल कार्रवाई का समर्थन करना है जो बढ़ते वैश्विक तापमान में योगदान करते हैं। नव स्थापित ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस वॉच महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को संबोधित करेगी, विभिन्न अवलोकन प्रणालियों, मॉडलिंग क्षमताओं और एक व्यापक ढांचे के तहत डेटा आत्मसात को एकीकृत करेगी।

2. डब्ल्यूएमओ के 193 सदस्यों का सर्वसम्मत समर्थन ग्रीनहाउस गैस निगरानी के बढ़ते महत्व और जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के लिए वैज्ञानिक नींव को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
3. सूचना अंतराल को भरना और एकीकृत सतह-आधारित और अंतरिक्ष-आधारित अवलोकन, ग्रीनहाउस गैस अवलोकन और मॉडलिंग उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान में सीमाओं पर काबू पाना विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस द्वारा समर्थित ग्रीनहाउस गैस निगरानी के सामाजिक महत्व को पहचानना पृथ्वी प्रणाली की वैज्ञानिक समझ को समर्थन देना जलवायु समझौतों के लिए शमन कार्यों के आधार को मजबूत करना।
4. वैश्विक ग्रीनहाउस गैस वॉच के घटक
   - व्यापक अवलोकन: CO2, CH4 और N2O की सतह-आधारित और उपग्रह-आधारित निगरानी
   - जीएचजी उत्सर्जन का पूर्वानुमान: - उत्सर्जन का अनुमान लगाने के लिए गतिविधि डेटा और प्रक्रिया-आधारित मॉडल का उपयोग करना
   - ग्लोबल अर्थ सिस्टम मॉडल: - जीएचजी चक्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडल विकसित करना
   - डेटा आत्मसात प्रणाली: - उच्च सटीकता के लिए मॉडल गणना के साथ टिप्पणियों का संयोजन

(SOURCE – NEWS ON AIR)

दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम

चर्चा में क्यों:- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने आज 27 मई, 2023 को वाराणसी में रुद्राक्ष सम्मेलन एवं सांस्कृतिक केंद्र में 'दिव्य कला शक्ति' कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

1. फूलों के साथ आसन के चारों ओर खड़े लोगों का एक समूह स्वचालित रूप से कम आत्मविश्वास के साथ उत्पन्न होता है। दिव्यांग बच्चों और युवाओं द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'दिव्य कला शक्ति- विकलांगता में क्षमता की गवाही' में जन प्रतिनिधियों, राज्य प्रशासन, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों, विश्वविद्यालयों के छात्रों, संगीत घरों के प्रतिनिधियों, पुनर्वास पेशेवरों और विभाग के हितधारकों सहित विभिन्न धाराओं के लगभग 1,600 दर्शकों ने असाधारण प्रदर्शन किया।
2. सीआरसी-लखनऊ के माध्यम से, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग के तहत एक संगठन।
3. राष्ट्रपति भवन और बालयोगी सभागार में 18 अप्रैल, 2019 और 23 जुलाई, 2019 को आयोजित दो राष्ट्रीय कार्यक्रमों के बाद, विभाग पूर्व राष्ट्रपति के निर्देशन में दिव्य कला शक्ति को क्षेत्रीय स्तर पर ले जा रहा है।
4. इस दिशा मुंबई, अरुणाचल प्रदेश, चेन्नई, नई दिल्ली और गुवाहाटी में पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वोत्तर और दक्षिणी क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर पांच क्षेत्रीय "दिव्य कला शक्ति" कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।

5. इस बार छठी दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम का आयोजन दिव्य शहर वाराणसी में किया गया था, जहां छह राज्यों, अर्थात् पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लगभग 100 कलाकारों ने कार्यक्रम में प्रदर्शन किया था।

(SOURCE – LIVEMINT)

वैश्विक धन सम्मेलन

चर्चा में क्यों:- सम्मेलन में कई संप्रभु धन कोष, दुनिया भर के पारिवारिक कार्यालय, पेंशन और सार्वजनिक धन, संस्थागत वैश्विक संपत्ति प्रबंधकों और शाही परिवारों से नीति निर्माताओं तक प्रमुख हस्तियों के भाग लेने की उम्मीद है।

1. संस्थागत निवेशकों और वैश्विक पूंजी पर एक स्रोत सॉवरेन वेल्थ फंड इंस्टीट्यूट® (एसडब्ल्यूएफआई®) ने लंदन में 31 मई और 1 जून को ऐतिहासिक स्थानों पर होने वाले अपने वैश्विक धन सम्मेलन (जीडब्ल्यूसी) की घोषणा की है।
2. जीडब्ल्यूसी प्लेटफॉर्म ने पूंजी के दुनिया के कुछ सबसे बड़े पूल को आकर्षित किया है, जिनमें से कुछ भारत से आ रहे हैं। सॉवरेन वेल्थ फंड वैश्विक स्तर पर भारत को प्रत्यक्ष निवेश के गंतव्य के रूप में देखते हैं। सॉवरेन वेल्थ फंडों ने 2022 में भारत में सीधे तौर पर 6.714 अरब डॉलर का निवेश किया है, जबकि 2021 में यह सिर्फ 4.3 अरब डॉलर था।
3. सम्मेलन में 40 संप्रभु धन कोष, दुनिया भर के 50+ पारिवारिक कार्यालय, 30+ पेंशन और सार्वजनिक निधि, 50+ संस्थागत वैश्विक संपत्ति प्रबंधक और शाही परिवारों से लेकर नीति निर्माताओं तक 30+ प्रमुख हस्तियां भाग लेंगी। भारत से लॉ फर्म निशीथ देसाई एसोसिएट्स, सन ग्रुप, जिंदल स्टील एंड पावर और कुछ अन्य लोग सम्मेलन में भाग लेंगे।
4. वैश्विक धन सम्मेलन में भाग लेने वालों की एक प्रभावशाली सरणी को एक साथ लाया जाएगा, जिसमें प्रमुख निवेशक जैसे सॉवरेन वेल्थ फंड, पेंशन, फाउंडेशन, आधिकारिक संस्थान, बंदोबस्ती, बड़े पारिवारिक कार्यालय और अन्य संपत्ति मालिक शामिल हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

पोवासन वायरस

चर्चा में क्यों:- पोवासन वायरस आम तौर पर संक्रमित हिरण टिक्स, ग्राउंडहॉग टिक, या गिलहरी टिक्स द्वारा काटने के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है, जो आमतौर पर वसंत के अंत और मध्य शरद ऋतु के बीच उत्तरी अमेरिका के ग्रेट लेक्स क्षेत्र में पाया जाता है।

1. पोवासन वायरस नामक एक टिक-जनित वायरस ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना पहला शिकार बनाया है। स्वास्थ्य अधिकारी लोगों को घातक टिक-जनित बीमारी के बारे में सचेत कर रहे हैं।

2. अक्सर टिक-टिक टाइम बम कहा जाता है, यह वायरस बदलती जलवायु के साथ अधिक आम हो सकता है, जिससे भविष्य में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती हो सकती है।
3. वर्तमान में, "कोई दवाएं" नहीं हैं जो पोवासन वायरस संक्रमण को रोक या इलाज कर सकती हैं। एंटीबायोटिक्स वायरस के खिलाफ अप्रभावी हैं। हालांकि, विशेषज्ञ के अनुसार, आराम करने, तरल पदार्थों का सेवन करने और ओवर-द-काउंटर दर्द दवाओं का उपयोग करके लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।
4. वायरस से संक्रमित लोगों की काफी संख्या में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। लक्षणों वाले व्यक्तियों के लिए, टिक काटने से बीमार महसूस करने का समय एक सप्ताह से एक महीने तक होता है। पोवासन वायरस संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं।

(SOURCE – HINDUSTAN TIMES)

संयुक्त अरब अमीरात ने मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट का पता लगाने के लिए महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन का अनावरण किया

चर्चा में क्यों:- मिशन में अंतरिक्ष यान के लिए छह साल का विकास चरण शामिल होगा, इसके बाद मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट तक पहुंचने के लिए मंगल ग्रह से परे सात साल की यात्रा होगी। एमबीआर एक्सप्लोरर बेल्ट में सात क्षुद्रग्रहों के करीब फ्लाईबाय का संचालन करेगा, जिसका उद्देश्य अद्वितीय अवलोकन करना और मूल्यवान डेटा एकत्र करना है।

1. एक महत्वपूर्ण घोषणा में, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट का पता लगाने के लिए एक अग्रणी अंतरिक्ष मिशन शुरू करने की अपनी योजना का खुलासा किया है।
2. एमबीआर एक्सप्लोरर नामक महत्वाकांक्षी प्रयास, मार्च 2028 में लॉन्च होने की उम्मीद है, जो यूएई के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
3. अंतरिक्ष अनुसंधान में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध संयुक्त अरब अमीरात, एमबीआर एक्सप्लोरर को 5 बिलियन किलोमीटर की चौंका देने वाली दूरी तय करने वाली उल्लेखनीय यात्रा पर भेजने का इरादा रखता है। मिशन का प्राथमिक उद्देश्य हमारे सौर मंडल के गठन के आसपास के रहस्यों को उजागर करना और जीवन की उत्पत्ति के संभावित सुरागों का पता लगाना है जो क्षुद्रग्रह बेल्ट के भीतर छिपे हो सकते हैं।
4. बहुआयामी अभियान का उद्देश्य न केवल एक मूल्यवान संसाधन के रूप में पानी से भरपूर क्षुद्रग्रहों के संभावित उपयोग की जांच करना है, बल्कि क्षुद्रग्रह बेल्ट के भीतर वाष्पशील और कार्बनिक यौगिकों की उपस्थिति का आकलन करना भी है। इस तरह के यौगिक जीवन के मौलिक घटक हैं क्योंकि हम इसे जानते हैं और हमारे अपने ग्रह की उत्पत्ति में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को अनलॉक कर सकते हैं। इसके अलावा, मिशन के निष्कर्ष क्षुद्रग्रहों से भविष्य के संसाधन निष्कर्षण के लिए संभावनाएं खोल सकते हैं।
5. यूएई ने इस साल की शुरुआत में होप प्रोब के साथ अपने उद्घाटन प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में सफल प्रवेश हासिल करने वाला पहला अरब देश और केवल दूसरा राष्ट्र बनकर इतिहास रच दिया।

6. होप प्रोब ने मंगल ग्रह के वायुमंडल और इसकी परतों की व्यापक समझ प्रदान करने का अपना मिशन पहले ही शुरू कर दिया है, जो ग्रह की जलवायु और संरचना के बारे में महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करता है। एमबीआर एक्सप्लोरर मिशन के साथ, संयुक्त अरब अमीरात अंतरिक्ष अन्वेषण और वैज्ञानिक खोज की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

(SOURCE – HINDUSTAN TIMES)

विश्व स्वास्थ्य सभा ने डूबने से रोकने के लिए प्रस्ताव पारित किया

चर्चा में क्यों:- विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) के सदस्य राज्यों ने 29 मई, 2023 को डब्ल्यूएचए की 76 वीं बैठक के दौरान दुनिया भर में डूबने से रोकने के लिए एक गठबंधन स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। यह 2029 तक इस मुद्दे पर वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करने वाला पहला गठबंधन है।

1. बांग्लादेश और आयरलैंड की सरकारों द्वारा प्रायोजित एक प्रस्ताव ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर और संबंधित संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के बीच डूबने की रोकथाम पर कार्रवाई का समन्वय करने के लिए आमंत्रित किया।
2. डब्ल्यूएचए के 194 सदस्य डूबने की रोकथाम के लिए एक ग्लोबल एलायंस स्थापित करने और दुनिया भर में डूबने के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक वैश्विक स्थिति रिपोर्ट तैयार करने पर सहमत हुए। स्थिति रिपोर्ट नीति निर्माताओं को उनका मार्गदर्शन करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में सूचित करेगी।
3. प्रस्ताव में सदस्य देशों से प्रत्येक देश के भीतर राष्ट्रीय डूबने के परिदृश्यों का अध्ययन करने और जोखिम को कम करने के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए कहा गया है।
4. इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनिवार्य सतत विकास लक्ष्यों और आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-2030 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क सहित व्यापक एजेंडे के साथ वैश्विक गठबंधन और चौराहों की उपलब्धियों पर रिपोर्टिंग को भी 2029 में शामिल किया जाना चाहिए।
5. प्रति वर्ष 235,000 मौतों के आधिकारिक वैश्विक अनुमान में बाढ़ से संबंधित जलवायु घटनाओं और जल परिवहन की घटनाओं के कारण डूबने की घटनाओं को शामिल नहीं किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डूबने से होने वाली मौतों का काफी कम प्रतिनिधित्व होता है

(SOURCE – THE HINDU)

Important News: National

ब्लूबगिंग

चर्चा में क्यों:- साइबर अपराध के मामलों में वृद्धि से चिंतित, आंध्र प्रदेश पुलिस ने हाल ही में लोगों से "ब्लूबगिंग" से सावधान रहने के लिए

कहा।

1. यह हैकिंग का एक रूप है जो हमलावरों को अपने खोज योग्य ब्लूटूथ कनेक्शन के माध्यम से डिवाइस तक पहुंचने देता है। एक बार जब कोई डिवाइस या फोन ब्लूबग होता है, तो एक हैकर कॉल सुन सकता है, संदेश पढ़ सकता है और भेज सकता है, और संपर्कों को चुरा और संशोधित कर सकता है।
2. यह ब्लूटूथ क्षमता वाले लैपटॉप के लिए एक खतरे के रूप में शुरू हुआ। हैकर्स ने बाद में इस तकनीक का इस्तेमाल मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों को निशाना बनाने के लिए किया। यह हमला अक्सर ब्लूटूथ कनेक्शन की सीमा के कारण सीमित होता है, जो केवल 10 मीटर तक जाता है।
3. ब्लूबगिंग हमले ब्लूटूथ-सक्षम उपकरणों का फायदा उठाकर काम करते हैं। और डिवाइस का ब्लूटूथ खोज योग्य मोड में होना चाहिए, जो अधिकांश उपकरणों पर डिफ़ॉल्ट सेटिंग है।
4. हैकर तब ब्लूटूथ के माध्यम से डिवाइस के साथ जोड़ी बनाने की कोशिश करता है। एक बार कनेक्शन स्थापित हो जाने के बाद, हैकर्स प्रमाणीकरण को बायपास करने के लिए ब्रूट फोर्स हमलों का उपयोग कर सकते हैं। वे हैक किए गए डिवाइस में मैलवेयर इंस्टॉल कर सकते हैं ताकि उस तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त की जा सके।
5. मैलवेयर, या दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर, कोई भी प्रोग्राम या फ़ाइल है जो जानबूझकर कंप्यूटर, नेटवर्क या सर्वर के लिए हानिकारक है। मैलवेयर के प्रकारों में कंप्यूटर वायरस, कीड़े, ट्रोजन हॉर्स, रैंसमवेयर और स्पायवेयर शामिल हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

चर्चा में क्यों:- हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दे दी है।

1. मिशन के लिए प्रारंभिक परिव्यय 19,744 करोड़ रुपये होगा, जिसमें साइट कार्यक्रम के लिए 17,490 करोड़ रुपये, पायलट परियोजनाओं के लिए 1,466 करोड़ रुपये, अनुसंधान एवं विकास के लिए 400 करोड़ रुपये और अन्य मिशन घटकों के लिए 388 करोड़ रुपये शामिल हैं।
2. उद्देश्य: भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय संबंधित घटकों के कार्यान्वयन के लिए योजना दिशानिर्देश तैयार करेगा।

3. ग्रीन हाइड्रोजन संक्रमण कार्यक्रम (एसआईटीई) के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप: इसके तहत, दो अलग-अलग वित्तीय प्रोत्साहन तंत्र प्रदान किए जाएंगे
   a. इलेक्ट्रोलाइजर के घरेलू विनिर्माण को लक्षित करना और
   b. ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन
4. मिशन उभरते अंत-उपयोग क्षेत्रों और उत्पादन मार्गों में पायलट परियोजनाओं का भी समर्थन करेगा। बड़े पैमाने पर उत्पादन और / या हाइड्रोजन का उत्पादन। उपयोग और / या उपयोग का समर्थन करने में सक्षम क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जाएगा।
5. मिशन अनुसंधान एवं विकास (सामरिक हाइड्रोजन नवाचार साझेदारी - शिप) के लिए एक सार्वजनिक-निजी साझेदारी ढांचे की सुविधा प्रदान करेगा। मिशन के तहत एक एकीकृत कौशल विकास कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा।
6. ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइज़र का उपयोग करके हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में पानी को विभाजित करके उत्पादित एक गैस है जिसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली द्वारा संचालित किया जा सकता है।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

पालन 1000 अभियान

चर्चा में क्यों:- भारत ने 2014 के बाद से बाल मृत्यु दर को कम करने में तेजी से प्रगति की है, जो 2019 में प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 45 से घटकर 35 प्रति 1,000 जीवित जन्म हो गई है।

1. पालन 1000 - द फर्स्ट 1000 डेज जर्नी', अपने जीवन के पहले 2 वर्षों में बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित है। इसमें बाल स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक पेरेंटिंग ऐप भी शामिल है।
2. ऐप देखभाल करने वालों को व्यावहारिक सलाह प्रदान करेगा कि वे अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में क्या कर सकते हैं और संदेह को दूर करने में मदद कर सकते हैं।
3. ऐप माता-पिता, परिवारों और अन्य देखभाल करने वालों के लिए कोचिंग को परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई सेवाओं के साथ जोड़ता है।
4. कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के मिशन के साथ संरेखित है, जिसमें पहले 1,000 दिनों के दौरान उत्तरदायी देखभाल और केंद्रित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ)

चर्चा में क्यों:- एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (गोल्ड ईटीएफ) में निवेश 2022 में 90%

घटकर 459 करोड़ रुपये रह गया, जिसका कारण पीली धातु की बढ़ती कीमतों, ब्याज दर संरचना में वृद्धि और मुद्रास्फीति का दबाव था।

1. यह कमोडिटी-आधारित एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं जिनकी अंतर्निहित संपत्ति सोने के रूप में है। वे निष्क्रिय निवेश साधन हैं जो सोने की कीमतों पर आधारित हैं और सोने के बुलियन में निवेश करते हैं।
2. गोल्ड ईटीएफ भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करने वाली इकाइयाँ हैं जो कागज या अभौतिक रूप में हो सकती हैं। एक सोने की ईटीएफ इकाई 1 ग्राम सोने के बराबर होती है और बहुत अधिक शुद्धता वाले भौतिक सोने द्वारा समर्थित होती है।
3. गोल्ड ईटीएफ स्टॉक निवेश के लचीलेपन और सोने के निवेश की सादगी को जोड़ती है। वे किसी भी कंपनी के स्टॉक की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) पर सूचीबद्ध और कारोबार करते हैं।

   इसे बाजार मूल्य पर लगातार खरीदा और बेचा जा सकता है।
4. गोल्ड ईटीएफ के गोल्ड ईटीएफ के प्रत्यक्ष मूल्य निर्धारण के कारण, इसकी होल्डिंग पर पूरी पारदर्शिता है। फिजिकल गोल्ड इन्वेस्टमेंट की तुलना में ईटीएफ में लागत काफी कम है।
5. ई.टी.एफ इक्विटी या बॉन्ड जैसे निवेशों का एक संग्रह है। यह प्रतिभूतियों की एक टोकरी है जो स्टॉक की तरह ही एक्सचेंज पर ट्रेड करती है।
6. ईटीएफ शेयर की कीमतों में दिन भर उतार-चढ़ाव होता रहता है क्योंकि ईटीएफ खरीदे और बेचे जाते हैं, जो म्यूचुअल फंड से अलग होता है, जो बाजार बंद होने के बाद दिन में केवल एक बार व्यापार करते हैं। ईटीएफ में स्टॉक, कमोडिटी या बॉन्ड सहित सभी प्रकार के निवेश हो सकते हैं और उनके पास अन्य प्रकार के फंडों की तुलना में सस्ता शुल्क होता है।

   (SOURCE –The Hindu)

फैब्री रोग

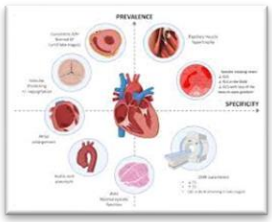

चर्चा में क्यों:- हाल ही में, लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर सपोर्ट सोसाइटी ने फैब्री रोग रोगियों के इलाज के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

1. यह ग्लाइकोस्फिंगोलिपिड (वसा) चयापचय का एक दुर्लभ वंशानुगत विकार है जो लाइसोसोमल एंजाइम, अल्फा गैलेक्टोसिडेस ए (α-गैल ए) की अनुपस्थित या स्पष्ट रूप से कम गतिविधि के परिणामस्वरूप होता है।
2. यह लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रूप में जानी जाने वाली बीमारियों के एक समूह से संबंधित है। यह एंजाइमेटिक कमी α-गैलेक्टोसिडेज ए (जीएलए) जीन में परिवर्तन (उत्परिवर्तन) के कारण होती है जो कोशिकाओं को α-गैलेक्टोसिडेज ए (α-गैल ए) एंजाइम बनाने का निर्देश देती है। लाइसोसोम कोशिकाओं के प्राथमिक पाचन तंत्र के रूप में कार्य करते हैं।

3. लक्षण: सुन्नता, झुनझुनी, हाथों या पैरों में जलन या दर्द, शारीरिक गतिविधि के दौरान अत्यधिक दर्द और गर्मी या ठंड असहिष्णुता आदि।
4. फैब्री रोग के प्रकार
   a. क्लासिक प्रकार: इस प्रकार के लक्षण बचपन या किशोरावस्था के दौरान दिखाई देते हैं। यह दो साल की उम्र में ध्यान देने योग्य हो सकता है।
   b. एटिपिकल प्रकार: देर से शुरू होने वाली फैब्री बीमारी वाले लोगों में लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि वे अपने 30 या उससे अधिक उम्र के नहीं होते हैं।
5. उपचार: रोगियों को अंतःशिरा रूप से प्रशासित एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी (ईआरटी) या मौखिक चैपरोन थेरेपी द्वारा इलाज किया जाता है
6. लाइसोसोम साइटोप्लाज्म में मौजूद सरल छोटे गोलाकार थैली जैसी संरचनाएं हैं। ये झिल्ली-संलग्न ऑर्गेनेल हैं जिनमें एंजाइमों की एक सरणी होती है जो सभी प्रकार के जैविक पॉलिमर-प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, कार्बोहाइड्रेट और लिपिड को तोड़ने में सक्षम होती है।
7. ये कोशिका के पाचन तंत्र के रूप में कार्य करते हैं, कोशिका के बाहर से ली गई सामग्री को नीचा दिखाने और सेल के अप्रचलित घटकों को पचाने के लिए दोनों की सेवा करते हैं।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

बुलंद भारत अभ्यास

चर्चा में क्यों:- भारतीय सेना ने हाल ही में पूर्वी थिएटर के सबसे लंबे ऊंचाई वाले आर्टिलरी रेंज में 'बुलंद भारत' अभ्यास का आयोजन किया।

1. यह भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक एकीकृत निगरानी और मारक क्षमता प्रशिक्षण अभ्यास है। यह अरुणाचल प्रदेश में स्थित पूर्वी थिएटर के हाल ही में संचालित सबसे लंबी हाई एल्टीट्यूड आर्टिलरी रेंज में आयोजित किया गया था।
2. अभ्यास में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग और तवांग जिलों में तैनात विशेष बलों, विमानन और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ निकट समन्वय में तोपखाने और पैदल सेना की निगरानी और मारक क्षमता का समन्वित अनुप्रयोग शामिल था।
3. अभ्यास ने निर्दिष्ट लक्ष्यों को नष्ट करने के उद्देश्य से आर्टिलरी गन और फायर सपोर्ट घटकों द्वारा सिंक्रनाइज़ फायरिंग करके एकीकृत मारक क्षमता को कम करने की योजना को मान्य किया।
4. महीने भर के प्रशिक्षण का समापन एक परीक्षण अभ्यास में हुआ जिसमें सैनिकों और उपकरणों को उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र और चरम मौसम की स्थिति में नकली युद्ध स्थितियों में परीक्षण किया गया था।
5. अभ्यास के दौरान, पैदल सेना और तोपखाने रडार, हथियार प्रणाली और हवा से आग की दिशा से समन्वित निगरानी और मारक क्षमता का भी परीक्षण किया गया और लंबी दूरी पर कई मीडिया पर इंटरसेप्ट संचार का भी परीक्षण किया गया।

(SOURCE –The Hindu)

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस)

चर्चा में क्यों:- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 945 करोड़ रुपये की स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना का तीसरे पक्ष का आकलन कर रहा है ताकि जमीन पर इसके प्रभाव को देखा जा सके।

1. यह स्टार्टअप इंडिया के तहत अप्रैल 2021 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है
2. उद्देश्य: अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार प्रवेश और व्यावसायीकरण के प्रमाण के लिए स्टार्टअप को वित्तीय सहायता।
3. इसे 1 अप्रैल, 2021 से 945 करोड़ रुपये के कोष के साथ 4 साल की अवधि के लिए लागू किया गया है।
4. नोडल विभाग: वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी)।

निधिकरण:

5. डीपीआईआईटी द्वारा एसआईएसएफएस के निष्पादन और निगरानी के लिए एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति (ईएसी) का गठन किया गया है।
6. ईएसी पात्र इनक्यूबेटरों का चयन करेगा, जिन्हें प्रत्येक को 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। बदले में, चयनित इनक्यूबेटर स्टार्टअप को अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइप विकास और उत्पाद परीक्षणों के सत्यापन के लिए 20 लाख रुपये तक प्रदान करेंगे।
7. डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्टार्टअप आवेदन के समय 2 साल से अधिक समय पहले शामिल नहीं किया गया था। और स्टार्टअप्स के पास बाजार फिट, व्यवहार्य व्यावसायीकरण और स्केलिंग के दायरे के साथ एक उत्पाद या सेवा विकसित करने के लिए एक व्यावसायिक विचार होना चाहिए।स्टार्टअप को लक्षित की जा रही समस्या को हल करने के लिए अपने मुख्य उत्पाद या सेवा, या व्यवसाय मॉडल, या वितरण मॉडल, या पद्धति में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए।
8. स्टार्टअप को किसी भी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की योजना के तहत 10 लाख रुपये से अधिक की मौद्रिक सहायता नहीं मिलनी चाहिए। और स्टार्टअप में भारतीय प्रमोटरों द्वारा योजना के लिए इनक्यूबेटर में आवेदन के समय कम से कम 51% हिस्सेदारी होनी चाहिए।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

पोषण भी, पढ़ई भी अभियान

चर्चा में क्यों:- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 20 मार्च 2022 से 3 अप्रैल 2023 तक देश भर में विभिन्न गतिविधियों के साथ पांचवां पोषण पखवाड़ा मनाएगा।

1. पोषण पखवाड़े का उद्देश्य पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देना है।

2. इस वर्ष पोषण पखवाड़ा 2023 का विषय "सभी के लिए पोषण: एक स्वस्थ भारत की ओर एक साथ" है।
3. वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किए जाने के साथ, इस वर्ष के पोषण पखवाड़े का ध्यान कुपोषण से निपटने के लिए एक मूल्यवान संपत्ति के रूप में सभी अनाजों की जननी 'श्री अन्ना' को लोकप्रिय बनाने पर होगा।
4. पोषण पखवाड़े के दौरान गतिविधियां, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित करेंगी
   a. बाजरा आधारित खाद्य पदार्थों के लिए पोषण की खुराक,
   b. घर का दौरा,
   c. खाद्य परामर्श शिविरों आदि से जुड़ने के लिए अभियानों के आयोजन के माध्यम से पोषण कल्याण के लिए श्री अन्ना/बाजरा का संवर्धन और लोकप्रियकरण।
   d. अच्छे पोषण, अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना पैदा करके परिभाषित मानदंडों के अनुसार एक 'स्वस्थ बच्चे' या स्वस्थ बच्चे का जश्न मनाएं और पहचानें।
   e. 5.सक्षम आंगनवाड़ियों को लोकप्रिय बनाना: बेहतर पोषण वितरण और प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के केंद्रों के रूप में बेहतर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ सक्षम आंगनवाड़ियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकप्रिय बनाने के लिए अभियान चलाए जाएंगे।
5. नोडल मंत्रालय: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
6. **8** मार्च 2018 को भारत के प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किया गया एफ.पोषण अभियान, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और पोषण पर प्रवचन को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पोषण अभियान समग्र रूप से पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए शुरू किया गया था।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

विवाद से विश्वास I - एमएसएमई को राहत

चर्चा में क्यों:- वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने कोविड-19 अवधि के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को राहत प्रदान करने के लिए "विवाद से विश्वास मैं - एमएसएमई को राहत" योजना शुरू की है।

1. इस योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2023-24 में की गई थी। यह योजना 2019 में घोषित अप्रत्यक्ष करों के लिए इसी तरह की 'सबका विश्वास योजना' पर आधारित है।
2. विवादित कर, ब्याज, जुर्माना आदि के निपटान का प्रावधान है। इस योजना में। और घोषणा में शामिल मामलों के संबंध में आयकर अधिनियम के तहत किसी भी अपराध के लिए अभियोजन के लिए किसी भी कार्यवाही से छूट प्रदान करना।
3. इस योजना के तहत मंत्रालयों से कोविड-19 महामारी के दौरान जब्त या काटे गए नुकसान की भरपाई करने को कहा गया है। कोविड-19 अवधि के दौरान अनुबंधों के निष्पादन में चूक के लिए प्रतिबंधित एमएसएमई को भी कुछ राहत प्रदान की गई है।

4. वित्त मंत्रालय ने इस योजना के माध्यम से कोविड-19 अवधि के दौरान प्रभावित पात्र एमएसएमई को निम्नलिखित अतिरिक्त लाभ देने का निर्णय लिया: जब्त किए गए प्रदर्शन संरक्षण का 95% वापस कर दिया जाएगा। कटौती किए गए परिसमापन क्षति (एलडी) का 95% वापस कर दिया जाएगा।
5. यदि किसी फर्म को केवल ऐसे अनुबंधों के निष्पादन में चूक के कारण प्रतिबंधित किया गया है, तो खरीद इकाई द्वारा उचित आदेश जारी करके इस तरह के प्रतिबंध को भी रद्द कर दिया जाएगा।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

भारत गर्मी के खतरे को मापने के लिए अगले साल अपना स्वयं का गर्मी सूचकांक लॉन्च करेगा

चर्चा में क्यों:- भारत अपनी आबादी पर गर्मी के प्रभाव को मापने और विशिष्ट स्थानों के लिए प्रभाव-आधारित हीट वेव अलर्ट उत्पन्न करने के लिए अगले साल अपना समग्र सूचकांक लॉन्च करेगा।

1. आईएमडी ने पिछले सप्ताह देश के विभिन्न हिस्सों के लिए एक प्रयोगात्मक गर्मी सूचकांक जारी करना शुरू किया, जिसमें हवा के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता को ध्यान में रखा गया ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि यह वास्तव में कितना गर्म लगता है।
2. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पिछले हफ्ते देश के विभिन्न हिस्सों के लिए एक प्रयोगात्मक गर्मी सूचकांक जारी करना शुरू कर दिया, जिसमें हवा के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता को ध्यान में रखा गया ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि यह वास्तव में कितना गर्म लगता है।
3. तापमान और आर्द्रता के साथ यह हवा और जोखिम की अवधि जैसे अन्य मापदंडों को एकीकृत करेगा। यह लोगों के लिए गर्मी के तनाव का एक प्रभावी संकेतक होगा।
4. खतरा स्कोर लगभग दो महीने में तैयार हो जाएगा और यह अगले गर्मी के मौसम में चालू हो जाएगा। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में आज सुबह हल्का कोहरा छाया रहा जिससे दृश्यता प्रभावित हुई।
5. शहर में कल भारी वर्षा हुई और पिछले 24 घंटों में लगभग 21 मिमी बारिश दर्ज की गई। कल अधिकतम तापमान सामान्य से नौ डिग्री कम 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

मिशन कर्मयोगी

चर्चा में क्यों:- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'मिशन कर्मयोगी' ने 2047 की शताब्दी के भारत को आकार देने के उद्देश् य से क्षमता निर्माण की प्रक्रिया को संस् थागत बनाया है, विशेष रूप से सिविल सेवकों के लाभ के लिए।

1. मिशन कर्मयोगी या सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (**NPCSCB)।**

2. मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सिविल सेवकों को अधिक रचनात्मक, रचनात्मक और अभिनव बनाकर भविष्य के लिए तैयार करना है। यह अनूठा कार्यक्रम देश में सिविल सेवकों के लिए नींव रखने में मदद करेगा। इसमें "ऑफ-साइट लर्निंग" के पूरक में 'ऑन-साइट लर्निंग' पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
3. मिशन कर्मयोगी का घोषित उद्देश्य निरंतर क्षमता निर्माण, प्रतिभा पूल को अद्यतन करने और सभी स्तरों पर सरकारी अधिकारियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास और सम्मान के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए एक तंत्र प्रदान करना है।
4. कर्मयोगी नियम-विशिष्ट से भूमिका-विशिष्ट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। मिशन अधिकारियों को समाज की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान के साथ भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा का निर्माण करना है, जो न्यू इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
5. प्रयास साइलो में काम करने की संस्कृति को समाप्त करने और देश भर में फैले संस्थानों के कारण प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की बहुलता को दूर करने के लिए भी है। यह सरकार में मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं में सुधार करेगा और सिविल सेवकों की क्षमता बढ़ाने के लिए पैमाने और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करेगा।
6. इसका संचालन चार नए निकायों द्वारा किया जाएगा।
   a. नए संस्थान प्रधानमंत्री की सार्वजनिक मानव संसाधन परिषद,
   b. एक क्षमता निर्माण आयोग,
   c. एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) होगा जो ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए एक डिजिटल संपत्ति और प्रौद्योगिकी मंच का मालिक होगा और संचालित करेगा,
   d. और एक समन्वय इकाई होगी, जिसका नेतृत्व कैबिनेट सचिव करेंगे।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

फूड स्ट्रीट प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों:- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने हाल ही में 'फूड स्ट्रीट प्रोजेक्ट' की समीक्षा की।

1. इस का उद्देश्य देश भर में 100 स्वस्थ और स्वच्छ खाद्य-सड़कों को विकसित करना है। यह परियोजना सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, खाद्य जनित बीमारियों को कम करने और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने का प्रयास करती है।
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन फूड स्ट्रीट को चालू करने के लिए प्रति फूड स्ट्रीट 1 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करेगा। सुरक्षित पेयजल, हाथ धोने, शौचालय की सुविधा और उचित तरल और ठोस अपशिष्ट निपटान जैसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
3. यह पहल आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अभिसरण में एनएचएम के माध्यम से लागू की जाएगी।

4. स्वास्थ्य मंत्रालय ने फूड स्ट्रीट हब के लिए स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानक प्रोटोकॉल में सुधार के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।
5. इन पहलों में ईट राइट इंडिया मूवमेंट की क्लीन स्ट्रीट फूड हब पहल के तहत खाद्य संचालकों का प्रशिक्षण, स्वतंत्र तृतीय पक्ष ऑडिट और प्रमाणन शामिल हैं।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना

चर्चा में क्यों:- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) स्टार्टअप समुदाय को लाभ पहुंचाने में अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना का तीसरे पक्ष के प्रभाव का आकलन कर रहा है।

1. एसआईएसएफएस 2021 में डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बनाया गया था। इसका उद्देश्य अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार प्रवेश और व्यावसायीकरण के प्रमाण के लिए स्टार्ट-अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
2. डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त पात्रता स्टार्टअप, जिन्हें आवेदन के समय 2 साल से अधिक समय पहले शामिल नहीं किया गया था, उन्हें किसी अन्य केंद्रीय या राज्य सरकार की योजना के तहत 10 लाख रुपये से अधिक की मौद्रिक सहायता नहीं मिली है।
3. वरीयता स्टार्टअप सामाजिक प्रभाव, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में अभिनव समाधान बनाते हैं।
4. पात्र इनक्यूबेटरों को 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान और सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है, जो बदले में अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास या उत्पाद परीक्षणों के प्रमाण के सत्यापन के लिए स्टार्टअप को 20 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान करते हैं। अगले 4 वर्षों में300 इनक्यूबेटरों के माध्यम से अनुमानित लाभार्थी 3,600 उद्यमी हैं।
5. सीड फंडिंग एक स्टार्ट-अप या एक नए व्यवसाय विचार में निवेश का एक प्रारंभिक चरण है जो कंपनी को एक ऐसे बिंदु तक पहुंचने में मदद करता है जहां यह वित्त पोषण के अतिरिक्त दौर सुरक्षित कर सकता है या आत्मनिर्भर बनने के लिए राजस्व उत्पन्न कर सकता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022

चर्चा में क्यों:- केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर आज सुबह लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 (केआईयूजी 2022) का लोगो, जर्सी, शुभंकर, मशाल और गान लॉन्च करेंगे।

1. खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा संस्करण 23 मई से 3 जून तक आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 25 मई को लखनऊ के बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाला है।

2. केआईयूजी के आगामी संस्करण में देश भर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के 4,700 से अधिक एथलीटों की भागीदारी देखने की उम्मीद है, जिसमें कुल भागीदारी 7,000 से अधिक तक पहुंच जाएगी।
3. इस संस्करण में शामिल खेल विषयों की संख्या 21 है, जो विश्वविद्यालय के खेलों के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक है। रोइंग को भी पहली बार पेश किया जा रहा है।
4. राजधानी लखनऊ के अलावा वाराणसी, नोएडा और गोरखपुर में भी खेलों का आयोजन किया जाएगा। शूटिंग प्रतियोगिता नई दिल्ली में डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित की जाएगी।
5. पहली बार, रोइंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का हिस्सा होंगे। दो स्वदेशी खेल विधाएं मल्लखंब और योगासन कर्नाटक में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पिछले संस्करण का हिस्सा थीं और इस संस्करण का भी हिस्सा होंगी।

(SOURCE –The Hindu)

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (CBDC)

चर्चा में क्यों:- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर ने हाल ही में कहा था कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) प्लेटफॉर्म सीमा पार भुगतान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं।

1. CBDCs किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा का एक रूप है। केंद्रीय बैंकों के उदाहरणों में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), अमेरिकी फेडरल रिजर्व सिस्टम, बैंक ऑफ जापान शामिल हैं।
2. CBDCs स्थिर सिक्कों के समान हैं, सिवाय इसके कि उनका मूल्य केंद्रीय बैंक द्वारा तय किया जाता है और देश की फिएट मुद्रा के बराबर होता है।
3. यह व्यवसायों और उपभोक्ताओं को गोपनीयता, हस्तांतरणीयता, सुविधा, पहुंच और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। और यह रखरखाव लागत को भी कम करता है जो एक जटिल वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता होती है। यह सीमा पार लेनदेन लागत को कम करता है।
4. यह अपने वर्तमान रूप में डिजिटल मुद्राओं, या क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने से जुड़े जोखिमों को भी कम करेगा। सरकार द्वारा समर्थित और एक केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रित सीबीडीसी, परिवारों, उपभोक्ताओं और व्यवसायों को डिजिटल मुद्रा के आदान-प्रदान का एक सुरक्षित साधन देगा।
5. Stablecoins क्रिप्टोकरेंसी हैं जिनका मूल्य मूल्यवान है या किसी अन्य मुद्रा, वस्तु या वित्तीय साधन से जुड़ा हुआ है। स्टेबलकॉइन्स का उद्देश्य बिटकॉइन (बीटीसी) सहित सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी की उच्च अस्थिरता का विकल्प प्रदान करना है।
6. बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी के विपरीत, स्थिर सिक्कों की कीमतें स्थिर रहती हैं जो भी फिएट मुद्रा उनका समर्थन करती है। उदाहरण के लिए, यूएसडीसी स्टेबलकॉइन डॉलर-नामित परिसंपत्तियों द्वारा समर्थित है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग का खिताब जीता

चर्चा में क्यों:- भारत के नीरज चोपड़ा ने दोहा में चल रही डायमंड लीग में भाला फेंक खिताब जीतकर 2023 सीजन की शानदार शुरुआत की है।

1. पिछले साल सितंबर में स्विट्जरलैंड में 2022 डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी जीतने वाले 25 वर्षीय चोपड़ा ने 88.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया।
2. चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.67 मीटर के विश्व अग्रणी थ्रो के साथ अपनी धारियों को मारा, जो उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ था।
3. उन्होंने कतर स्पोर्ट्स क्लब में अपनी दूसरी उपस्थिति में इस प्रतियोगिता को जीतने के लिए अंत तक बढ़त बनाए रखी।
4. चेक गणराज्य के वाडलेजिक दूसरे और ग्रेनेडा के पीटर्स तीसरे स्थान पर रहे। इस जीत के साथ ही नीरज ने विश्व बढ़त भी हासिल कर ली है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट)।

चर्चा में क्यों:- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (**START**) नामक एक नए परिचयात्मक स्तर के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की घोषणा की है।

1. स्टार्ट कार्यक्रम भौतिकी और प्रौद्योगिकी के स्नातकोत्तर और अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों के उद्देश्य से है।
2. कार्यक्रम खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, हेलिओफिजिक्स और सूर्य-पृथ्वी इंटरैक्शन, इंस्ट्रूमेंटेशन और एरोनॉमी सहित अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न डोमेन को कवर करेगा। यह भारतीय शिक्षाविदों और इसरो केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा वितरित किया जाएगा।
3. यह कार्यक्रम भारतीय छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पेशेवर बनने में सक्षम बनाने के लिए इसरो के प्रयासों का हिस्सा है।
4. इसका उद्देश्य छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एक परिचयात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं, अनुसंधान के अवसरों और कैरियर विकल्पों का अवलोकन मिलता है। प्रशिक्षण अंतरिक्ष विज्ञान की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति पर भी जोर देगा।
5. कार्यक्रम से एक मानव क्षमता बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है जो भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान का नेतृत्व करेगा।
6. छात्र समुदाय को प्राप्त होगा:
   a. अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन,
   b. विभिन्न भारतीय संस्थानों में चल रहे अनुसंधान के संपर्क में,

c. अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कुछ पहलुओं के अनुरूप उनकी व्यक्तिगत योग्यता कैसे होगी, इस बारे में अंतर्दृष्टि,

d. छात्रों को विषय की क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रकृति की सराहना करने का मौका मिलेगा, और तदनुसार अपना कैरियर पथ चुनें।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

पीएम केयर्स फंड

चर्चा में क्यों:- केंद्र सरकार ने हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि पीएम केयर्स फंड की स्थापना एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में की गई है, न कि आरटीआई के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण के रूप में।

1. भारत में कोविड-19 महामारी के बाद 28 मार्च 2020 को आपातकालीन स्थिति में प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) बनाया गया था।
2. यह भविष्य में कोरोनोवायरस प्रकोप और इसी तरह की महामारियों जैसी स्थितियों के खिलाफ लड़ाई, रोकथाम और राहत प्रयासों के लिए बनाया गया था। इसे पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया है।
3. किसी भी आपदा, आपदा, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल या किसी भी प्रकार की किसी अन्य आपात स्थिति की स्थिति में सभी प्रभावित व्यक्तियों को सहायता और राहत प्रदान करते हैं जो प्राकृतिक या मानव निर्मित हो सकता है।
4. किसी भी दवा सुविधाओं का निर्माण और उन्नयन, अनुसंधान का वित्तपोषण, किसी भी आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण या उन्नयन, स्वास्थ्य देखभाल सहायता या किसी अन्य प्रकार की सहायता।
5. प्रधान मंत्री पीएम केयर्स फंड के पदेन अध्यक्ष हैं। रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री, भारत सरकार इस निधि के पदेन न्यासी हैं। फंड का ट्रस्ट डीड ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष यानी प्रधानमंत्री को ट्रस्टी बोर्ड में तीन ट्रस्टियों को नामित करने की शक्ति देता है।
6. इस निधि में पूरी तरह से व्यक्तियों/संगठनों से स्वैच्छिक योगदान होता है और इसे कोई बजटीय सहायता प्राप्त नहीं होती है। फंड में योगदान किसी भी व्यक्ति या किसी भी संगठन से हो सकता है जिसमें कंपनियां, अन्य धर्मार्थ संस्थान, संघ आदि शामिल हैं।
7. **PM CARES** फंड में दान आयकर अधिनियम के तहत 100% छूट के लिए 80**G** लाभों के लिए अर्हता प्राप्त करेगा। **PM CARES** फंड में दान को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (**CSR)** व्यय के रूप में भी गिना जाएगा।
8. एफसीआरए के तहत को भी छूट दी गई है। यह पीएम केयर्स फंड को विदेशों में स्थित व्यक्तियों और संगठनों से दान और योगदान स्वीकार करने में सक्षम बनाता है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

इफको स्मार्ट खेती के लिए ड्रोन, नैनो और एआई प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करता है।

चर्चा में क्यों :- इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव (इफको) कृषि विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के साथ तकनीकी सहयोग से अखिल भारतीय स्तर पर ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने की योजना बना रहा है।

1. ड्रोनएआई एक एकीकृत कार्यक्रम है जो ड्रोन, नैनो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मोबाइल प्रौद्योगिकियों के संयोजन से नैनो उर्वरकों और अन्य कृषि रसायनों के पर्ण अनुप्रयोग को बढ़ावा देता है।
2. किसान अपने मोबाइल ऐप के माध्यम से इन उन्नत तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं जो छिड़काव को कुशल, लागत प्रभावी और सुरक्षित बना देगा। छिड़काव करते समय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सॉफ्टवेयर फसल की वृद्धि और स्वास्थ्य का पता लगा सकता है और किसानों को स्मार्ट खेती की ओर मार्गदर्शन कर सकता है।
3. इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस एक सफल ड्रोन छिड़काव प्रणाली का निर्माण करना है, ग्रामीण युवाओं / युवाओं को जोड़ने के लिए प्रणाली को किसानों के साथ समन्वय में काम करना होगा और उन्हें उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित करना होगा जिसके परिणामस्वरूप अंततः ग्रामीण उद्यमिता होती है।
4. ड्रोन, उनके परिवहन वाहनों और सुरक्षित उड़ान से संबंधित सभी अनिवार्य प्रोटोकॉल इस प्रक्रिया में एम्बेडेड हैं और किसान अनुकूल मोबाइल ऐप द्वारा समन्वित किए गए हैं। इसलिए इस उच्च अंत, एकीकृत ड्रोन तकनीक को कृषि में बढ़ावा दिया जा सकता है जो किसानों को उच्च तकनीक वाली स्मार्ट खेती का अभ्यास करने में मदद करेगा।
5. ड्रोनएआई का परीक्षण मॉड्यूल इफको द्वारा टीएनएयू के साथ तकनीकी सहयोग में 2 मई को कृषि अनुसंधान स्टेशन, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर, भारत में लॉन्च किया गया था।
6. विभिन्न जिलों के लगभग 450 किसानों ने कृषि में ड्रोन, नैनो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों के बारे में अधिक समझने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) और इफको द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

नई दिल्ली में वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन।

चर्चा में क्यों:- हाल ही में, संस्कृति मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के साथ साझेदारी में पहले वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 2023 का आयोजन किया है।

1. दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों के बौद्ध भिक्षुओं ने भाग लिया। सम्मेलन में दुनिया भर के प्रख्यात विद्वानों, संघ नेताओं और धर्म साधकों ने भाग लिया।
2. इस में 173 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 84 यूनियन सदस्य और 151 भारतीय प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें 46 यूनियन सदस्य, 40 नन और दिल्ली के बाहर के 65 प्रतिनिधि शामिल हैं।
3. विषय: समकालीन चुनौतियों के लिए प्रतिक्रियाएं: प्रैक्सिस के लिए दर्शन।

4. शिखर सम्मेलन का उद्देश्य आज के महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करना और सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर बुद्ध धम्म में उत्तर मांगना है।
5. इसका उद्देश्य सामान्य बौद्ध विद्वानों और धर्म गुरुओं के लिए एक मंच स्थापित करना है। यह धर्म के मूल मूल्यों के अनुसार सार्वभौमिक शांति और सद्भाव की दिशा में काम करने के उद्देश्य से शांति, करुणा और सद्भाव के लिए बुद्ध के संदेश में उतरने और आगे के अकादमिक अनुसंधान के लिए एक दस्तावेज तैयार करने का प्रयास करता है, ताकि वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संचालन के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग के लिए इसकी व्यवहार्यता का अध्ययन किया जा सके।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

हर घर दस्तक" अभियान

चर्चा में क्यों:- 1 जून, 2022 को, देश भर में हर घर दस्तक 2.0 अभियान शुरू हुआ ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पात्र लाभार्थियों को पूर्ण कोविड -19 टीकाकरण प्राप्त हो।

1. यह अभियान 12 से 14 वर्ष की आयु के लोगों के टीकाकरण और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए एहतियाती खुराक पर विशेष ध्यान देता है। यह दो महीने का डोर-टू-डोर अभियान है जो 1 जून से 31 जुलाई, 2022 तक चलेगा।
2. पहला हर घर दस्तक अभियान नवंबर 2021 में शुरू किया गया था। अब तक देश भर में टीकों की 193.6 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 96.3 प्रतिशत लोगों को कम से कम एक टीकाकरण खुराक मिली है और 86.3 प्रतिशत को दोनों खुराक मिली हैं।
3. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड टीकाकरण की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की। इसलिए, 20 मई को, मंत्रालय ने सभी केंद्र शासित प्रदेशों और राज्यों को सभी ब्लॉकों, जिलों और गांवों के लिए विस्तृत योजनाओं के साथ दो महीने का हर घर दस्तक 2.0 अभियान चलाने की सलाह दी।
4. अभियान का उद्देश्य डोर-टू-डोर अभियानों के माध्यम से पहली, दूसरी और एहतियाती खुराक के लिए देश भर में सभी पात्र जनसंख्या समूहों का टीकाकरण करना है। यह अभियान इस पर केंद्रित होगा: वृद्धाश्रम, कॉलेज, स्कूल (12 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के स्कूल से बाहर कवरेज के लिए), ईंट भट्टे, जेल आदि।
5. यूनीसेफ इस अभियान में इस स्वास्थ्य मंत्रालय का सहयोग कर रहा है। मंत्रालय ने बताया था कि 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए एहतियाती खुराक वाले व्यक्तियों का उप-इष्टतम कवरेज, साथ ही 12 से 14 वर्ष की आयु के बीच के लोगों के लिए धीमी कवरेज गति बड़ी चिंता का विषय है।
6. अभियान का यह दूसरा दौर 12 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों पर केंद्रित होगा। अभियान में एक स्कूल-आधारित अभियान भी शामिल होगा जिसमें निजी, सरकारी और अनौपचारिक स्कूल जैसे डे केयर स्कूल, मदरसे आदि शामिल हैं। इस अभियान का एक दौर उन लोगों के लिए भी आयोजित किया जाएगा जिनके स्कूल गर्मी की छुट्टियों के लिए बंद हैं।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

फ्रंट-रनिंग

चर्चा में क्यों:- सेबी ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के एक कर्मचारी सहित पांच संस्थाओं को 'फ्रंट-रनिंग' के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है

1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के एक कर्मचारी सहित पांच संस्थाओं को 'फ्रंट-रनिंग' के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है
2. Front-runing शेयर बाजार में एक अवैध अभ्यास है जहां एक व्यक्ति या इकाई अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराए जाने से पहले ब्रोकर या विश्लेषक से प्राप्त उन्नत जानकारी के आधार पर व्यापार करती है।
3. उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि एक ब्रोकर को कंपनी एक्स के शेयर खरीदने के लिए ग्राहक से एक बड़ा आदेश प्राप्त होता है। ग्राहक की ओर से ऑर्डर देने से पहले, ब्रोकर अपने व्यक्तिगत खाते के लिए कंपनी एक्स के शेयर खरीद सकता है, यह जानते हुए कि ग्राहक का आदेश शेयरों की कीमत बढ़ाएगा। एक बार शेयरों की कीमत बढ़ने के बाद, ब्रोकर अपने शेयरों को लाभ पर बेच सकता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

आईड्रोन पहल

चर्चा में क्यों:- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपनी आईड्रोन पहल के तहत ड्रोन द्वारा रक्त बैग की डिलीवरी का सफल परीक्षण किया है।

1. एक पथ प्रदर्शक सत्यापन अध्ययन के हिस्से के रूप में, आईसीएमआर द्वारा देश में पहली बार परीक्षण किया गया है; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी); गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस), ग्रेटर नोएडा; और जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी), नोएडा।
2. उद्घाटन परीक्षण उड़ान में जीआईएमएस और एलएचएमसी से पूरे रक्त के नमूनों की 10 इकाइयां दृश्य रेखा में ले गईं।
3. परियोजना 'आई-ड्रोन' (आईसीएमआर की ड्रोन प्रतिक्रिया और पूर्वोत्तर के लिए आउटरीच) ने टीके और चिकित्सा आपूर्ति देने के लिए ड्रोन का उपयोग करने की व्यवहार्यता का आकलन किया।
4. यह भूमि, द्वीप, तलहटी और पहाड़ियों के पार सहित कठिन भौगोलिक इलाकों में किया गया था।
5. आई-ड्रोन परियोजना के तहत वितरित चिकित्सा आपूर्ति में कोविड-19 टीके, नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों का उपयोग किए गए टीके, प्रसवपूर्व देखभाल दवाएं, मल्टी-विटामिन, सिरिंज और दस्ताने शामिल थे।
6. ड्रोन वितरण प्रणाली राज्यों के भीतर ड्रोन-आधारित लॉजिस्टिक परिवहन के लिए एंड-टू-एंड पारिस्थितिकी तंत्र पर केंद्रित थी और दक्षिण एशिया में भूमि से द्वीप तक ड्रोन के माध्यम से टीके पहुंचाने का पहला सफल उदाहरण था।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी)।

चर्चा में क्यों:- जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में हाल ही में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) की वजह से हुए विस्फोट में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे।

1. आईईडी एक प्रकार का अपरंपरागत विस्फोटक हथियार है जो किसी भी रूप में ले सकता है और विभिन्न तरीकों से सक्रिय हो सकता है। आईईडी का इस्तेमाल अपराधी, तोड़फोड़ करने वाले, आतंकवादी, आत्मघाती हमलावर और विद्रोही करते हैं। क्योंकि वे तात्कालिक हैं, आईईडी कई रूपों में आ सकते हैं, एक छोटे पाइप बम से लेकर एक परिष्कृत उपकरण तक जो बड़े पैमाने पर नुकसान और जीवन के नुकसान का कारण बनने में सक्षम है।
2. आईईडी को वाहन में ले जाया या वितरित किया जा सकता है; एक व्यक्ति द्वारा ले जाया, रखा या फेंक दिया गया; एक पैकेज में वितरित; या सड़क के किनारे छिपा हुआ।
3. एक आईईडी के कारण होने वाले नुकसान की सीमा इसके आकार, निर्माण और प्लेसमेंट पर निर्भर करती है और क्या इसमें उच्च विस्फोटक या प्रणोदक शामिल है।
4. IED शब्द 2003 में शुरू हुए इराक युद्ध के दौरान आम उपयोग में आया था।
5. इस में विभिन्न प्रकार के घटक होते हैं जिनमें एक आरंभकर्ता, स्विच, मुख्य चार्ज, बिजली स्रोत और कंटेनर शामिल होते हैं। आईईडी को अतिरिक्त सामग्री या "संवर्द्धन" जैसे नाखून, कांच, या धातु के टुकड़ों से घिरा या पैक किया जा सकता है जो विस्फोट से प्रेरित छर्रे की मात्रा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। एक आईईडी को इच्छित लक्ष्य के आधार पर विभिन्न तरीकों से शुरू किया जा सकता है।
6. कई सामान्य रूप से उपलब्ध सामग्री, जैसे उर्वरक, बारूद और हाइड्रोजन पेरोक्साइड, आईईडी में विस्फोटक सामग्री के रूप में उपयोग की जाती हैं। विस्फोटकों में ईंधन और एक ऑक्सीडाइज़र होता है, जो प्रतिक्रिया को बनाए रखने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करता है।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

गोजातीय वायरल डायरिया

चर्चा में क्यों:- वैज्ञानिकों ने हाल ही में बोवाइन वायरल डायरिया वायरस (बीवीडीवी) के प्रतिरोध के साथ पहला जीन-संपादित बछड़ा बनाया है।

1. बी.वी.डी. एक संक्रामक बीमारी है, जो विश्व स्तर पर मवेशियों और अन्य जुगाली करने वाली आबादी के लिए स्थानिक है।

   यह बोवाइन वायरल डायरिया वायरस (बीवीडीवी) के कारण होता है।
2. यह झुंड में श्वसन और प्रजनन संबंधी मुद्दों का कारण बन सकता है। यह इम्यूनोसप्रेशन की ओर जाता है और पाचन तंत्र के अलावा कई शरीर प्रणालियों में संकेत पैदा कर सकता है।

3. अधिकांश जानवर अन्य हाल ही में संक्रमित या लगातार संक्रमित (वाहक) जानवरों के संपर्क के माध्यम से उजागर हो जाते हैं जो वायरस को बहा रहे हैं। मवेशियों के लिए दूषित फोमाइट्स के संपर्क में आने से संक्रमित होना भी संभव है, जैसे कि पानी की बाल्टी, बछड़ा फीडर, फीड बंक, आईवी उपकरण आदि।
4. यह भ्रूण के जन्मजात संक्रमण के माध्यम से या जन्म के बाद प्रेषित किया जा सकता है। इन बछड़ों में बीवीडी संक्रमण बछड़े के पूरे जीवन के दौरान बना रहेगा, और वे खेत के वातावरण में लगातार बीवीडीवी बहा देंगे।
5. हालांकि इस वायरस का कोई इलाज नहीं है, सहायक उपचारों का अभ्यास अस्थायी रूप से मवेशियों की भलाई में सुधार करने में मदद करेगा। बीवीडी के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित बछड़ों को मारा जाना चाहिए।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

मिशन अमृत सरोवर

चर्चा में क्यों:- प्रधानमंत्री ने भविष्य के लिए जल संरक्षण के उद्देश्य से 24 अप्रैल, 2022 को मिशन अमृत सरोवर की शुरुआत की थी।

1. मिशन का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के हर जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवर विकसित करना था। कुल मिलाकर इस मिशन के तहत 15 अगस्त 2023 तक 50,000 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे तय समय से पहले ही हासिल कर लिया गया है। अब तक 50,071 अमृत सरोवर का निर्माण पूरा हो चुका है।
2. मिशन अमृत सरोवर के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण और संचयन के संकल्प को प्राप्त करने के लिए, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार नोडल मंत्रालय के रूप B.In में कार्य करते हुए, विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन मोड में काम कर रहा है।
3. विलुप्त होने के कगार पर खड़े अमृत सरोवर के जीर्णोद्धार से लेकर नए अमृत सरोवर के निर्माण तक की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। मिशन के सभी पहलुओं के दौरान "संपूर्ण सरकार" दृष्टिकोण और "लोगों की भागीदारी" के माध्यम से किए गए प्रयासों के कारण, 50 हजार अमृत सरोवर का लक्ष्य समय से पहले प्राप्त किया जा सका।
4. जिला प्रशासन, पंचायत राज अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, विभिन्न संस्थाओं और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनभागीदारी के समन्वित प्रयासों से 10 मई, 2023 तक अमृत सरोवर के रूप में लगभग 1,05,243 स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें से 72,297 स्थलों पर काम शुरू हो चुका है। अब तक 50,071 अमृत सरोवर का निर्माण पूरा हो चुका है।
5. मिशन अमृत सरोवर का उद्देश्य अमृत सरोवर का निर्माण या जीर्णोद्धार इस तरह से करना है कि वे स्थानीय सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बन जाएं। प्रत्येक अमृत सरोवर के लिए एक उपयोगकर्ता समूह बनाया जा रहा है क्योंकि अमृत सरोवर के रखरखाव में सामुदायिक स्वामित्व होना चाहिए, ताकि उनके दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके। अब तक, 59,282 उपयोगकर्ता समूह झील के रखरखाव और इससे अपनी आजीविका उत्पन्न करने के लिए मिशन अमृत सरोवर में शामिल हो चुके हैं।

6. मिशन अमृत सरोवर के तहत समय सीमा से पहले 50 हजार अमृत सरोवर के लक्ष्य को प्राप्त करने में जनभागीदारी के महत्व को उजागर करना आवश्यक है जिसने इस मिशन को जन आंदोलन में बदल दिया है। अब तक 1784 स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों के 684 परिवारों, स्वतंत्रता सेनानियों के 448 परिवारों, पंचायतों के 18173 वरिष्ठ सदस्यों और 56 पद्म पुरस्कार विजेताओं ने मिशन में भाग लिया है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सक्षम लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलएमआईएस) को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा सक्षम (सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को उत्तेजित करना) कहा जाता है।

1. डिजिटल प्लेटफॉर्म नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा बनाया गया था।

   सक्षम एक एकीकृत और विशेष ऑनलाइन शिक्षण मंच है जिसका उद्देश्य भारत में सभी स्वास्थ्य पेशेवरों को चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है।

2. यह डिजिटल प्रणाली स्वास्थ्य पेशेवरों के व्यापक विकास की गारंटी देगी, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वाले लोग शामिल हैं, साथ ही महानगरीय शहरों में स्थित तृतीयक देखभाल और कॉर्पोरेट अस्पतालों में कार्यरत लोग भी शामिल हैं।

3. सीएलएमआईएस वर्तमान में एक ऑनलाइन मंच के माध्यम से 200 से अधिक सार्वजनिक स्वास्थ्य और 100 नैदानिक पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। हेल्थकेयर पेशेवर वेबसाइट पर जाकर पोर्टल पर इन पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन कर सकते हैं

4. https://lmis.nihfw.ac.in/ आवश्यक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने और मूल्यांकन मानदंडों को पूरा करने के बाद प्रमाणन अर्जित कर सकता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने 'पोषण भी पढ़ई भी' लॉन्च किया।

चर्चा में क्यों:- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमसीडब्ल्यूडी) की प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को मजबूत करने के लिए नवीनतम पहल 'पोषण भी पढ़ई भी' 10 मई को नई दिल्ली में शुरू की गई थी।

1. इस अनूठी पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में एक उच्च गुणवत्ता वाला पूर्वस्कूली नेटवर्क है। ईसीसीई मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) का एक महत्वपूर्ण घटक है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत परिकल्पित है।

2. 'पोषण भी पढ़ई भी' यह सुनिश्चित करने के लिए एक पथप्रदर्शक ईसीसीई कार्यक्रम है कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा, सार्वभौमिक, उच्च गुणवत्ता वाला प्री-स्कूल नेटवर्क है, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा सुझाया गया है।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप C.In, सरकार ने देश की भविष्य की पीढ़ियों की नींव को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। यह पहल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे में उल्लिखित हर डोमेन में बच्चों के विकास को लक्षित करती है, जैसे कि शारीरिक और मोटर विकास, संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक-भावनात्मक-नैतिक विकास।
4. यह बच्चों के लिए समग्र और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक उत्तेजना और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अतिरिक्त, पहल के तहत, प्रत्येक बच्चे को दैनिक आधार पर कम से कम दो घंटे के उच्च गुणवत्ता वाले पूर्वस्कूली निर्देश प्रदान किए जाएंगे। भारत के आंगनवाड़ी केंद्र किसका एक अभिन्न अंग हैं?
5. भारत का एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) कार्यक्रम। ये केंद्र देश भर में 6 वर्ष से कम आयु के लगभग 8 करोड़ लाभार्थी बच्चों को पूरक पोषण, प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा प्रदान करते हैं। लगभग 13.9 लाख परिचालन केंद्रों के विशाल नेटवर्क को देखते हुए, आंगनवाड़ी इको-सिस्टम बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक ठोस नींव बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहुंच बिंदु बन जाता है।
6. बच्चों के समग्र विकास और कल्याण के लिए आवश्यक ईसीसीई आजीवन सीखने की नींव निर्धारित करता है, क्योंकि एक बच्चे के जीवन के शुरुआती वर्ष तेजी से मस्तिष्क के विकास की अवधि होती है। यह बच्चों को भाषा और संचार और समस्या सुलझाने सहित आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करता है, जो भविष्य की शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का आधार बनाते हैं।
7. यह समाज को महत्वपूर्ण दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी देता है। गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों को शिक्षा के उच्च स्तर को पूरा करने, बेहतर रोजगार के अवसरों को सुरक्षित करने और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने की अधिक संभावना है।

(SOURCE –The Hindu)

युवा प्रतिभा - पाक प्रतिभा खोज

चर्चा में क्यों:- माईजीओवी, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पूसा के सहयोग से 13 मई, 2023 को युवा प्रतिभा - पाक प्रतिभा हंट लॉन्च करेगा।

1. इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खोए हुए व्यंजनों को बाहर लाना और युवा और महत्वाकांक्षी शेफ और घरेलू रसोइयों की पाक प्रतिभा को बढ़ावा देना है।
2. जागरूकता पैदा करने और बाजरा के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के उद्देश्य से, वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया है।
3. इस प्रतियोगिता में बाजरा का संलयन प्रतिभागियों को स्वस्थ और टिकाऊ अवयवों के साथ खाना पकाने में अपनी रचनात्मकता और नवाचार का प्रदर्शन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। यह खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए पोषक अनाज (बाजरा) के योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करेगा।

4. प्रतियोगिता 18 से 40 वर्ष के आयु वर्ग के भीतर भारत के नागरिकों के लिए खुली है। पकवान घर पर पकाया जाना चाहिए, जिसमें 50 प्रतिशत सामग्री बाजरा की होनी चाहिए

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

कार्बन बाजार

चर्चा में क्यों:- बिजली मंत्रालय और पर्यावरण मंत्रालय डीकार्बोनाइजेशन के लिए कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम विकसित करेंगे।

1. सरकार कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्रों के व्यापार के माध्यम से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का मूल्य निर्धारण करके भारतीय अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइज करने के उद्देश्य से भारतीय कार्बन बाजार को विकसित करने की योजना बना रही है।
2. कार्बन बाजार अनिवार्य रूप से कार्बन उत्सर्जन पर कीमत लगाने के लिए एक उपकरण हैं - वे ट्रेडिंग सिस्टम स्थापित करते हैं जहां कार्बन क्रेडिट या भत्ते खरीदे और बेचे जा सकते हैं।
3. बीए कार्बन क्रेडिट एक प्रकार का व्यापार योग्य परमिट है, जो संयुक्त राष्ट्र के मानकों के अनुसार, वायुमंडल से हटाए गए, कम या अनुक्रमित एक टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर होता है। कार्बन भत्ते या सीमाएं, इस बीच, देशों या सरकारों द्वारा उनके उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के अनुसार निर्धारित की जाती हैं।
4. इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्बन बाजारों में रुचि विश्व स्तर पर बढ़ रही है, यानी, देशों द्वारा प्रस्तुत एनडीसी के 83% ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार तंत्र का उपयोग करने के अपने इरादे का उल्लेख करते हैं।
5. कार्बन बाजार के दो प्रकार:
   a. **अनुपालन बाजार –**

      ये राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और / या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीतियों द्वारा स्थापित किए जाते हैं - आधिकारिक तौर पर विनियमित होते हैं।
   b. **स्वैच्छिक बाजार:**

      ये ऐसे बाजार हैं जिनमें उत्सर्जक - निगम, निजी व्यक्ति और अन्य - एक टन CO_2 या समकक्ष ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को ऑफसेट करने के लिए कार्बन क्रेडिट खरीदते हैं

(SOURCE – NEWS ON AIR)

भारत का पहला खनन स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों:- खान मंत्रालय ने आज यहां खनन स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन के लोगो का अनावरण किया।

1. स्टार्ट-अप देश के खनन क्षेत्र के सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और यह खनन क्षेत्र के विकास के

लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, खान मंत्रालय आईआईटी, बॉम्बे के सहयोग से 29 मई, 2023 को मुंबई में पहला खनन स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा।

2. शिखर सम्मेलन में 150 से अधिक स्टार्ट-अप और 20 प्रमुख उद्योग भाग लेंगे। खान मंत्रालय "आत्मनिर्भर भारत" के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए खनिजों की खोज और खनन में उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।
3. देश में विश् व का तीसरा सबसे बड़ा स् टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र होने के कारण खनन क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने, अन् वेषण और खनन में नई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर खनन उद्योग के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने और इस प्रकार देश के खनिज उत् पादन को बढ़ाने में स् टार्ट-अप् स को शामिल करने की गुंजाइश है।
4. आईआईटी, बॉम्बे, पवई में आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन में अन्वेषण, आभासी वास्तविकता, स्वचालन, ड्रोन प्रौद्योगिकी, परामर्श आदि के क्षेत्र में स्टार्ट-अप की भागीदारी देखी जाएगी।
5. शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार और प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेगा जो प्रदर्शन, सुरक्षा का समर्थन और सुधार करेगा और खनन और धातु विज्ञान के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाने में मदद करेगा। इस आयोजन के दौरान, खान मंत्रालय खनन और धातु विज्ञान के क्षेत्र में स्टार्ट-अप के साथ बातचीत करेगा और विभिन्न प्रौद्योगिकियों से लैस ये स्टार्ट-अप खनन क्षेत्र की गतिविधियों में कैसे योगदान दे सकते हैं और अन्वेषण और खनन की क्षमताओं को बढ़ावा दे सकते हैं और खनन उद्योग में उत्पादन बढ़ा सकते हैं।
6. शिखर सम्मेलन में खनिज अन्वेषण क्षेत्र में अग्रणी उद्योगों, वित्तीय संस्थानों और बैंकों के साथ बातचीत पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अन्वेषण, आभासी वास्तविकता, स्वचालन, ड्रोन प्रौद्योगिकी, परामर्श, आदि के क्षेत्र में काम करने वाले छात्र और युवा पेशेवर। आयोजन से भी आपको लाभ होगा।

(SOURCE –The Hindu)

मॉडल जेल अधिनियम 2023

चर्चा में क्यों:- केंद्र ने कैदियों के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए व्यापक 'मॉडल जेल अधिनियम, 2023' को अंतिम रूप दिया।

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, एक व्यापक 'मॉडल जेल अधिनियम, 2023' को अंतिम रूप दिया गया है। सरकार ने इससे पहले समकालीन आधुनिक जरूरतों और सुधारवादी विचारधारा के अनुरूप पुराने औपनिवेशिक युग के जेल अधिनियम की समीक्षा और संशोधन करने का फैसला किया था।
2. मॉडल जेल अधिनियम, 2023 राज्यों के लिए और उनके अधिकार क्षेत्र में अपनाने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम कर सकता है।

3. गृह मंत्रालय ने कारागार अधिनियम, 1894 में संशोधन का कार्य पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को सौंपा था। ब्यूरो ने राज्य जेल अधिकारियों, सुधार विशेषज्ञों और अन्य लोगों के साथ व्यापक चर्चा करने के बाद एक मसौदा तैयार किया। इसे समग्र रूप से मार्गदर्शन प्रदान करने और मौजूदा जेल अधिनियम में अंतराल को पाटने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।
4. नए आदर्श कारागार अधिनियम की कुछ प्रमुख विशेषताओं में सुरक्षा मूल्यांकन और कैदियों को अलग करने और व्यक्तिगत सजा योजना के प्रावधान शामिल हैं। शिकायत निवारण, जेल विकास बोर्ड, कैदियों के प्रति व्यवहार परिवर्तन, महिला कैदियों के लिए अलग आवास का प्रावधान, और ट्रांसजेंडर कुछ अन्य विशेषताएं हैं। जेल प्रशासन में पारदर्शिता लाने की दृष्टि से जेल प्रशासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग का भी प्रावधान है। नया अधिनियम कैदियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास और समाज में उनके पुन: एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

सक्षम (सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को प्रोत्साहित करना) शिक्षण प्रबंधन सूचना प्रणाली।

चर्चा में क्यों:- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा विकसित सक्षम (सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को उत्तेजित करना) लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (**LMIS)** लॉन्च किया है

1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलएमआईएस) को सक्षम (सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए उन्नत ज्ञान को उत्तेजित करना) कहा जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा बनाया गया था।
2. सक्षम एक एकीकृत और विशेष ऑनलाइन शिक्षण मंच है जिसका उद्देश्य भारत में सभी स्वास्थ्य पेशेवरों को चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है।
3. यह डिजिटल प्रणाली स्वास्थ्य पेशेवरों के व्यापक विकास की गारंटी देगी, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वाले लोग शामिल हैं, साथ ही महानगरीय शहरों में स्थित तृतीयक देखभाल और कॉर्पोरेट अस्पतालों में कार्यरत लोग भी शामिल हैं।
4. **LMIS** वर्तमान में एक ऑनलाइन मंच के माध्यम से 200 से अधिक सार्वजनिक स्वास्थ्य और 100 नैदानिक पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। हेल्थकेयर पेशेवर वेबसाइट पर जाकर पोर्टल पर इन पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन कर सकते **https://lmis.nihfw.ac.in**
5. कोई आवश्यक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने और मूल्यांकन मानदंडों को पूरा करने के बाद प्रमाणन अर्जित कर सकता है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

बर्लिन में विशेष ओलंपिक के लिए जाने वाली भारतीय टीम को प्रेरित करने के लिए आयुष्मान खुराना को शामिल किया गया

चर्चा में क्यों:- बर्लिन में 16 जून से 25 जून तक होने वाले बौद्धिक रूप से विकलांग लोगों के लिए विशेष ओलंपिक में भाग लेने के लिए भारतीय टीम को प्रेरित करने और एथलीटों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को शामिल किया गया है।

1. आयुष्मान खुराना एक बेहद बहुमुखी बॉलीवुड स्टार, विचारक नेता और युवा आइकन हैं।
2. आयुष्मान को इस गर्मी में विशेष ओलंपिक के लिए जाने वाले हमारे एथलीटों का उत्साह बढ़ाने के लिए भारत को प्रेरित करने के लिए शामिल किया गया है
3. पावरहाउस कलाकार और ऑलराउंडर एंटरटेनर ने अपने प्रगतिशील, सामाजिक मनोरंजन के साथ भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपना नाम बनाया है। आज, लोग प्रेरित और अव्यवस्थित सिनेमा के उनके ब्रांड को 'आयुष्मान खुराना शैली' के रूप में संदर्भित करते हैं।
4. उन्होंने भारत में विघटनकारी सिनेमा का चेहरा बनने के साथ स्टारडम में जबरदस्त वृद्धि की। एक अभिनेता के रूप में अपनी फिल्मों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने में आयुष्मान के योगदान को सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक प्रकाशन - टाइम पत्रिका द्वारा सराहा गया है, जिसने उन्हें दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में मान्यता दी है। वह भारत में यूनिसेफ की राष्ट्रीय राजदूत भी हैं।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने सी-पेस पेश किया

चर्चा में क्यों:- कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने एमसीए रजिस्टर से कंपनियों को हटाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए सेंटर फॉर प्रोसेसिंग एक्सीलरेटेड कॉरपोरेट एग्जिट (सी-पेस) की स्थापना की है।

1. सी-पेस का उद्देश्य रजिस्ट्री पर बोझ को कम करना और हितधारकों को रजिस्टर से अपनी कंपनी का नाम हटाने के लिए एक सुविधाजनक प्रक्रिया प्रदान करना है।
2. यह पहल एमसीए के प्रयास का हिस्सा है ताकि व्यवसायों के लिए व्यवसाय करना और कंपनियों के लिए बाहर निकलना आसान हो सके। सी-पेस कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) के तहत काम करेगा और प्रसंस्करण और निपटान के लिए आवेदनों को संभालेगा।
3. सी-पेस के कार्यालय का उद्घाटन 1 मई, 2023 को एमसीए में निरीक्षण और जांच निदेशक आरके डालमिया ने किया था। आईसीएलएस के डी हरिहर साहू को सी-पेस के पहले रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है, जिसकी निगरानी कॉर्पोरेट मामलों के महानिदेशक (डीजीसीओए), नई दिल्ली द्वारा की जाएगी।
4. **C-PACE** की स्थापना एक स्वच्छ रजिस्ट्री बनाए रखने और हितधारकों को अधिक मूल्यवान जानकारी प्रदान करने में मदद करेगी। सी-पेस की शुरुआत के साथ, कंपनियां बिना किसी परेशानी के एक सुचारू निकास प्रक्रिया की उम्मीद कर सकती हैं।

(SOURCE –The Hindu)

एमओएचयूए का मेगा अभियान 'मेरी एलआईएफई, मेरा स्वच्छ शहर' लॉन्च किया गया

चर्चा में क्यों:- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने एक मेगा अभियान 'माई लिफाफा, माई क्लीन सिटी' लॉन्च किया।

1. आम घरेलू वस्तुओं का पुन: उपयोग और अपसाइक्लिंग भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है। इस साझा आदत से प्रेरणा लेते हुए, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) अभियान - 'मेरी लाइफ, माई क्लीन सिटी' को अपशिष्ट प्रबंधन के आरआरआर - रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल को चैंपियन करने के लिए लॉन्च किया गया है।
2. अर्बन इंडिया कचरे से 'धन' बनाने के सिद्धांतों को तेजी से अपना रहा है, नागरिक सक्रिय रूप से पुन: उपयोग के लिए पुरानी वस्तुओं का नवीनीकरण कर रहे हैं। यह स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत समग्र शून्य-अपशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र को गति दे रहा है।
3. **3**आर 'वेस्ट टू वेल्थ' की रीढ़ है और इसने कई शिल्पकारों, रीसाइक्लर्स, स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों, स्टार्टअप आदि को सशक्त बनाया है। उत्पादों की मेजबानी में अपशिष्ट का पुनर्चक्रण।

   मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) इस दिशा में व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करता है मिशन **LiFE** का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करना और एक समर्थक ग्रह व्यवहार परिवर्तन लाना है जिसे दिन-प्रतिदिन के जीवन में व्यक्तिगत कार्रवाई के माध्यम से स्थापित किया जा सकता है।
4. राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य शहरों को 'कम करने, पुन: उपयोग करने, रीसायकल (आरआरआर) केंद्रों, वन स्टॉप कलेक्शन सेंटर, नागरिकों के लिए कपड़े, जूते, पुरानी किताबें, खिलौने और उपयोग किए गए प्लास्टिक के पुन: उपयोग या रीसाइक्लिंग में योगदान देने' के लिए उजागर करना है।
5. यह तीन सप्ताह का अभियान एसबीएम-यू 2.0 के तहत नागरिकों के संकल्प को मजबूत करेगा - कम करने, पुन: उपयोग करने और रीसायकल करने के लिए - और स्थायी दैनिक आदतों को अपनाकर पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के लाइफ के उद्देश्य का भी समर्थन करेगा।
6. आरआरआर केंद्र 20 मई, 2023 को देश भर में लॉन्च किए जाने वाले हैं और नागरिकों, संस्थानों, वाणिज्यिक उद्यमों आदि के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में काम करेंगे। अप्रयुक्त या उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक की वस्तुओं, कपड़े, जूते, किताबें और खिलौने एकत्र करना। संग्रह के बाद, इन वस्तुओं को विभिन्न हितधारकों को पुन: उपयोग के लिए नवीनीकृत करने या नए उत्पादों में बनाने के लिए दिया जाएगा, इस प्रकार वास्तव में परिपत्र अर्थव्यवस्था के सरकार के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जाएगा।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

ग्लोबल फाइनेंशियल इनोवेशन नेटवर्क (जीएफआईएन) ग्रीनवाशिंग टेकस्प्रिंट।

चर्चा में क्यों:- भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) ने हाल ही में सभी भारतीय-आधारित फर्मों और इनोवेटर्स को ग्लोबल फाइनेंशियल इनोवेशन नेटवर्क के पहले

ग्रीनवाशिंग में भाग लेने की अनुमति देने के लिए एक विंडो खोली टेकस्प्रिंट।

1. एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय संगठन ए.जी.एफ.आई.एन. ग्रीनवाशिंग टेकस्प्रिंट की मेजबानी कर रहा है। विभिन्न देशों के नियामकों और विशेषज्ञों को शामिल करते हुए, **GFIN** वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देने और वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों को संबोधित करने के लिए समर्पित है।
2. टेकस्प्रिंट कार्यक्रम प्रतिभागियों को दुनिया भर के नियामक विशेषज्ञों, हितधारकों और पेशेवरों के साथ काम करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जो मूल्यवान सहयोग और ज्ञान विनिमय की सुविधा प्रदान करता है।
3. टेकस्प्रिंट का केंद्रीय फोकस टिकाऊ वित्त है। जैसा कि दुनिया तेजी से ईएसजी विचारों पर जोर देती है, प्रभावी उपकरण विकसित करना महत्वपूर्ण हो जाता है जो ग्रीनवाशिंग के जोखिमों की पहचान और कम कर सकते हैं। टेकस्प्रिंट का उद्देश्य इस डोमेन में नवाचार को चलाना और टिकाऊ वित्तीय सेवाओं की विश्वसनीयता को बढ़ाना है।
4. वर्चुअल टेकस्प्रिंट वित्तीय आचरण प्राधिकरण (एफसीए) द्वारा होस्ट किया जाएगा। एक प्रमुख नियामक निकाय के रूप में, एफसीए यूके के वित्तीय बाजारों की अखंडता सुनिश्चित करता है और निष्पक्ष और पारदर्शी प्रथाओं को बढ़ावा देता है। इसकी भागीदारी टेकस्प्रिंट के महत्व और वित्तीय क्षेत्र पर इसके संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालती है।
5. टेकस्प्रिंट का प्राथमिक उद्देश्य एक मजबूत उपकरण विकसित करना है जो नियामकों और बाजार को ग्रीनवाशिंग से जुड़े जोखिमों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकता है। सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देकर, टेकस्प्रिंट ऐसे समाधान बनाने का प्रयास करता है जो पारदर्शिता बढ़ाते हैं और स्थायी वित्त प्रथाओं को बढ़ावा देते हैं।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

CEIR System

चर्चा में क्यों:- भारत सरकार ने मोबाइल फोन चोरी से निपटने के लिए सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) ट्रैकिंग सिस्टम लॉन्च किया है।

1. केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर मोबाइल फोन चोरी का मुकाबला करने और देश भर में खोए हुए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने और अवरुद्ध करने की सुविधा प्रदान करने के लिए एक ट्रैकिंग सिस्टम है। सीईआईआर अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आईएमईआई) संख्याओं, मॉडलों, संस्करणों और मोबाइल उपकरणों के अन्य विवरणों के केंद्रीय डिपॉजिटरी या डेटाबेस के रूप में कार्य करतालेकिन दूरसंचार विभाग (सी.डी.ओ.टी.) के लिए
2. केंद्र कार्यान्वयन निकाय 17 मई, 2023 को अखिल भारतीय लॉन्च के लिए तैयार है अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान (आईएमईआई) नंबर और संबंधित मोबाइल नंबरों तक पहुंच; सरकार को राजस्व हानि को रोकना; मोबाइल डिवाइस की बिक्री से पहले IMEI नंबर दूरसंचार नेटवर्क पर अनधिकृत मोबाइल फोन ब्लॉक करें।

3. कर्नाटक पुलिस ने 2,500 से अधिक खोए हुए मोबाइल फोन को पुनर्प्राप्त करने और वापस करने के लिए सीईआईआर प्रणाली का उपयोग किया।
4. एप्पल के पास अपने डिवाइसेज के लिए ऐपल आईडी के जरिए ट्रैकिंग सिस्टम है, लेकिन ऐंड्रॉयड फोन्स को इस संबंध में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
5. प्रभाव चोरी किए गए मोबाइल फोन का उपयोग बेकार चैलेंज डेटाबेस रखरखाव प्राधिकरण होगा; चोरी किए गए मोबाइल फोन की क्लोनिंग या रीप्रोग्रामिंग; क्लोन किए गए नंबरों को ब्लॉक करते समय प्रामाणिक आईएमईआई नंबरों को अवरुद्ध करने की संभावना।
6. International Mobile Device Identification एक अद्वितीय 15 अंकों का कोड है जो डिवाइस की सटीक पहचान करता है। मोबाइल फोन निर्माता ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन द्वारा आवंटित श्रेणियों के आधार पर प्रत्येक डिवाइस को IMEI नंबर असाइन करते हैं। डुअल सिम फोन में दो आईएमईआई नंबर होंगे।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति जुलाई 2020 के बाद पहली बार नकारात्मक में गिर गई है।

चर्चा में क्यों:- डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति जुलाई 2020 के बाद पहली बार नकारात्मक में गिर गई है।

1. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल में घटकर लगभग तीन साल के निचले स्तर (-) 0.92% पर आ गई, जो 33 महीनों में पहली बार नकारात्मक क्षेत्र में फिसल गई।
2. वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में कमी के साथ-साथ एक उच्च आधार प्रभाव खाद्य, ईंधन और अन्य इनपुट लागतों में कमी में परिलक्षित होता है।
3. अप्रैल 2023 में थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति दर में गिरावट मुख्य रूप से बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, खनिज तेलों, वस्त्रों, गैर-खाद्य वस्तुओं आदि की कीमतों में गिरावट के कारण थी।
4. थोक मूल्य सूचकांक (WPI) थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमत का प्रतिनिधित्व करता है यानी ऐसे सामान जो थोक में बेचे जाते हैं और उपभोक्ताओं के बजाय संगठनों के बीच कारोबार करते हैं।
5. सूचकांक में प्राथमिक वस्तुओं (117), ईंधन और बिजली (16), और निर्मित उत्पादों (564) सहित कुल 697 आइटम हैं। किसी वर्ष में थोक मूल्य सूचकांक में प्रतिशत वृद्धि उस वर्ष के लिए मुद्रास्फीति की दर देती है। वर्तमान में थोक मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 है। WPI का उपयोग भारत में मुद्रास्फीति के एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में किया जाता है।
6. मुद्रास्फीति दर की गणना सूचकांकों - WPI और CPI के आधार पर की जाती है। सूचकांक किसी विशेष वर्ष में 100 पर सेट होते हैं और वर्ष आधार वर्ष होता है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

आईडीईएक्स (रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार)

चर्चा में क्यों:- रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) ने हाल ही में 250 वें अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के साथ एक मील का पत्थर हासिल किया, जो मिशन डेफस्पेस के तहत पहला है।

1. यह अप्रैल 2018 में शुरू की गई रक्षा मंत्रालय (एमओडी) की प्रमुख पहल है।
2. उद्देश्य: एमएसएमई, स्टार्ट-अप, व्यक्तिगत इनोवेटर्स, आर एंड डी संस्थानों और शिक्षाविदों सहित उद्योगों को शामिल करके आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना।
3. आईईएक्स ने आईडीईएक्स चुनौतियों के विजेताओं को हैंडहोल्डिंग, तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए देश के अग्रणी इनक्यूबेटरों के साथ भागीदारी की है।
4. आईडीईएक्स को 'रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ)' द्वारा वित्त पोषित और प्रबंधित किया जाएगा, जिसे दो संस्थापक सदस्यों, यानी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) - एचएएल और बीईएल द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के अनुसार 'गैर-लाभकारी कंपनी' के रूप में गठित किया गया है।
5. IDEX DIO की कार्यकारी शाखा के रूप में कार्य करेगा, सभी आवश्यक गतिविधियों को पूरा करेगा, जबकि DIO IDEX को उच्च-स्तरीय नीति मार्गदर्शन प्रदान करेगा। आईडीईएक्स के तहत, स्टार्ट-अप/एमएसएमई/व्यक्तिगत इनोवेटर्स और डीआईओ के माध्यम से पार्टनर इनक्यूबेटरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
6. इस को प्रधानमंत्री ने अक्टूबर 2022 में डेफएक्सपो के दौरान लॉन्च किया था। मिशन डेफस्पेस का उद्देश्य भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनाना है। यह रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) की विभिन्न पहलों जैसे आईडीईएक्स, 'मेक 1', और 'मेक 2' में शुरू की गई 75 रक्षा अंतरिक्ष चुनौतियों के माध्यम से स्टार्टअप और युवा उद्यमियों द्वारा रक्षा अनुप्रयोगों के लिए अंतरिक्ष में प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करेगा।
7. चुनौतियों को पांच बकेट में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् लॉन्च सिस्टम, उपग्रह सिस्टम, संचार और पेलोड सिस्टम, ग्राउंड सिस्टम और सॉफ्टवेयर सिस्टम अंतरिक्ष का समग्र अवलोकन प्रदान करते हैं।

(SOURCE –The Hindu)

आईएनएस दिल्ली और आईएनएस सतपुड़ा

चर्चा में क्यों:- भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस दिल्ली और आईएनएस सतपुड़ा हाल ही में आसियान देशों में भारतीय नौसेना की तैनाती के हिस्से के रूप में देश में बंदरगाह कॉल करने के बाद कंबोडिया के सिहानोकविले से रवाना हुए।

1. यह भारत का पहला स्वदेश निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है। यह भारतीय नौसेना के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक की अपनी श्रेणी का प्रमुख जहाज है।

2. मुंबई में मझगांव डॉक लिमिटेड में बनाया गया था और 15 नवंबर 1997 को चालू किया गया था। अधिकतम गति: 28 समुद्री मील (52 किमी, सीमा: 5,000 मील (8,000 किमी)
3. विमान परिवहन: 2 x सी किंग हेलीकॉप्टर आईएनएस सतपुड़ा स्वदेश निर्मित और निर्मित शिवालिक श्रेणी का निर्देशित मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट है। यह जहाज विशाखापत्तनम स्थित पूर्वी बेड़े की अग्रिम पंक्ति की इकाई है।
4. मझगांव डॉक लिमिटेड, मुंबई में निर्मित और 20 अगस्त 2011 को कमीशन किया गया, आईएनएस सतपुड़ा का नाम मध्य भारत में राजसी सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला से लिया गया है। यह हथियारों और सेंसर की एक बहुमुखी सरणी से लैस है और बहु-भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों को ले जा सकता है।
5. विस्थापन: 6,200 टन, अधिकतम गति: 32 समुद्री मील (59 किमी), विमान परिवहन: 2 × एचएएल ध्रुव या सी किंग एमके 42 बी हेलीकॉप्टर

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

"मेरी LiFE" (मेरा जीवन) मोबाइल एप्लिकेशन

चर्चा में क्यों:- सरकार ने हाल ही में युवाओं को सशक्त बनाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए "मेरी **LiFEF" (My Life)** मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।

1. ऐप मिशन लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) की अवधारणा से प्रेरित है, जिसकी कल्पना सीओपी 26 में प्रधान मंत्री द्वारा की गई थी।
2. उद्देश्य: व्यर्थ खपत के बजाय सावधानीपूर्वक उपयोग को बढ़ावा देना।
3. एप्लिकेशन जीवन के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को बढ़ावा देगा, जो पर्यावरण को बचाने में नागरिकों की शक्ति का प्रदर्शन करेगा।
4. इस ऐप के माध्यम से, दैनिक जीवन में सरल कार्यों के प्रभावों को समझा जा सकता है, जिसका एक बड़ा जलवायु प्रभाव हो सकता है। मेरा **LiFE** एक ऐसा बाज़ार है जहां युवा लोग अपने हितों का पता लगा सकते हैं, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित अवसर पा सकते हैं जो उनके हितों से मेल खाते हैं, और उन मुद्दों पर कार्य करने के लिए साइन अप करते हैं जो उनके लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं।
5. यह 20 अक्टूबर 2022 को गुजरात के केवडिया में प्रधान मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। मिशन सरल और आसान कार्यों के माध्यम से व्यक्तियों में व्यवहार परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। यह भारत के नेतृत्व वाले वैश्विक जन आंदोलन के रूप में कल्पना की गई है जो पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई करेगा।
6. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मिशन लाइफ के राष्ट्रीय स्तर के समन्वय और कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय है।
7. वैश्विक आंदोलन दुनिया भर के देशों और व्यक्तियों द्वारा किए गए स्थायी लक्ष्यों और जलवायु कार्यों को प्रदर्शित करेगा। **LiFE** की प्रगति की निगरानी के लिए, मंत्रालय ने दो समर्पित पोर्टल विकसित किए हैं। मिशन **LiFE**

पोर्टल (**missionlife-moefcc.nic.in): LiFE** के लिए मंत्रालय द्वारा बनाई गई 100 से अधिक रचनात्मक, वीडियो और ज्ञान सामग्री डाउनलोड करने के लिए खुली पहुंच की अनुमति देता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

एक विरासत योजना को अपनाएं

चर्चा में क्यों:- केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने हाल ही में कहा था कि मंत्रालय 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' या 'स्मारक मित्र' योजना शुरू कर सकता है।

1. यह संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय की एक पहल है। इसे सितंबर 2017 में विश्व पर्यटन दिवस पर लॉन्च किया गया था।
2. इसके तहत, सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, निजी क्षेत्र की फर्मों के साथ-साथ व्यक्तियों सहित संस्थाओं को पूरे भारत में चयनित स्मारकों और विरासत और पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए आमंत्रित करती है।
3. इस परियोजना का उद्देश्य इन संस्थाओं को 'स्मारक मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित करना और इन स्थलों पर बुनियादी और उन्नत पर्यटक सुविधाओं के विकास और उन्नयन की जिम्मेदारी लेना है।
4. स्मारक मित्रों का चयन पर्यटन सचिव और संस्कृति सचिव की सह-अध्यक्षता वाली 'निगरानी और दृष्टि समिति' द्वारा विरासत स्थल पर सभी सुविधाओं के विकास के लिए बोलीदाता के 'दृष्टिकोण' के आधार पर किया जाता है।
5. निरीक्षण समिति के पास गैर-अनुपालन या गैर-प्रदर्शन के मामले में समझौता ज्ञापन को समाप्त करने की शक्ति भी है। कॉर्पोरेट क्षेत्र से साइट के रखरखाव के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) फंड का उपयोग करने की उम्मीद है। स्मारक मित्रों को साइट परिसर और अतुल्य भारत वेबसाइट पर सीमित दृश्यता मिलेगी।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

सरकार ने संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:- सरकार ने खोए हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करने और उनका पता लगाने के लिए नागरिक केंद्रित पोर्टल, संचार साथी लॉन्च किया

1. मोबाइल उपयोगकर्ता अब संचार साथी पोर्टल के माध्यम से अपने खोए हुए मोबाइल फोन को ट्रैक और ब्लॉक कर सकते हैं।
2. संचार साथी पोर्टल दूरसंचार विभाग की एक पहल है। यह नागरिकों को उनके नाम पर जारी किए गए मोबाइल कनेक्शन को जानने, उनके द्वारा आवश्यक कनेक्शन काटने और खोए हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक और ट्रेस करने की अनुमति देता है।

3. मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाने के लिए पोर्टल में तीन महत्वपूर्ण मॉड्यूल जोड़े गए हैं। पहला मॉड्यूल, सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर चोरी या खोए हुए मोबाइल को ब्लॉक करने के लिए पेश किया गया है, दूसरा मॉड्यूल नो योर मोबाइल कनेक्शन है और तीसरा मॉड्यूल – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेलीकॉम सिम सब्सक्राइबर वेरिफिकेशन के लिए फेशियल रिकग्निशन पावर्ड सॉल्यूशन, धोखाधड़ी करने वाले ग्राहकों की पहचान करेगा।
4. संचार साथी पोर्टल के उपयोग के माध्यम से, 40 लाख से अधिक फर्जी कनेक्शनों की पहचान की गई है और अब तक 36 लाख से अधिक ऐसे कनेक्शन काटे गए हैं। टेलिकॉम सेक्टर में कई रिफॉर्म्स हुए हैं, जिसकी वजह से टेलिकॉम इंडस्ट्री एक मजबूत और इन्वेस्टमेंट ओरिएंटेड इंडस्ट्री बन गई है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

महिला सम्मान प्रमाण पत्र को टीडीएस से छूट दी गई

खबरों में क्यों: केंद्रीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण 2023-24 में महिलाओं और लड़कियों के लिए एक नई लघु बचत योजना, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र की घोषणा की।

1. आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए महिला सम्मान बचत पत्र योजना की घोषणा की गई थी।
2. यह महिलाओं और लड़कियों के लिए एक नई लघु बचत योजना है। यह योजना भारतीय डाकघर द्वारा पेश की जाती है और पूरे भारत में किसी भी डाकघर में इसका लाभ उठाया जा सकता है।
3. महिला सम्मान बचत पत्र अप्रैल 2023 से मार्च 2025 तक दो वर्षों के लिए उपलब्ध एक बार की योजना है। यह एक निश्चित ब्याज दर पर दो साल के लिए महिलाओं या लड़कियों के नाम पर अधिकतम 2 लाख रुपये तक की जमा सुविधा प्रदान करेगा।
4. महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना सरकार द्वारा समर्थित एक छोटी बचत योजना है। इसलिए, इसमें कोई क्रेडिट जोखिम नहीं है। महिला सम्मान बचत पत्र केवल एक लड़की या महिला के नाम पर किया जा सकता है।
5. महिला सम्मान बचत पत्र के तहत न्यूनतम जमा राशि एक सौ रुपये के गुणकों में 1,000 है। एक खाते में अधिकतम जमा राशि या एक खाताधारक द्वारा आयोजित सभी महिला सम्मान बचत पत्र खातों में 2 लाख है।

(SOURCE –The Hindu)

महाराष्ट्र-गोवा तटीय जिलों को कवर करने वाली सागर परिक्रमा का चरण-V जल्द ही शुरू होगा

खबरों में क्यों: सागर परिक्रमा यात्रा का उद्देश्य मछुआरों और हितधारकों के मुद्दों को हल करना और उनके आर्थिक उत्थान के लिए है।

1. सागर परिक्रमा यात्रा चरण-5 गेटवे ऑफ इंडिया, करंजा (रायगढ़ जिला), मिरकरवाड़ा (रत्नागिरी जिला), देवगड (सिंधुदुर्ग जिला), मालवन, वास्को, मोरमुगांव, कानाको (दक्षिण गोवा) जैसे तटीय क्षेत्रों की ओर बढ़ेगी।

2. इस सागर परिक्रमा का प्रभाव जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ मछली पकड़ने सहित मछुआरों और मछुआरों की आजीविका और समग्र विकास पर दूरगामी होगा।
3. 'सागर परिक्रमा' का चरण 1 कार्यक्रम गुजरात में आयोजित किया गया था, जो 5 मार्च 2022 को मांडवी से शुरू हुआ और 6 मार्च 2022 को पोरबंदर, गुजरात में समाप्त हुआ। चरण -2 कार्यक्रम के रूप में सागर परिक्रमा 22 सितंबर 2022 को मंगरोल से वेरावल तक शुरू हुई और 23 सितंबर 2022 को मूल द्वारका से मधवाड तक मूल द्वारका में समाप्त हुई। 'सागर परिक्रमा' का तीसरा चरण 19 फरवरी 2023 को सूरत, गुजरात से शुरू हुआ और 21 फरवरी 2023 को सैसन डॉक, मुंबई में समाप्त हुआ। चरण IV कार्यक्रम 17 मार्च 2023 को मोरमुगाओ बंदरगाह, गोवा से शुरू हुआ और 19 मार्च 2023 को मंगलौर में समाप्त हुआ।
4. यह भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य मछुआरों, अन्य हितधारकों के मुद्दों को हल करना और भारत सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न मत्स्य पालन योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से उनके आर्थिक उत्थान की सुविधा प्रदान करना है।
5. सागर परिक्रमा राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा के लिए समुद्री मत्स्य संसाधनों के उपयोग, तटीय मछुआरा समुदायों की आजीविका और मछुआरा समुदायों और उनकी अपेक्षाओं के अंतराल को पाटने के लिए समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा, मछली पकड़ने के गांवों के विकास, मछली पकड़ने के बंदरगाहों और लैंडिंग केंद्रों जैसे बुनियादी ढांचे के उन्नयन और निर्माण के बीच स्थायी संतुलन पर ध्यान केंद्रित करेगी ताकि पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण के माध्यम से सतत और जिम्मेदार विकास सुनिश्चित किया जा सके।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

जम्मू और कश्मीर (जम्मू और कश्मीर) में सेब के लिए न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी)

खबरों में क्यों: इसका उद्देश्य अन्य देशों से सेब के कर मुक्त आयात को रोककर हितों की रक्षा करना है, जिससे स्थानीय सेब उद्योग के लिए समान अवसर सुनिश्चित हो सके।

1. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) वाणिज्य मंत्रालय की एक शाखा है जो निर्यात और आयात से संबंधित नियम बनाती है।
2. नीति के अनुसार, 50 रुपये प्रति किलोग्राम से कम कीमत वाले किसी भी सेब का आयात नहीं किया जा सकता है।
3. लाभ -
   - यह सस्ते आयातित सेब की अधिक आपूर्ति को कम करके स्थानीय बाजार में सेब की कीमतों को स्थिर करने में मदद करेगा।
   - यह स्थिरता स्थानीय किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी।
4. नीति के अनुसार, 50 रुपये प्रति किलोग्राम से कम कीमत वाले किसी भी सेब का आयात नहीं किया जा सकता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना 2.0

चर्चा में क्यों:- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 17,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ आईटी हार्डवेयर के लिए एक संशोधित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दे दी, जो 2021 में पहली बार अनुमोदित योजना के बजट के दोगुने से अधिक है।

1. आईटी हार्डवेयर उद्योग को 2025-26 तक 24 बिलियन डॉलर के उत्पादन तक पहुंचने का लक्ष्य है, इसी अवधि के दौरान निर्यात $ 12-17 बिलियन की सीमा में होने का अनुमान है।
2. आत्मनिर्भर भारत प्राप्त करने के लिए सरकार के जोर का शिलान्यास पीएलआई योजनाओं का उद्देश्य है
   - घरेलू विनिर्माण को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना
   - विनिर्माण में वैश्विक चैंपियन बनाएं और
   - देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना।
3. इस योजना के पीछे की रणनीति आधार वर्ष में भारत में निर्मित उत्पादों से वृद्धिशील बिक्री पर कंपनियों को प्रोत्साहन प्रदान करना है।
   - सूर्योदय और रणनीतिक क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना,
   - सस्ते आयात पर अंकुश लगाएं और आयात बिल को कम करें,
   - घरेलू रूप से निर्मित वस्तुओं की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार, और घरेलू क्षमता और निर्यात में वृद्धि।
4. पहली तीन पीएलआई योजनाओं को मार्च 2020 में मंजूरी दी गई थी, इसके बाद नवंबर 2020 में 10 अन्य नई पीएलआई योजनाओं को मंजूरी दी गई थी।
5. केंद्रीय बजट 2021-22 में 13 प्रमुख क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय की घोषणा की गई है। इसका मतलब है कि पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप भारत में न्यूनतम उत्पादन 5 वर्षों में 500 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक होने की उम्मीद है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ईसीएल) आधारित ऋण हानि प्रावधान ढांचा।

चर्चा में क्यों:- बैंकों ने आरबीआई से अनुरोध किया है कि वह ऋण के प्रावधान के लिए आवश्यक क्रेडिट हानि (ईसीएल) प्रणाली को लागू करने के लिए एक और वर्ष का समय दे।

1. जनवरी 2023 आरबीआई ने एक मसौदा दिशानिर्देश जारी किया, जिसमें क्रेडिट हानि के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि दृष्टिकोण को अपनाने का प्रस्ताव था।
2. नए ढांचे को लागू करने के लिए अंतिम दिशानिर्देश जारी होने के बाद बैंकों को एक साल का समय दिया जाएगा। आरबीआई ने अभी तक ईसीएल मानदंडों पर अंतिम दिशानिर्देशों की घोषणा नहीं की है। हालांकि, कुछ रेटिंग एजेंसियों ने कहा है कि इस पर अंतिम मानदंड 1 अप्रैल, 2025 से लागू करने के लिए वित्त वर्ष 2024 तक अधिसूचित किया जा सकता है।

3. **RBI** ऋण हानि प्रावधान को एक व्यय के रूप में परिभाषित करता है जिसे बैंक डिफ़ॉल्ट ऋण के लिए अलग रखते हैं। दूसरे शब्दों में, ऋण हानि प्रावधान एक नकद आरक्षित है जिसे बैंक चूक ऋण से हुए नुकसान को कवर करने के लिए अलग रखते हैं।
4. मूल रूप से, यह एक आय विवरण व्यय है जिसका उपयोग बैंक तब कर सकते हैं जब उधारकर्ताओं को अपने ऋण चुकाने की संभावना नहीं होती है। नुकसान की स्थिति में, बैंक अपने नकदी प्रवाह में नुकसान लेने के बजाय, नुकसान को कवर करने के लिए अपने ऋण हानि भंडार का उपयोग कर सकता है। उदाहरण के लिए: मान लें कि एक बैंक ने ऋण में $ 100,000 कुल जारी किए हैं और $ 10,000 का ऋण हानि प्रावधान है।
5. अपने डिफ़ॉल्ट ऋणों में से एक पर, उधारकर्ता ने बकाया $ 1,000 का केवल $ 500 चुकाया। डिफ़ॉल्ट ऋण से $ 500 के नुकसान को कवर करने के लिए, बैंक ऋण हानि प्रावधान से $ 500 की कटौती करेगा। ऋण हानि प्रावधान का स्तर बैंक की सुरक्षा और सुदृढ़ता की रक्षा के लिए आवश्यक स्तर के आधार पर निर्धारित किया जाता है।
6. बैंकों द्वारा ऋण हानि का प्रावधान करने के लिए अपनाया जाएगा। भारत में बैंकों को वर्तमान में घाटे के मॉडल के आधार पर क्रेडिट हानि प्रावधान करने की आवश्यकता होती है। यह मॉडल मानता है कि सभी ऋणों को तब तक चुकाया जाएगा जब तक कि इसके विपरीत सबूत (नुकसान या ट्रिगर घटना के रूप में जाना जाता है) की पहचान नहीं की जाती है।
7. नुकसान दृष्टिकोण के लिए बैंकों को उन नुकसानों की भरपाई करने की आवश्यकता होती है जो पहले ही हो चुके हैं या हो चुके हैं। इस दृष्टिकोण के तहत अपेक्षित हानियों की पहचान करने में विलंब के कारण 2007-09 के वित्तीय संकट के दौरान गिरावट आई। चूक में प्रणालीगत वृद्धि का सामना करते हुए, क्रेडिट घाटे को पहचानने में देरी के परिणामस्वरूप बैंकों ने उच्च स्तर के प्रावधान किए।
8. इसने बैंक द्वारा बनाई गई पूंजी को खा लिया जिसने बदले में बैंकों के लचीलेपन को प्रभावित किया और प्रणालीगत जोखिम पैदा किए। इसके अलावा, ऋण हानि की पहचान करने में देरी ने बैंकों द्वारा उत्पन्न आय में वृद्धि की। इस अभ्यास के तहत, एक बैंक को भविष्य की ओर देखने वाले अनुमानों के आधार पर अपेक्षित क्रेडिट हानि का अनुमान लगाना आवश्यक है। इसके तहत बैंकों को वित्तीय परिसंपत्तियों को तीन श्रेणियों में से एक में वर्गीकृत करना होगा – चरण 1, चरण 2, या चरण 3। यह वर्गीकरण प्रारंभिक मान्यता के समय और साथ ही प्रत्येक बाद की रिपोर्टिंग तिथि पर उन पर मूल्यांकन किए गए क्रेडिट नुकसान पर निर्भर करेगा, और आवश्यक प्रावधान करेगा।

(SOURCE –The Hindu)

दूरसंचार सिम सब्सक्राइबर सत्यापन (एएसटीआर) उपकरण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चेहरे की पहचान संचालित समाधान।

चर्चा में क्यों:- दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार सिम सब्सक्राइबर सत्यापन (एएसटीआर) के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फेशियल रिकग्निशन पावर्ड सॉल्यूशन नामक एक कृत्रिम-बुद्धिमत्ता-आधारित चेहरे की पहचान उपकरण विकसित किया है।

1. दूरसंचार विभाग के अनुसार, एएसटीआर संभावित धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शन का पता लगाकर और अवरुद्ध करके साइबर धोखाधड़ी को कम कर सकता है।
2. एएसटीआर दूरसंचार सिम ग्राहक सत्यापन के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता और चेहरे की पहचान-संचालित समाधान है। इसमें दूरसंचार ऑपरेटरों के ग्राहक डेटाबेस की जांच करने की क्षमता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसमें एक ही व्यक्ति से जुड़े कई कनेक्शन हैं।
3. यह संभावित धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शनों का पता लगाकर और उन्हें अवरुद्ध करके साइबर धोखाधड़ी को कम करने के लिए विकसित किया गया है। दूरसंचार विभाग ने 2012 **D.In** सभी दूरसंचार ऑपरेटरों को एक आदेश जारी किया था कि उन्हें उपयोगकर्ताओं की तस्वीरों सहित अपने ग्राहक डेटाबेस को विभाग के साथ साझा करना होगा। ये छवियां कोर डेटाबेस का गठन करती हैं जिस पर अधिकारी एएसटीआर का उपयोग करके अपने चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म चला रहे हैं। एएसटीआर परियोजना की अवधारणा और डिजाइन अप्रैल 2021 और जुलाई 2021 के बीच हरियाणा में दूरसंचार विभाग की एक इकाई द्वारा किया गया था।
4. ग्राहकों की छवियों में कैप्चर की गई छवि का एन्कोडिंग मानव चेहरे कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क (सीएनएन) मॉडल का उपयोग करके एन्कोड किए गए हैं। सीएनएन एक प्रकार का डीप लर्निंग मॉडल है जिसका व्यापक रूप से छवि और वीडियो पहचान, कंप्यूटर दृष्टि कार्यों और संरचित ग्रिड जैसे डेटा से जुड़े अन्य कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है।
5. यह चेहरे के झुकाव और कोण, अस्पष्टता और छवियों के गहरे रंग के लिए किया जाता है। उसके बाद, डेटाबेस में सभी चेहरों के खिलाफ प्रत्येक चेहरे के लिए एक चेहरे की तुलना की जाती है, और एक ही चेहरे को एक निर्देशिका के तहत समूहीकृत किया जाता है। दो चेहरों को एएसटीआर द्वारा बराबर माना जाता है यदि वे कम से कम 97.5 प्रतिशत की सीमा से मेल खाते हैं।
6. एएसटीआर 10 मिलियन छवियों के डेटाबेस से 10 सेकंड से भी कम समय में संदिग्ध चेहरों के खिलाफ सभी सिम का पता लगाने में सक्षम है। दूरसंचार विभाग के आंकड़ों के अनुसार: पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 12,34,111 सिम कट हैं। इसके बाद हरियाणा (5,24,287), झारखंड (3,27,246), मध्य प्रदेश (2,28,072) और उत्तर प्रदेश-पूर्व (2,04,658) का स्थान रहा। सिम कनेक्शन काटे जाने के सबसे कम 3,491 मामले हिमाचल प्रदेश में सामने आए हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों:- एनएएम ने आयुष प्रणालियों के संरक्षण और संवर्धन और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में इसके एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

1. आयुष मंत्रालय 18 से 19 मई 2023 तक नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है।
2. राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) आयुष मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है और राज्यों

और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के सक्रिय समर्थन के साथ; यह राज्यों में स्वास्थ्य और कल्याण परिदृश्य को बदल रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय का मार्ग प्रशस्त करेगा और एएचडब्ल्यूसी के कामकाज को मजबूत करेगा।

3. दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान, भाग लेने वाले राज्यों के विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे, जो एनएएम के तहत बजट अवशोषण में दक्षता बढ़ाने और योजना के तत्काल निष्पादन के लिए संस्थागतकरण, आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं को दवाओं की बेहतर आपूर्ति, आयुष के लिए क्षमता निर्माण और आयुष स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों (एएचडब्ल्यूसी) के उन्नयन पर केंद्रित है।
4. आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में अनुसंधान और गुणवत्ता आश्वासन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी एकीकरण को मजबूत करने के लिए आयुष में शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना।
5. आयुष मंत्रालय का प्रयास आयुष प्रणाली के एकीकरण के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण प्रणाली को मजबूत करना रहा है। प्रमुख कार्यक्रम राष्ट्रीय आयुष मिशन 2014 में शुरू किया गया था और इसने भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में उनके एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
6. इसका उद्देश्य भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना के हिस्से के रूप में आयुष स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों (एएचडब्ल्यूसी) के माध्यम से देश भर में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुंच और गुणवत्ता में वृद्धि करना है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन में नए शुरू किए गए आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अलावा आयुष सेवाओं और आयुष शैक्षणिक संस्थानों के घटक शामिल हैं।
7. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की छत्रछाया में मौजूदा आयुष औषधालयों/स्वास्थ्य उप-केंद्रों का उन्नयन करके 12,500 आयुष एचडब्ल्यूसी के संचालन को मंजूरी दे दी है। आज तक, पूरे भारत में 8500 से अधिक एएचडब्ल्यूसी स्थापित किए गए हैं और समुदायों की सेवा कर रहे हैं।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना

चर्चा में क्यों:- मंत्रिमंडल ने रबी मौसम, 2022-23 (01.01.2023 से 31.03.2023 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों में संशोधन और खरीफ मौसम, 2023 (1.4.2023 से 30.09.2023 तक) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों के निर्धारण को मंजूरी दे दी है।

1. मंत्रिमंडल ने रबी मौसम 2022-23 (01.01.2023 से 31.03.2023 तक) के लिए विभिन्न पोषक तत्वों अर्थात नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी), पोटाश (के) और सल्फर (एस) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों में संशोधन के लिए उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पी एंड के) उर्वरकों के लिए 2023 (1.4.2023 से 30.09.2023 तक)।
2. पी एण्ड के उर्वरकों पर राजसहायता दिनांक 01042010 से एनबीएस स्कीम द्वारा शासित होती है। सरकार ने रबी 2022-2023 के लिए एनबीएस दरों में संशोधन को 01.01.23 से 31.03.2023 तक और खरीफ, 2023

(01.04.2023 से 30.09.2023 तक) के लिए अनुमोदित एनबीएस दरों को अनुमोदित किया है ताकि किसानों को सब्सिडी वाले मूल्यों पर फॉस्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पी एंड के) उर्वरकों के 2 ग्रेड प्रदान किए जा सकें।

3. सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण और सब्सिडी वाले पी एंड के उर्वरक प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए खरीफ 2023 के लिए 38,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान करेगी।
4. मंत्रिमंडल के इस निर्णय से खरीफ मौसम के दौरान किसानों को रियायती, किफायती और उचित मूल्य पर डीएपी और अन्य पी एंड के उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का दोहरा लाभ होगा और पी एंड के उर्वरकों पर सब्सिडी का यौक्तिकीकरण भी सुनिश्चित होगा।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

भारत ने ऑपरेशन करुणा शुरू किया

चर्चा में क्यों:- भारत ने म्यांमार में चक्रवात मोचा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए "ऑपरेशन करुणा" शुरू करके पहल की है।

1. **18** मई को, तीन जहाज, अर्थात् भारतीय नौसेना के जहाज शिवालिक, कमोर्ता और सावित्री, खाद्य आपूर्ति, टेंट, आवश्यक दवाओं, पानी के पंप, पोर्टेबल जनरेटर, कपड़े और स्वच्छता वस्तुओं जैसी आपातकालीन राहत सामग्री के साथ यांगून पहुंचे।
2. भारत हमेशा ऐसी आपदाओं के दौरान अपने पड़ोसियों का समर्थन करने में सबसे आगे रहा है, इस क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
3. हाल ही में म्यांमार में दस्तक देने वाले चक्रवात मोचा को आईएमडी द्वारा एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान और वैश्विक मौसम वेबसाइट जूम अर्थ द्वारा 'सुपर साइक्लोन' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
4. तूफान बंगाल की खाड़ी में उभरा और 1982 के बाद से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सबसे मजबूत ऑल-सीजन चक्रवात के रूप में दर्ज किया गया है, जिसमें 277 किमी प्रति घंटे की हवा की गति है। चक्रवात 'मोचा' का नाम यमन ने सुझाया है।

(SOURCE –The Hindu)

चीन और तुर्की श्रीनगर में जी 20 बैठक में भाग नहीं लेंगे

चर्चा में क्यों:- पर्यटन कार्य समूह की तीसरी जी-20 बैठक आज श्रीनगर में शुरू हो गई है, चीन और तुर्की कश्मीर में महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं होंगे।

1. चीन का फैसला उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान की आपत्तियों से लिया जा सकता है, जिसने दावा किया है कि जी-20 की बैठकों का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर पर भारत के 'अवैध कब्जे' को बनाए रखना है।

2. जी-20 पर्यटन बैठक से पहले भारतीय सेना के जवान जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर की सड़कों पर गश्त कर रहे हैं।
3. पाकिस्तान और चीन दोनों ने अतीत में भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर का अनुचित संदर्भ दिया है। भारत जम्मू-कश्मीर पर बीजिंग और इस्लामाबाद के बयानों को लगातार खारिज करता रहा है। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तीन साल से गतिरोध चल रहा है।
4. तुर्की के भी श्रीनगर में जी 20 पर्यटन बैठक का विरोध करने के चीन के फैसले में शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हाल के दिनों में, तुर्की ने कश्मीर मुद्दे से निपटने के लिए भारत सरकार की आलोचना की है।
5. जी-20 बैठक के दौरान आतंकवादी हमले की किसी भी संभावना से बचने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। श्रीनगर में डल झील के किनारे एक विशाल, अच्छी तरह से संरक्षित स्थल पर तीन दिवसीय सभा सोमवार को शुरू हुई।
6. भारत में 2023 के लिए जी 20 की अध्यक्षता है और उसने देश भर में 100 से अधिक बैठकों की योजना बनाई है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

सतत भूमि प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई- एसएलएम)

चर्चा में क्यों:- हाल ही में केंद्रीय मंत्री ने देहरादून में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में सतत भूमि प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया।

1. पृष्ठभूमि: भारत के प्रधानमंत्री ने सितंबर 2019 में मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने पर संयुक् त राष् ट्र सम् मेलन (यूएनसीसीडी) के पक्षों के 14वें सम् मेलन (सीओपी-14) के दौरान सीओई-एसएलएम की स् थापना की घोषणा की।
2. भूमि अवक्रमण तटस्थता (एलडीएन) लक्ष्य निर्धारित करते हैं, सूखे के जोखिम और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को विकसित करते हैं, मुख्यधारा के लिंग विचारों को बढ़ावा देते हैं, भूमि कार्यकाल और अधिकारों के सुशासन, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जैव विविधता के नुकसान पर भूमि क्षरण के प्रभावों का आकलन करते हैं।
3. राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तरों पर तकनीकी सहायता, क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करने के माध्यम से अवक्रमित भूमि की बहाली की सुविधा प्रदान करना।
4. दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देना और स्थायी भूमि प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से भूमि क्षरण के मुद्दों को संबोधित करना।
5. उद्देश्य: सीओई-एसएलएम ने अपने संचालन का मार्गदर्शन करने के लिए विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किए हैं:
   - भूमि क्षरण का आकलन,
   - एसडीजी के साथ संरेखित टिकाऊ भूमि प्रबंधन ढांचे पर क्षमता निर्माण,

- यूएनसीसीडी द्वारा उल्लिखित भूमि-आधारित संकेतकों के मूल्यांकन, निगरानी और रिपोर्टिंग को मजबूत करना।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

भारत ने ऑपरेशन करुणा शुरू किया

चर्चा में क्यों:- भारत ने म्यांमार में चक्रवात मोचा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए "ऑपरेशन करुणा" शुरू करके पहल की है।

1. **18** मई को, तीन जहाज, अर्थात् भारतीय नौसेना के जहाज शिवालिक, कमोर्ता और सावित्री, खाद्य आपूर्ति, टेंट, आवश्यक दवाओं, पानी के पंप, पोर्टेबल जनरेटर, कपड़े और स्वच्छता वस्तुओं जैसी आपातकालीन राहत सामग्री के साथ यांगून पहुंचे।
2. भारत हमेशा ऐसी आपदाओं के दौरान अपने पड़ोसियों का समर्थन करने में सबसे आगे रहा है, इस क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
3. हाल ही में म्यांमार में दस्तक देने वाले चक्रवात मोचा को आईएमडी द्वारा एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान और वैश्विक मौसम वेबसाइट जूम अर्थ द्वारा 'सुपर साइक्लोन' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
4. तूफान बंगाल की खाड़ी में उभरा और 1982 के बाद से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सबसे मजबूत ऑल-सीजन चक्रवात के रूप में दर्ज किया गया है, जिसमें 277 किमी प्रति घंटे की हवा की गति है। चक्रवात 'मोचा' का नाम यमन ने सुझाया है।

(SOURCE –The Hindu)

लोगों का जैव विविधता रजिस्टर

चर्चा में क्यों:- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा गोवा में सार्वजनिक जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) के अपडेशन और सत्यापन के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया था।

1. उद्देश्य: इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध जैविक विविधता का दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना है।
2. पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर स्थानीय रूप से उपलब्ध जैव-संसाधनों के व्यापक रिकॉर्ड के रूप में कार्य करता है, जिसमें किसी विशेष क्षेत्र या गांव के परिदृश्य और जनसांख्यिकी शामिल हैं।
3. यह जैव विविधता प्रबंधन समितियों (जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत) द्वारा स्थानीय समुदायों के परामर्श से तैयार की जाती है।
4. बीएमसी जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत बनाए गए स्थानीय निकाय हैं, जो जैव विविधता से लाभों के संरक्षण, स्थायी उपयोग और समान साझाकरण को सुनिश्चित करने के लिए जनादेश के साथ हैं।

5. अधिनियम ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक स्थानीय स्वशासी संस्थान के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन करना अनिवार्य कर दिया है। बीएमसी को स्थानीय लोगों के परामर्श से पीबीआर तैयार करना चाहिए।
6. कोलकाता एक विस्तृत पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर (पीबीआर) बनाने वाला भारत का पहला प्रमुख महानगरीय शहर था। इससे पहले, भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पश्चिम बंगाल की राजधानी को सभी मेट्रो शहरों में सबसे कम हरियाली के लिए चिह्नित किया था।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

ऐरावत

चर्चा में क्यों:- हाल ही में जर्मनी में हुए इंटरनेशनल सुपरकंप्यूटिंग कॉन्फ्रेंस (आईएससी 2023) में भारत के एआई सुपर कंप्यूटर 'ऐरावत' को दुनिया में 75वां स्थान मिला है।

1. सुपर कंप्यूटर को हाल ही में जारी टॉप 500 ग्लोबल सुपरकंप्यूटिंग लिस्ट के 61 वें संस्करण में नामित किया गया है। एआई सुपर कंप्यूटर ऐरावत सी-डैक, पुणे में स्थापित है। यह प्रणाली भारत सरकार द्वारा एआई पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत स्थापित की गई है। ऐरावत की निर्माता कंपनी नेटवेब टेक्नोलॉजीज है।
2. ऐरावत पीएसएआई 13,170 टेराफ्लॉप्स की उल्लेखनीय गति के साथ भारत की सबसे बड़ी और सबसे तेज एआई सुपरकंप्यूटिंग प्रणाली के रूप में खड़ा है।
3. यह शिक्षाविदों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं को सक्षम करेगा।

   वैज्ञानिक समुदाय, उद्योग और स्टार्ट-अप स्वदेशी एआई-सक्षम उत्पादों / सेवाओं के साथ आएंगे, विशेष रूप से भारत-विशिष्ट भव्य चुनौतियों और जटिल वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए। समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनाएं।
4. इस में मौसम पूर्वानुमान, दवा की खोज, जलवायु मॉडलिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक प्रमुख आर एंड डी संगठन है। यह सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सुपरकंप्यूटिंग सहित विभिन्न डोमेन में अनुसंधान और विकास पर केंद्रित है। यह वर्ष 1988 में स्थापित किया गया था
5. यह संयुक्त राज्य अमेरिका के सुपर कंप्यूटर आयात करने से इनकार के संदर्भ में सुपर कंप्यूटर बनाने के लिए स्थापित किया गया था।
6. एफ.सी.-डैक ने 1991 में भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित सुपर कंप्यूटर PARAM 8000 बनाया था।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

उड़ान 5.1 योजना

चर्चा में क्यों:- नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने उड़ान 5.1 लॉन्च किया है, जो विशेष रूप से हेलीकॉप्टर मार्गों के लिए डिज़ाइन की गई क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) का एक नया संस्करण है।

1. हेलीकॉप्टर यात्रा को अधिक किफायती बनाने के लिए हवाई किराए की सीमा को 25% तक कम करना, उन मार्गों की अनुमति देना जहां मूल या गंतव्य स्थानों में से एक प्राथमिकता क्षेत्र में है।
2. वित्तीय व्यवहार्यता में सुधार के लिए ऑपरेटरों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण (वीजीएफ) सीमा बढ़ाना तथा इसका उद्देश्य: इस योजना का उद्देश्य हवाई यात्रा को लोकतांत्रिक बनाना और पर्यटन, आतिथ्य और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देना है।
3. योजना के पिछले दौर ने पहले ही 46 हेलीकॉप्टर मार्गों को चालू कर दिया है, जिससे पहाड़ी और उत्तर पूर्व राज्यों को लाभ हुआ है और वर्तमान दौर का उद्देश्य बड़ी संख्या में मार्गों को कवर करना है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर पवित्र 'सेंगोल' स्थापित करेंगे पीएम मोदी

चर्चा में क्यों:- नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी संसद भवन में ऐतिहासिक और पवित्र "सेंगोल" स्थापित करेंगे। संसद भवन इस ऐतिहासिक "सेंगोल" के लिए सबसे उपयुक्त और पवित्र स्थान है। यह अमृत काल को चिह्नित करेगा, एक ऐसा युग जो नए भारत को दुनिया में अपना सही स्थान लेते हुए देखेगा

1. 28 मई को नया संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। इस दिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण शासन का पवित्र प्रतीक ग्रहण करेंगे और इसे नए संसद भवन में स्थापित करेंगे।
2. यह वही सेंगोल है जिसे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने 14 अगस्त की रात को अपने निवास पर कई नेताओं की उपस्थिति में स्वीकार किया था। आजादी के 75 साल बाद भी भारत के अधिकांश लोगों को इस घटना के बारे में पता नहीं है जिसमें पंडित जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल सौंपने के माध्यम से भारत का सत्ता हस्तांतरण हुआ था।
3. यह 14 अगस्त, 1947 की रात को भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाने का एक विशेष अवसर था। इस रात जवाहरलाल नेहरू ने तमिलनाडु के तिरुवदुथुरई अमीनम (मठ) के अधिनाम (पुजारियों) से 'सेंगोल' प्राप्त किया, जो विशेष रूप से इस अवसर के लिए पहुंचे थे। यह ठीक वही क्षण था जब अंग्रेजों द्वारा सत्ता भारतीयों के हाथों में हस्तांतरित की गई थी। जिसे हम स्वतंत्रता के रूप में मना रहे हैं, वह वास्तव में 'सेंगोल' को सौंपने के क्षण से चिह्नित है।
4. माननीय प्रधान मंत्री ने सेंगोल को अमृत काल के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाने का फैसला किया। नए संसद भवन में भी वही कार्यक्रम होगा, जिसमें आदिनाम (पुजारी) समारोह को दोहराएंगे और माननीय प्रधान मंत्री को सेंगोल भेंट करेंगे।

5. सेंगोल का एक गहरा अर्थ है, जो तमिल शब्द "सेम्माई" से लिया गया है, जिसका अर्थ है "धार्मिकता"। यह तमिलनाडु के एक प्रमुख धार्मिक मठ के उच्च पुजारियों द्वारा धन्य है। नंदी, "न्याय" के दर्शक के रूप में अपनी दृढ़ दृष्टि के साथ, शीर्ष पर हाथ से उकेरा गया है।
6. सेंगोल के प्राप्तकर्ता के पास न्यायसंगत और निष्पक्ष रूप से शासन करने के लिए एक "आदेश" (तमिल में "अनई") है। यह सबसे आकर्षक है, लोगों की सेवा करने के लिए चुने गए लोगों को इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। 1947 के बाद से, उसी सेंगोल को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा लोकसभा में स्थापित किया जाएगा, जो अध्यक्ष की सीट के पास प्रमुखता से होगा। इसे राष्ट्र के देखने के लिए प्रदर्शित किया जाएगा, और विशेष अवसरों पर निकाला जाएगा।
7. संसद भवन ऐतिहासिक "सेंगोल" की स्थापना के लिए सबसे उपयुक्त और पवित्र स्थान है। "सेंगोल" की स्थापना, 15 अगस्त 1947 की भावना को अविस्मरणीय बनाती है। यह असीम आशा, असीम संभावनाओं और एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के संकल्प के वादे का प्रतीक है। यह अमृत काल का प्रतीक होगा, जो उस गौरवशाली युग का साक्षी बनेगा जिसमें भारत अपना उचित स्थान ले रहा होगा।
8. तमिलनाडु सरकार ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआर एंड सीई) नीति नोट 2021-22 में राज्य में मठों द्वारा निभाई गई भूमिका को गर्व से प्रकाशित किया है। इस दस्तावेज़ के पैरा 24 में शाही वकीलों के रूप में मठों द्वारा निभाई गई भूमिका पर स्पष्ट रूप से प्रकाश डाला गया है।यह ऐतिहासिक योजना आदिनाम के राष्ट्रपतियों के परामर्श से तैयार की गई है। इस पवित्र अनुष्ठान की याद में अपना आशीर्वाद देने के लिए सभी 20 आदिनम राष्ट्रपति भी इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

चर्चा में क्यों:- हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं।

1. सरकार बहादुरी, खेल, समाज सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और अन्य क्षेत्रों में असाधारण मान्यता प्राप्त करने वाले असाधारण क्षमताओं वाले बच्चों को उचित मान्यता देने के लिए हर साल प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का आयोजन करती है।
2. आयु सीमा: 5 वर्ष से 18 वर्ष (संबंधित वर्ष के 31 अगस्त तक)।
3. यह दो श्रेणियों के अंतर्गत दिया गया है-
   - बाल शक्ति पुरस्कार नवाचार, शैक्षिक, खेल, कला और संस्कृति, समाज सेवा और बहादुरी के क्षेत्र में असाधारण क्षमताओं और उत्कृष्ट उपलब्धि वाले बच्चों को मान्यता देने के लिए दिया जाएगा।
   - बाल कल्याण पुरस्कार
4. व्यक्तिगत: उन व्यक्तियों के लिए जिन्होंने कम से कम 7 वर्षों के लिए बाल विकास, बाल संरक्षण और बाल कल्याण के क्षेत्र में बच्चों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

5. संस्थान: उन संस्थानों के लिए जिन्होंने बाल कल्याण के किसी भी क्षेत्र में बच्चों के हित के लिए असाधारण काम किया है।
6. चयन: महिला और बाल विकास मंत्रालय में एक मंत्री या राज्य मंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय चयन समिति पुरस्कार विजेताओं के नामों को अंतिम रूप देगी।
7. ये पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा हर साल जनवरी में आयोजित एक विशेष समारोह में दिए जाते हैं। इस पुरस्कार में एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

नीति आयोग का 'राज्य स्वास्थ्य सूचकांक'

चर्चा में क्यों:- नीति आयोग का 'राज्य स्वास्थ्य सूचकांक': केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना कोविड वर्ष में शीर्ष राज्य, दिल्ली सबसे खराब केंद्र शासित प्रदेश

1. 2020-21 के कोविड वर्ष के लिए नीति आयोग के वार्षिक 'राज्य स्वास्थ्य सूचकांक' (5 वें संस्करण) के अनुसार, तीन दक्षिणी राज्य केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना 'बड़े राज्यों' के बीच शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं.
2. नीति आयोग ने 2017 में शुरू किया था ताकि तीन डोमेन के तहत जोड़े गए 24 स्वास्थ्य प्रदर्शन संकेतकों को शामिल करते हुए भारित समग्र स्कोर पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शन को मापा जा सके।
3. आयोग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और विश्व बैंक के सहयोग से सूचकांक (वार्षिक) जारी करता है। इस सूचकांक का उद्देश्य न केवल राज्यों के ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखना है, बल्कि उनके वृद्धिशील प्रदर्शन को भी देखें' सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और क्रॉस-लर्निंग को प्रोत्साहित करता है और राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करने और उनके नीति निर्माण और संसाधन आवंटन के माध्यम से सेवा वितरण में सुधार करने के लिए प्रेरित करता है।
4. परिणाम एमओएचएफडब्ल्यू ने सूचकांक को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रोत्साहन से जोड़ा था। यह बजट खर्च और इनपुट से आउटपुट और परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सूचकांक प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद दोनों का एक उदाहरण है।
5. स्वास्थ्य परिणामों में नवजात मृत्यु दर, कुल प्रजनन दर, जन्म के समय लिंग अनुपात, टीकाकरण कवरेज, संस्थागत प्रसव का अनुपात आदि जैसे संकेतक शामिल हैं। मुख्य आदान/प्रक्रियाएं उपलब्ध स्वास्थ्य अवसंरचना का एक उपाय हैं जिसमें कार्यात्मक 24x7 प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्रों आदि का अनुपात शामिल है।
6. 'शासन और सूचना' डोमेन में राज्य स्तर पर तीन प्रमुख पदों की औसत अधिभोग, मुख्य चिकित्सा अधिकारी की औसत अधिभोग, निधि हस्तांतरण के लिए लगने वाले दिन आदि शामिल हैं। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले: केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना ने मामले में शीर्ष तीन स्थान हासिल किए हैं। सबसे खराब प्रदर्शन: बिहार, यूपी और एमपी क्रमशः 19 वें, 18 वें और 17 वें स्थान पर हैं। 2019-20 से 2020-21 तक वृद्धिशील प्रदर्शन: राजस्थान, उत्तराखंड और ओडिशा बड़े राज्यों में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वालों के रूप में उभरे हैं।
7. छोटे राज्यों की श्रेणी G.त्रिपुरा ने समग्र रूप से सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है, इसके बाद सिक्किम और गोवा हैं। दूसरी ओर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर निचले तीन स्थानों पर काबिज हैं।

8. केंद्र शासित प्रदेशों में से: लक्षद्वीप ओवरऑल प्रदर्शन के मामले में टॉप स्थान हासिल किया, जबकि दिल्ली को सबसे नीचे रखा गया है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

नेट-जीरो फ्यूचर प्रूफ बिल्डिंग 2022-2023 के लिए सोलर डेकाथलॉन इंडिया (एसडीआई) डिजाइन चैलेंज

चर्चा में क्यों:- मैसूर में इंफोसिस के परिसर में आयोजित चैलेंज के तीसरे संस्करण में कुल 12 टीमों ने विभिन्न श्रेणियों में नेट-जीरो फ्यूचर प्रूफ बिल्डिंग के लिए सोलर डेकाथलॉन इंडिया (एसडीआई) डिजाइन चैलेंज जीता

1. एसोलर डेकाथलॉन इंडिया का आयोजन हर साल इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स (आईआईएचएस) और एलायंस फॉर ए एनर्जी-एफिशिएंट इकोनॉमी (एईईई) द्वारा किया जाता है।
2. यह भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच (IUSSTF) के तत्वावधान में है, जो एक स्वायत्त बिल है, टेरल संगठन संयुक्त रूप से दोनों सरकारों द्वारा वित्त पोषित है (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और अमेरिकी राज्य विभाग दोनों पक्षों के संबंधित नोडल विभाग हैं)।
3. काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए) ने एआईईई के साथ एक ज्ञान भागीदार के रूप में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एसडीआई का सह-आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य आउटरीच का विस्तार करना और भारत में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए अगली पीढ़ी के नेताओं का निर्माण करना है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

सुदर्शन शक्ति व्यायाम

चर्चा में क्यों:- हाल ही में, भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान ने राजस्थान और पंजाब में पश्चिमी सीमाओं पर अभ्यास 'सुदर्शन शक्ति 2023' का आयोजन किया।

1. उद्देश्य: इसका उद्देश्य नए युग की प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने में सक्षम आधुनिक, दुबला और चुस्त लड़ाकू संयोजन में बलों के परिवर्तन को शुरू करना है।
2. अभ्यास को लड़ाकू शक्ति, लड़ाकू समर्थन और रसद समर्थन के तत्वों के साथ एक नेटवर्क-केंद्रित वातावरण में परिचालन योजनाओं को मान्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
3. इन तत्वों का उपयोग हाई-स्पीड ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ग्रे जोन वारफेयर सहित दुश्मन के खतरे के सभी डोमेन के तहत एक समन्वित अनुप्रयोग में किया गया था।
4. विशेष बलों और आला प्रौद्योगिकियों जैसे बल गुणकों के एकीकृत उपयोग में ड्रोन, टेथर्ड ड्रोन, लोइटर गोला-बारूद के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया था।
5. इस अभ्यास ने जनवरी 2023 में सीओएएस जनरल मनोज पांडे द्वारा प्रतिपादित परिवर्तन के पांच स्तंभों के घोषित उद्देश्यों को पूरा करने में भी मदद की।
6. 'सुदर्शन शक्ति 2023' दक्षिण पश्चिमी कमान और उससे जुड़ी इकाइयों की उच्च स्तर की परिचालन तैयारियों और प्रौद्योगिकी गहन भविष्य की संघर्ष लड़ने की क्षमता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

भारत सहित आईपीईएफ देश अन्य लोगों के बीच आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर सहमत हुए

चर्चा में क्यों:- भविष्य के आपूर्ति श्रृंखला संकट से निपटने, आपातकाल की स्थिति में चिप्स, दवा और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और किसी विशेष देश पर अपनी निर्भरता को कम करने के प्रयास में, भारत सहित समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) के सभी सदस्यों ने डेट्रायट में आयोजित एक उच्च प्रोफ़ाइल बैठक में एक सौदा किया है।

1. इस पहल का उद्देश्य सदस्य देशों द्वारा सूचना साझा करने और समन्वित प्रयासों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और विविधीकरण को बढ़ाना है, खासकर जब कोई संकट आता है।
2. यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब लगभग पूरी दुनिया किसी प्रकार के आपूर्ति श्रृंखला संकट का सामना कर रही है, जो कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण है। इसलिए, इन देशों के बीच समझौते में रसद और कनेक्टिविटी में सुधार, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक और व्यावसायिक निरंतरता सुनिश्चित करके व्यवधानों को कम करने में सहयोग का वादा किया गया है।
3. समूह ने सार्वजनिक उपयोग की महत्वपूर्ण वस्तुओं के लिए सुचारू मार्ग सुनिश्चित करने और आवश्यक मानदंडों में निरंतर सुधार के लिए आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला परिषद, आपूर्ति श्रृंखला संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क और श्रम अधिकार सलाहकार नेटवर्क स्थापित करने पर भी सहमति व्यक्त की।
4. सदस्य देशों ने व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा और अन्य से संबंधित प्रगति पर भी प्रकाश डाला। इसके अलावा, समूह क्षेत्र में विकास, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भागीदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना चाहता है। दूसरी आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक डेट्रायट में आयोजित की गई थी और अमेरिका द्वारा आयोजित की गई थी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी बैठक में हिस्सा लिया।
5. संयुक्त राज्य अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से टोक्यो में 23 मई, 2022 को लॉन्च किए गए, फोरम में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और यूएसए सहित 14 भागीदार देश हैं। मंच को चार स्तंभों के आसपास डिजाइन किया गया है। पहला स्तंभ व्यापार है, दूसरा आपूर्ति श्रृंखला है, तीसरा स्वच्छ अर्थव्यवस्था है और चौथा निष्पक्ष अर्थव्यवस्था है। जबकि, भारत आईपीईएफ के स्तंभ **II** से **IV** में शामिल हो गया था, इसे कॉलम -1 में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
6. आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित सौदे के तहत, आईपीईएफ भागीदार देश संकट प्रतिक्रिया उपायों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला, मजबूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाने की मांग कर रहे हैं, व्यापार निरंतरता को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और रसद और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए व्यवधानों के शमन के लिए सहयोग। बातचीत का उद्देश्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना और आईपीईएफ में कौशल ऋण ढांचे की तुलना में आवश्यक उन्नयन और कौशल विकास और वृद्धि के माध्यम से प्रमुख वस्तुओं के उत्पादन और श्रम भूमिका को बढ़ाना है।
7. आईपीईएफ भागीदारों का उद्देश्य पिलर **III** के तहत स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु लचीला प्रौद्योगिकियों की अनुसंधान, विकास, व्यावसायीकरण, उपलब्धता, पहुंच और तैनाती पर सहयोग को आगे बढ़ाना है। उसी के तहत, वे इस क्षेत्र में जलवायु से संबंधित परियोजनाओं की दिशा में निवेश की सुविधा भी प्रदान करना चाहते हैं। यह उल्लेखनीय है कि एक आपूर्ति श्रृंखला एक जटिल रसद प्रणाली है जिसमें कच्चे माल से लेकर तैयार माल तक की सुविधाएं होती हैं, जिन्हें बाद में अंतिम उपयोगकर्ताओं, यानी उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

तुर्की के तैयप एर्दोगन ने राष्ट्रपति के रूप में एक और कार्यकाल जीता, शासन को तीसरे दशक में बढ़ाया

चर्चा में क्यों:- तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने रविवार को फिर से चुनाव जीता, जिससे उनके तेजी से सत्तावादी शासन को तीसरे दशक में विस्तारित किया गया क्योंकि देश उच्च मुद्रास्फीति और भूकंप के बाद से जूझ रहा है जिसने पूरे शहरों को तबाह कर दिया था।

1. तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने रविवार को फिर से चुनाव जीता, जिससे उनके तेजी से सत्तावादी शासन को तीसरे दशक में विस्तारित किया गया क्योंकि देश उच्च मुद्रास्फीति और भूकंप के बाद से जूझ रहा है जिसने पूरे शहरों को तबाह कर दिया था।
2. तीसरा कार्यकाल एर्दोगन को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्रुवीकृत लोकलुभावन में और भी मजबूत हाथ देता है, और चुनाव परिणाम अंकारा की राजधानी से परे प्रभाव डालेंगे। तुर्की यूरोप और एशिया के चौराहे पर खड़ा है, और यह नाटो में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
3. 99% से अधिक मतपेटियों के खुलने के साथ, प्रतिस्पर्धी समाचार एजेंसियों के अनौपचारिक परिणामों ने एर्दोगन को 52% वोट के साथ दिखाया, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी, केमल किलिकदारोग्लू के लिए 48% वोट थे।
4. तुर्की के चुनाव बोर्ड के प्रमुख ने जीत की पुष्टि करते हुए कहा कि परिणाम बकाया वोटों के लिए लेखांकन के बाद भी एर्दोआन के लिए एक और कार्यकाल था।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

भारत में बौनेपन में कमी देखी गई; लेकिन बर्बादी, मोटापा चिंता का विषय है: रिपोर्ट

चर्चा में क्यों:- यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक द्वारा जारी संयुक्त कुपोषण अनुमान ो के अनुसार, 2012 की तुलना में 2022 में पांच वर्ष से कम आयु के 1.6 करोड़ कम अविकसित बच्चे; रिपोर्ट में कहा गया है कि दशक के दौरान मोटापे की व्यापकता में मामूली वृद्धि हुई है।

1. यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक द्वारा जारी संयुक्त कुपोषण अनुमान (जेएमई) के अनुसार, भारत में स्टंटिंग में कमी देखी जा रही है और 2012 की तुलना में 2022 में पांच साल से कम उम्र के 1.6 करोड़ कम अविकसित बच्चे दर्ज किए गए हैं।
2. भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में बौनापन 2012 में 41.6% की व्यापकता दर से घटकर 2022 में 31.7% हो गया – यह संख्या 52 लाख से घटकर 36 लाख हो गई। इसके साथ ही पिछले एक दशक में स्टंटिंग के वैश्विक बोझ में भारत की हिस्सेदारी 30% से घटकर 25% हो गई।
3. **2022** में वेस्टिंग का समग्र प्रसार भारत में 18.7% था, जिसमें इस कुपोषण संकेतक के वैश्विक बोझ में 49% की हिस्सेदारी थी।
4. मोटापे की व्यापकता एक दशक में मामूली रूप से बढ़कर 2012 में 2.2% से बढ़कर 2022 में 2.8% हो गई, जिसमें यह संख्या 27.5 लाख से बढ़कर 31.8 लाख हो गई, जिससे वैश्विक हिस्सेदारी में 8.8% का योगदान हुआ। लेकिन मोटापे के लिए समग्र वर्गीकरण कम है और 5.6% के वैश्विक प्रसार की तुलना में बहुत कम है।

5. जेएमई रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) वैश्विक पोषण लक्ष्यों और 2030 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2 लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अपर्याप्त प्रगति हुई है; सभी देशों में से केवल एक तिहाई 2030 तक स्टंटिंग से प्रभावित बच्चों की संख्या को आधा करने के लिए 'ट्रैक पर' हैं।
6. यहां तक कि कम देशों को अधिक वजन के लिए 3% प्रसार के 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करने की उम्मीद है, जिसमें वर्तमान में छह देशों में से केवल एक 'ट्रैक पर' है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

जीतू द डियर' से लेकर लखनऊ की चिकनकारी तक, खेलो इंडिया के विजेताओं को ओडीओपी उपहार दिए जा रहे हैं

चर्चा में क्यों:- उपहारों में केआईयूजी शुभंकर 'जीतू द डियर' का सॉफ्ट टॉय संस्करण, खुर्जा से केआईयूजी 2022-उभरे हुए कप और लखनऊ से चुराई गई चिकनकारी शामिल हैं।

1. युवा मामले और खेल मंत्रालय एक तीर से दो निशाने लगाते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) विजेताओं को 'एक जिला एक उत्पाद' उपहार दे रहा है। यह न केवल एथलीटों को प्रोत्साहित करता है, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार को ओडीओपी पहल के तहत देश भर में स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए भी प्रेरित करता है।
2. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा 2018 में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पहल शुरू की गई थी।
3. इसका उद्देश्य जिलों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुंचने, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करना है।
4. इस पहल का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक आर्थिक विकास को सक्षम करने के लिए देश के प्रत्येक जिले से कम से कम एक उत्पाद का चयन, ब्रांड और प्रचार करना है।
5. ओडीओपी पहल ने देश भर के 761 जिलों से कुल 1102 उत्पादों की पहचान की है।

(SOURCE – THE HINDU)

केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना कोविड वर्ष में शीर्ष राज्य, दिल्ली सबसे खराब केंद्र शासित प्रदेश: स्वास्थ्य सूचकांक

चर्चा में क्यों:- वार्षिक स्वास्थ्य सूचकांक, जो "24 स्वास्थ्य प्रदर्शन संकेतकों को शामिल करने वाले भारित समग्र स्कोर" पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शन को मापता है, 2017 में नीति आयोग द्वारा लॉन्च किया गया था।

1. वार्षिक स्वास्थ्य सूचकांक, जो "24 स्वास्थ्य प्रदर्शन संकेतकों को शामिल करने वाले भारित समग्र स्कोर" पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शन को मापता है, 2017 में नीति आयोग द्वारा लॉन्च किया गया था। आयोग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और विश्व बैंक के सहयोग से सूचकांक जारी करता है।

2. तीन दक्षिणी राज्य केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना 2020-21 के कोविड वर्ष के लिए नीति आयोग के वार्षिक 'स्वास्थ्य सूचकांक' में 'बड़े राज्यों' में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं. त्रिपुरा 'छोटे राज्यों' में सबसे अच्छा था, जबकि दिल्ली केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में सबसे नीचे था।
3. स्वास्थ्य सूचकांक दो मापदंडों पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का आकलन करता है - वृद्धिशील प्रदर्शन (वर्ष-दर-वर्ष प्रगति) और समग्र प्रदर्शन। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अलग-अलग 'बड़े राज्यों', 'छोटे राज्यों' और केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है- फिर उनके स्कोर के आधार पर रैंक किया जाता है.
4. यह एक भारित समग्र सूचकांक है जो 'स्वास्थ्य परिणामों', 'शासन और सूचना' और 'प्रमुख इनपुट/प्रक्रियाओं' के डोमेन के तहत समूहीकृत 24 संकेतकों पर आधारित है। प्रत्येक डोमेन को परिणाम संकेतकों के लिए उच्च स्कोर के साथ इसके महत्व के आधार पर वजन सौंपा गया है।
5. 'स्वास्थ्य परिणामों' में नवजात मृत्यु दर, कुल प्रजनन दर, जन्म के समय लिंग अनुपात, टीकाकरण कवरेज, संस्थागत प्रसव का अनुपात, तपेदिक की कुल केस अधिसूचना दर और एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी पर एचआईवी के साथ रहने वाले लोगों का अनुपात जैसे संकेतक शामिल हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

Important News: States

लद्दाख का हनले भारत का पहला डार्क स्काई रिजर्व है।

चर्चा में क्यों:- लद्दाख चांगथांग क्षेत्र के हानले गांव में भारत का पहला डार्क नाइट स्काई रिजर्व बनाने के लिए तैयार है। हैनले में लगभग अठारह स्थानों पर, स्टारगेजिंग के लिए शक्तिशाली दूरबीन स्थापित की जाएंगी।

1. इंटरनेशनल डार्क स्काई एसोसिएशन (आईडीएसए) एक अंतर्राष्ट्रीय डार्क स्काई रिजर्व (आईडीएसआर) को "पर्याप्त आकार की सार्वजनिक या निजी भूमि (कम से कम 700 वर्ग किमी, या लगभग 173,000 एकड़) के रूप में परिभाषित करता है जिसमें तारों वाली रातों और निशाचर वातावरण की असाधारण या प्रतिष्ठित गुणवत्ता होती है, और विशेष रूप से इसके वैज्ञानिक वातावरण के प्रति संवेदनशील होती है। प्राकृतिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक विरासत और / या सांस्कृतिक विरासत। या सार्वजनिक आनंद के लिए संरक्षित".
2. एक अंधेरे आकाश रिजर्व के लिए एक "कोर" क्षेत्र की आवश्यकता होती है जिसमें बिना किसी प्रकाश प्रदूषण के साफ आसमान होता है, जो दूरबीनों को अपने प्राकृतिक अंधेरे में आकाश को देखने में सक्षम बना सकता है।
3. कोर का समर्थन **C.To,** इसे "परिधीय" या "बफर" क्षेत्र से घिरा होना चाहिए जो समान लाभ प्राप्त करते हुए कोर में अंधेरे आकाश मूल्यों का समर्थन करता है।
4. आईडीएसए के अनुसार यह भूमि को अंधेरे आकाश स्थलों के लिए उपयुक्त मानता है यदि यह सार्वजनिक या निजी भूमि पर है, सार्वजनिक रूप से वर्ष के सभी या कुछ हिस्सों में सुलभ है, वैज्ञानिक, प्राकृतिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, सांस्कृतिक और / या सांस्कृतिक स्थल। या सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए संरक्षित।

5. हैनले डार्क स्काई रिजर्व (एचडीएसआर) चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य के भीतर आएगा, जो समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसे दूरबीन के लिए एक आदर्श मेजबान बनाता है। लद्दाख अपने बड़े शुष्क क्षेत्र, उच्च ऊंचाई और विरल आबादी के कारण दीर्घकालिक वेधशालाओं और अंधेरे-आकाश स्थलों के लिए भी आदर्श है।
6. आकाशगंगा अपने बादल रहित आसमान और कम वायुमंडलीय अशांति के कारण हैनले क्षेत्र में रात भर दिखाई देती है। हैनले दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा ऑप्टिकल टेलीस्कोप है, जिसे 2001 में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान द्वारा स्थापित किया गया था।
7. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और बेंगलुरु में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) इस सुविधा के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं

(SOURCE –NEWS ON)

मुंबई में भारत की पहली समुद्र के नीचे सुरंग

चर्चा में क्यों:- मुंबई कोस्टल रोड प्रोजेक्ट (एमसीआरपी) मरीन ड्राइव को बांद्रा-वर्ली सी लिंक से जोड़ने के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा 12,721 करोड़ रुपये की पहल है।

1. परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता भारत की पहली समुद्र के नीचे सुरंग का निर्माण है, जो नवंबर 2023 तक खुलने के लिए तैयार है। 2.07 किलोमीटर लंबी यह दोहरी सुरंग समुद्र तल से 17-20 मीटर नीचे है, जो गिरगांव को अरब सागर, गिरगांव चौपाटी और मालाबार हिल के माध्यम से प्रियदर्शिनी पार्क से जोड़ती है।
2. जुड़वां सुरंगों के निर्माण में एक विशाल चीनी सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) और 35 पुरुषों की एक टीम का उपयोग करके जटिल भूवैज्ञानिक स्तर को काटना शामिल था। मावला नाम का टीबीएम भारत में इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे बड़ा है, जिसका वजन 1,700 टन से अधिक है और यह लगभग 12 मीटर लंबा है।
3. यह चीन रेलवे निर्माण भारी उद्योग कंपनी लिमिटेड (सीआरसीएचआई) द्वारा निर्मित किया गया था और एक साल पहले इसे इकट्ठा और लॉन्च किया गया था। टीबीएम ने समुद्र के नीचे सुरंगों के निर्माण को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह खनन गतिविधि के एक साल बाद जनवरी 2022 में गिरगांव छोर से टूट गया, और दूसरी सुरंग की बोरिंग अप्रैल 2022 में शुरू हुई। बीएमसी को मई के अंत तक अपनी सफलता हासिल करने की उम्मीद है क्योंकि केवल 140 मीटर खनन कार्य बचा है।
4. सुरंगों का व्यास 12.19 मीटर है और इसमें छह क्रॉसवॉक हैं, चार पैदल चलने वालों के लिए और दो मोटर चालकों के लिए। प्रत्येक सुरंग में तीन 3.2 मीटर चौड़ी लेन हैं, जिनमें दो लेन चालू हैं और तीसरी का उपयोग आपात स्थिति या वाहन घनत्व में वृद्धि के मामले में किया जाता है।
5. सुरंगों में मरीन ड्राइव पर एक प्रसिद्ध सी-आकार के सैरगाह, रानी के हार से मिलते-जुलते फाइबरग्लास के मुखौटे भी हैं। प्रवेश और निकास बिंदुओं को सुरंगों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और क्रॉसवॉक सुरक्षित पैदल यात्री और वाहनों के आवागमन की अनुमति देते हैं।

6. एमसीआरपी से पीक आवर्स के दौरान गिरगांव से वर्ली तक 45 मिनट की यात्रा को केवल 10 मिनट तक कम करने की उम्मीद है। 10.58 किलोमीटर तक फैली हाई-स्पीड तटीय सड़क मरीन ड्राइव को बांद्रा-वर्ली सी लिंक से जोड़ती है। समुद्र के नीचे सुरंगें परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक हैं, जो आवागमन के समय को कम करती हैं और क्षेत्र में यातायात की भीड़ को कम करती हैं।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेल पुल तैयार है

चर्चा में क्यों:- चिनाब रेलवे ब्रिज पर पटरी बिछाने का काम हाल ही में शुरू हुआ है।

1. चिनाब रेल पुल, जिसे चिनाब आर्क ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बनाया जा रहा एक कंक्रीट आर्क ब्रिज है।
2. यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल होगा, जिसकी ऊंचाई नदी तल से 359 मीटर होगी। चिनाब पुल 17 स्पैन के साथ 1,315 मीटर लंबा होगा, जिसमें से चेनाब नदी पर मुख्य मेहराब 467 मीटर तक फैला होगा।
3. पुल की डिजाइन गति 100 किमी / घंटा है। इसका जीवनकाल 120 साल का होगा। इसे जोन-5 के भूकंप, 266 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा और उच्च तीव्रता वाले विस्फोटों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।
4. यह कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर की दूरी के साथ एक महत्वपूर्ण लिंक बनाता है, जो 21,653 करोड़ रुपये की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कश्मीर घाटी को सभी मौसमों में रेल कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

चक्रवात मोचा संकट

चर्चा में क्यों:- बंगाल चक्रवात मोचा के 6 मई के आसपास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बनने की आशंका है। चक्रवात मोचा के मद्देनजर आईएमडी ने एक परामर्श जारी किया और मछुआरों से सात मई से दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी से दूर रहने को कहा।

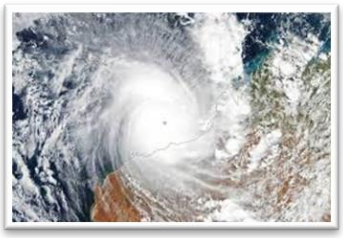

1. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि चक्रवात 'मोचा' के छह मई के आसपास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 7 मई के आसपास इसी क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
2. मौसम एजेंसी ने अमेरिकी मौसम पूर्वानुमान मॉडल ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम (जीएफएस) और यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट (ईसीएमडब्ल्यूएफ) की रिपोर्टों का पालन किया।

3. 'चक्रवात' शब्द की उत्पत्ति एक ग्रीक शब्द से हुई है जिसका अर्थ है "सांप का कुंडल"। यह कम दबाव वाले क्षेत्र के आसपास वायुमंडलीय गड़बड़ी से बनता है जो आमतौर पर हिंसक तूफान और गंभीर मौसम की स्थिति के साथ होता है।

(SOURCE –The Hindu)

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना

चर्चा में क्यों:- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) स्टार्टअप समुदाय को लाभ पहुंचाने में अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना का तीसरे पक्ष के प्रभाव का आकलन कर रहा है।

1. एसआईएसएफएस 2021 में डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बनाया गया था। इसका उद्देश्य अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार प्रवेश और व्यावसायीकरण के प्रमाण के लिए स्टार्ट-अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
2. डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त पात्रता स्टार्टअप, जिन्हें आवेदन के समय 2 साल से अधिक समय पहले शामिल नहीं किया गया था, उन्हें किसी अन्य केंद्रीय या राज्य सरकार की योजना के तहत 10 लाख रुपये से अधिक की मौद्रिक सहायता नहीं मिली है।
3. वरीयता स्टार्टअप सामाजिक प्रभाव, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में अभिनव समाधान बनाते हैं।
4. पात्र इनक्यूबेटरों को 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान और सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है, जो बदले में अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास या उत्पाद परीक्षणों के प्रमाण के सत्यापन के लिए स्टार्टअप को 20 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान करते हैं। अगले 4 वर्षों में300 इनक्यूबेटरों के माध्यम से अनुमानित लाभार्थी 3,600 उद्यमी हैं।
5. सीड फंडिंग एक स्टार्ट-अप या एक नए व्यवसाय विचार में निवेश का एक प्रारंभिक चरण है जो कंपनी को एक ऐसे बिंदु तक पहुंचने में मदद करता है जहां यह वित्त पोषण के अतिरिक्त दौर सुरक्षित कर सकता है या आत्मनिर्भर बनने के लिए राजस्व उत्पन्न कर सकता है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

भारत का पहला बहुराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पार्क असम में स्थापित किया जाएगा

चर्चा में क्यों:- असम में बनने वाला भारत का पहला बहुराष्ट्रीय लॉजिस्टिक पार्क असम के जोगीघोपा में भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का निर्माण इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

1. 693.97 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा पार्क, जलमार्ग, सड़क, रेल

और एआई द्वारा सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा

2. इस परियोजना का उद्देश्य भूटान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों सहित भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में परिवहन नेटवर्क को पुनर्जीवित करना है।
3. पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान इस दृष्टि का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य परिवहन प्रणाली को पुनर्जीवित और फिर से जीवंत करना है और इसे परिवर्तन का एक कुशल और प्रभावी एजेंट बनाना है।
4. अंतर्राष्ट्रीय मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क एक बड़े पैमाने पर सुविधा है जिसे रेल, सड़क, वायु और जल सहित परिवहन के कई साधनों के माध्यम से एकीकृत रसद समाधान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
5. यह परिवहन के विभिन्न तरीकों के बीच कार्गो के कुशल आंदोलन की अनुमति देता है, जिससे परिवहन लागत, पारगमन समय कम हो जाता है, और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में सुधार होता है।
6. पार्क में आमतौर पर गोदाम, कंटेनर यार्ड, कस्टम क्लीयरेंस हाउस, कोल्ड स्टोरेज, प्रशासनिक भवन, पार्किंग स्पेस और कार्गो के हैंडलिंग और भंडारण के लिए आवश्यक अन्य बुनियादी ढांचे जैसी विभिन्न सुविधाएं शामिल होती हैं।
7. इस तरह के पार्क का विकास अक्सर व्यापार और आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए देश की व्यापक परिवहन और बुनियादी ढांचे के विकास की योजनाओं का हिस्सा है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

भारत को चंडीगढ़ में पहला आईएएफ हेरिटेज सेंटर मिला; भारतीय वायुसेना की समृद्ध विरासत का संरक्षण और प्रदर्शन।

चर्चा में क्यों:- चंडीगढ़ में रक्षा मंत्री द्वारा भारतीय वायु सेना के हेरिटेज सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम करेगा।

1. भारतीय वायुसेना के समृद्ध इतिहास और विरासत का मूर्त रूप माने जाने वाले इस केंद्र में कलाकृतियों, भित्ति चित्रों और 3डी डायोरामा का संग्रह है, जो इसकी स्थापना के बाद से बल के विकास को दर्शाता है। यह भारतीय वायु सेना के वीरतापूर्ण कार्यों और विमान / उपकरणों में देश की तकनीकी प्रगति को दर्शाता है।
2. केंद्र की मुख्य विशेषताओं में से एक सिमुलेटर की सरणी है जो आगंतुकों को आईएएफ इन्वेंट्री में प्रतिष्ठित विमानों को उड़ाने के रोमांच को दोहराने की अनुमति देता है और उन्हें पायलट होने का स्वाद लेने का मौका देता है। केंद्र, जो अब जनता के लिए खुला है, में लड़ाकू अभियानों के लिए समर्पित बाड़े भी हैं, जिसमें भारतीय वायुसेना ने भाग लिया। ये आगंतुकों को राष्ट्र की रक्षा में भारतीय वायुसेना द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं।
3. युद्ध के दौरान तीनों सेनाओं द्वारा प्रदर्शित संयुक्त कौशल, एकीकरण और प्रतिबद्धता अभूतपूर्व और असाधारण थी। यह युद्ध किसी जमीन या शक्ति के लिए नहीं, बल्कि मानवता और लोकतंत्र के लिए लड़ा गया था।

4. यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अन्याय मानता है कहीं भी हर जगह न्याय के लिए खतरा है और किसी भी तरह के अन्याय के खिलाफ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है। अपनी रणनीतियों के बल पर युद्ध जीतना और वहां किसी भी तरह का राजनीतिक नियंत्रण न थोपना भारत की ताकत के साथ-साथ उसके मूल्यों और सांस्कृतिक उदारता का भी प्रतीक है।
5. केंद्र भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, "वायुसेना की समृद्ध विरासत है और इसे संरक्षित करना और उसका प्रदर्शन करना हमारी जिम्मेदारी है।
7. यह केंद्र भारतीय वायुसेना के इतिहास को संरक्षित करने और युवाओं को सशस्त्र बलों के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन जाएगा।

(SOURCE –The Hindu)

डिजिटल त्रिपुरा परियोजना

1. डिजिटल त्रिपुरा परियोजना का उद्देश्य सभी सरकारी विभागों के नोडल अधिकारियों को सभी प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शी, तेज और पेपरलेस बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना है।
2. पेपरलेस गवर्नेंस परियोजनाओं के अन्य उदाहरण ई-ऑफिस (आंध्र प्रदेश), ई-टेंडरिंग (महाराष्ट्र), एम-गवर्नेंस (केरल), ऑनलाइन भूमि रिकॉर्ड सिस्टम (हरियाणा), ई-स्टैम्पिंग (कर्नाटक) आदि हैं।
3. उदाहरण : ऐसे उदाहरणों को शासन /निबंध पत्रों में उद्धृत किया जा सकता है ताकि यह दिखाया जा सके कि स्मार्ट और लोगों के अनुकूल शासन प्रदान करके नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

(SOURCE –The Hindu)

छेलीगड़ा सिंचाई परियोजना

चर्चा में क्यों:- ओडिशा के मुख्यमंत्री के 5टी सचिव-सह-सचिव ने हाल ही में अधिकारियों को छेलीगाड़ा में बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना का निर्माण शुरू करने का निर्देश दिया।

1. यह ओडिशा के गजपति जिले में छेलीगड़ा गांव के पास वंसधारा नदी की सहायक नदी बड़झोर नदी पर एक बहुउद्देशीय मध्यम परियोजना है।
2. इस परियोजना में एक केंद्रीय स्पिलवे के साथ बडझोर नदी पर 250 मीटर लंबे और 30 मीटर ऊंचे बांध के निर्माण की परिकल्पना की गई है।
3. इस परियोजना के बाद, गंजम में 5760 हेक्टेयर भूमि और गजपति जिलों में 500 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए 5201 हेक्टेयर मीटर पानी संरक्षित किया जा सकता है और पानी की आपूर्ति की जा सकती है।

4. यह परियोजना ब्रह्मपुर शहर को पीने का पानी भी प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, गजपति जिले के तीन स्थानों शियाली लोटी, कनकटा और डेकिली में मिनी हाइडल परियोजना के माध्यम से 36 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा सकता है।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

तेलंगाना राज्य रोबोटिक्स फ्रेमवर्क लॉन्च करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है

चर्चा में क्यों:- तेलंगाना सरकार ने एक नई नीति पेश की जिसे राज्य रोबोटिक्स फ्रेमवर्क के रूप में जाना जाता है। यह एक आत्मनिर्भर रोबोटिक्स पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने और राज्य को भारत में रोबोटिक्स में अग्रणी के रूप में स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

1. नीति का उद्देश्य अनुसंधान और विकास के लिए सहायता प्रदान करना, शिक्षाविदों और उद्योग के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और विभिन्न क्षेत्रों में रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी को अपनाने को बढ़ावा देना है।
2. राज्य रोबोटिक्स ढांचे के हिस्से के **B.As,** तेलंगाना ने परीक्षण सुविधाओं, सह-कार्य स्थानों और सह-उत्पादन या विनिर्माण विकल्पों के साथ एक रोबो पार्क स्थापित करने की योजना बनाई है। ये सुविधाएं या तो राज्य के स्वामित्व वाली साइटों पर या उद्योग, शिक्षाविदों और इनक्यूबेटरों के सहयोग से प्रतिस्पर्धी दरों पर स्थापित की जाएंगी।
3. इसके अलावा, राज्य इनक्यूबेशन, बुनियादी ढांचे, प्राधिकरण, बाजार अंतर्दृष्टि, निवेशक कनेक्शन और मेंटरशिप सहित स्टार्टअप को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक विश्व स्तरीय रोबोटिक्स त्वरक स्थापित करने का इरादा रखता है। यह त्वरक रोबोटिक्स क्षेत्र में उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन होगा, जिससे उन्हें बढ़ने और सफल होने में मदद मिलेगी।
4. राज्य रोबोटिक्स फ्रेमवर्क एक विस्तृत योजना है जो रोबोटिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने और भारत में उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। यह ढांचा तेलंगाना के आईटीई एंड सी विभाग की उभरती प्रौद्योगिकियों की शाखा द्वारा ऑल इंडिया रोबोटिक्स एसोसिएशन और शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और हितधारकों के इनपुट के सहयोग से बनाया गया था।
5. फ्रेमवर्क का उद्देश्य चार प्रमुख क्षेत्रों में विकास और विकास को चलाने के लिए रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है: कृषि, स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिक स्वचालन और उपभोक्ता रोबोटिक्स। इन डोमेन में परिणामों में सुधार के लिए रोबोटिक्स का लाभ उठाने पर जोर दिया जा रहा है।

(SOURCE –The Hindu)

पालघाट गैप

चर्चा में क्यों:- पश्चिमी घाट में पालघाट गैप पर्वत श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण ब्रेक है, जो लगभग 40 किमी चौड़ा है।

1. आसपास की पहाड़ियों को दोनों तरफ खड़ी नीलगिरि और अनामलाई पहाड़ियों की विशेषता है, दोनों समुद्र तल से 2,000 मीटर से ऊपर उठते हैं।

2. पश्चिमी घाट के अन्य भागों में पाए जाने वाले उष्णकटिबंधीय वर्षावनों के विपरीत, पालघाट गैप में वनस्पति को शुष्क सदाबहार वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
3. भूगर्भीय रूप से, पालघाट गैप पूर्व से पश्चिम की ओर चलने वाला एक कतरनी क्षेत्र है। कतरनी क्षेत्र पृथ्वी की पपड़ी में कमजोर क्षेत्र हैं, जिसके परिणामस्वरूप कोयंबटूर क्षेत्र में कभी-कभी झटके महसूस किए जाते हैं।
4. अंतर की उत्पत्ति गोंडवाना भूभाग से ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के अलगाव से पता लगाया जा सकता है, जिससे महाद्वीपीय बहाव होता है।
5. वनस्पतियों और जीवों की कई प्रजातियां अंतर के केवल एक तरफ पाई जाती हैं। इसके अलावा, नीलगिरि की तरफ हाथियों का माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए अनामलाई और पेरियार अभयारण्यों से भिन्न होता है

(SOURCE –NEWS ON AIR)

जीआई टैग में यूपी ने दूसरा स्थान हासिल किया

चर्चा में क्यों:- उत्तर प्रदेश अब भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग किए गए सामानों की अधिकतम संख्या के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है।

1. राज्य को तीन और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) शिल्प के लिए जीआई टैग प्राप्त हुए हैं, जिससे राज्य में जीआई-टैग वाले उत्पादों की कुल संख्या 48 हो गई है। तीन नए टैग किए गए ओडीओपी शिल्प मैनपुरी तारकाशी, महोबा गौरा पत्थर शिल्प और संभल हॉर्न क्राफ्ट हैं।
2. जीआई टैग उत्तर प्रदेश राज्य के लिए एक मूल्यवान संपत्ति है। यह राज्य के पारंपरिक शिल्प और उत्पादों को बढ़ावा देने में मदद करता है, और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में भी मदद करता है। जीआई टैग राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी मदद करता है।
3. तमिलनाडु 55 जीआई टैग के साथ माल के साथ सबसे आगे है, जबकि यूपी और कर्नाटक क्रमशः 48 और 46 जीआई उत्पादों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि, जीआई-टैग वाले हस्तशिल्प के मामले में यूपी 36 शिल्प के साथ पहले स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ, यूपी ने कर्नाटक को पीछे छोड़ते हुए देश में माल के उच्चतम जीआई टैग वाला दूसरा राज्य बन गया है।
4. देश में हस्तशिल्प में जीआई टैग की संख्या भी यूपी में सबसे अधिक है। उनके मुताबिक, यूपी के 48 जीआई सामानों में से 36 उत्पाद हस्तशिल्प श्रेणी के हैं। अकेले वाराणसी क्षेत्र में, 23 जीआई टैग वाली वस्तुओं में से 18 हस्तशिल्प श्रेणी से संबंधित हैं।
5. ए.जीआई टैग उन उत्पादों पर उपयोग किया जाने वाला एक संकेत है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति है और उनमें गुण या प्रतिष्ठा है जो उस मूल के कारण हैं। जीआई टैग उत्पादों को दोहराव से बचाने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ताओं को वास्तविक उत्पाद मिले।
6. राज्य सरकार जीआई टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। सरकार ने उत्पादों के लिए जीआई टैग प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए एक जीआई सेल की स्थापना की है। सरकार ओडीओपी कारीगरों को अपने उत्पादों और विपणन में सुधार करने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है।

7. जीआई टैग में ओडीओपी कारीगरों के जीवन को बदलने और उन्हें बेहतर आजीविका प्राप्त करने में मदद करने की क्षमता है। सरकार जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने और ओडीओपी कारीगरों को सफल बनाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

आवास मूल्य वृद्धि में मुंबई 6 वें स्थान पर है

खबरों में क्यों: मुंबई 5.5% की वृद्धि के साथ उच्च अंत आवासीय संपत्तियों की वार्षिक मूल्य वृद्धि के मामले में 46 वैश्विक शहरों में छठे स्थान पर पहुंच गया है

1. रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने अपनी रिपोर्ट 'प्राइम ग्लोबल सिटीज इंडेक्स क्यू1 2023' में कहा कि मुंबई, बेंगलुरु और नई दिल्ली में जनवरी-मार्च 2023 में औसत वार्षिक कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है।
2. इसमें कहा गया है, 'मुंबई में औसत कीमतों में सालाना आधार पर 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि बेंगलुरु में यह सालाना आधार पर 3 फीसदी और नई दिल्ली में 1.2 फीसदी थी।
3. अंतरराष्ट्रीय सूचकांक पर मुंबई की महत्वपूर्ण वृद्धि काफी हद तक शहर में मांग में वृद्धि के कारण थी, सलाहकार ने कहा।
4. डी. जबकि सभी खंडों के लिए मांग मजबूत रही है, सलाहकार ने कहा कि इसमें उच्च मूल्य वाले उत्पादों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है।
5. नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, "वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर प्रदर्शन के साथ सबसे आगे रही।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

किरू जल विद्युत परियोजना

खबरों में क्यों: केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल ही में किरू जल विद्युत परियोजना से संबंधित 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कार्यों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप के सिलसिले में दिल्ली और राजस्थान में 12 स्थानों पर छापे मारे थे।

1. इसे जम्मू और कश्मीर (जम्मू और कश्मीर) के किश्तवाड़ जिले में पथरनक्की और किरू गांवों के पास चिनाब नदी पर विकसित किया जा रहा है। यह किरथाई द्वितीय जलविद्युत परियोजना से इसके अपस्ट्रीम और क्वार जलविद्युत परियोजना के बीच इसके डाउनस्ट्रीम के बीच स्थित है।
2. यह परियोजना चेनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स (सीवीपीपी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी, 49%), जम्मू और कश्मीर राज्य बिजली विकास निगम (जेकेएसपीडीसी, 49%) और पावर ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (पीटीसी, 2%) के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

3. इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले राज्य जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, राजस्थान, चंडीगढ़ और दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश हैं
4. परियोजना में किरू के पास 135 मीटर ऊंचे कंक्रीट गुरुत्वाकर्षण बांध का निर्माण शामिल है।
5. परियोजना का जलग्रहण क्षेत्र 10,225 वर्ग किमी होगा, जबकि जलाशय 6.5 किमी लंबा और 1.03 किमी^{2} क्षेत्र में होगा।
6. बांध निर्माण को सक्षम करने के लिए नदी के प्रवाह को मोड़ने के लिए इसमें 700 मीटर लंबी घोड़े के जूते के आकार की एक डायवर्जन सुरंग होगी, जिसमें दो उद्घाटन होंगे।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

मध्य प्रदेश के धार में मेगा टेक्सटाइल पार्क प्रगति के नए द्वार खोलेगा: प्रधानमंत्री

चर्चा में क्यों:- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के धार जिले में एक नए मेगा टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन किया। जो प्रदेश में विकास के द्वार खोलेगा।

1. Pm मोदी ने कहा कि यह नया पार्क मेक इन इंडिया को मजबूत करेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा।
2. मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने देश के 7 राज्यों में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी दी है। तमिलनाडु, सिक्किम, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित होने जा रहे हैं।
3. पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के तहत पूरा काम (यानी कपड़ा बनाने से लेकर उसके निर्यात तक) एक ही जगह पर किया जाएगा. इसमें करीब 4425 करोड़ रुपये का निवेश होगा।
4. इस फैसले से कपड़ा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे। इससे 14 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023

चर्चा में क्यों:- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जिसका उद्देश्य दिल्ली की निर्वाचित राज्य सरकार की शक्तियों को प्रभावित करना और उपराज्यपाल (एलजी) को कुछ शक्तियों को बहाल करना है।

1. अनुच्छेद 239एए को 69 वें संशोधन अधिनियम 1991 द्वारा संविधान में डाला गया था। यह अनुच्छेद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीटी) को विशेष दर्जा प्रदान करता है।
2. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक विधान सभा और एक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद होगी। विधान सभा के पास राज्य सूची और समवर्ती सूची के सभी मामलों पर कानून बनाने की शक्ति होगी, उन मामलों को छोड़कर जो विशेष रूप से संविधान द्वारा बाहर हैं। मंत्रिपरिषद विधान सभा के प्रति जवाबदेह होगी।

3. उपराज्यपाल (एलजी) को अधिक शक्ति - अध्यादेश राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम 1991 में संशोधन करना चाहता है।
4. अध्यादेश का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के प्रशासन पर दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) को अधिक शक्ति देना है।
5. सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ओवरराइड करना - अध्यादेश का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के फैसले को रद्द करना और दिल्ली के प्रशासन में है।
6. उपराज्यपाल (एलजी) की भूमिका को मजबूत करना होगा। राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) – स्थानांतरण पोस्टिंग, सतर्कता और अन्य संबंधित मामलों के बारे में एलजी को सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार एक नया वैधानिक निकाय।
7. संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करता है - यह एलजी को दिल्ली की निर्वाचित सरकार की तुलना में अधिक शक्ति देता है गैर-लोकतांत्रिक - क्योंकि यह एलजी को दिल्ली के लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक शक्ति देता है। अध्यादेश दिल्ली की चुनी हुई सरकार की शक्तियों को कमजोर करता है।

(SOURCE –The Hindu)

केरल पहला पूर्ण रूप से ई-शासित राज्य

चर्चा में क्यों:- भारत का दक्षिणी राज्य केरल खुद को देश का पहला "कुल ई-शासित राज्य" घोषित करके इतिहास बनाने के लिए तैयार है।

1. भारत में पहले पूर्ण साक्षर राज्य के रूप में अपनी प्रतिष्ठा का निर्माण करते हुए, केरल ने राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त समाज में बदलने के उद्देश्य से नीतिगत पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से यह मील का पत्थर हासिल किया है।
2. ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और 100% डिजिटल साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, सरकार ने सभी नागरिकों के लिए पारदर्शिता, समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित करते हुए विभिन्न डोमेन में महत्वपूर्ण सेवाओं के वितरण को डिजिटल बनाया है।
3. पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के दशकों बाद, केरल ने पूरी तरह से ई-साक्षर समाज बनने की अपनी यात्रा शुरू की। शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों की क्षमता को पहचानते हुए, राज्य सरकार ने पूर्ण ई-गवर्नेंस प्राप्त करने के लिए कई पहल शुरू कीं। सभी नागरिकों को पारदर्शी और त्वरित सेवा प्रदान करने की दृष्टि इन प्रयासों के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा शक्ति रही है।
4. व्यापक ई-गवर्नेंस ढांचे के तहत, केरल ने सभी महत्वपूर्ण सेवाओं के वितरण को सफलतापूर्वक डिजिटाइज़ किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि राजस्व, परिसंपत्तियों का प्रलेखन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और सामाजिक सुरक्षा भुगतान जैसे प्रमुख डोमेन को डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है।
5. भौतिक कागजी कार्रवाई को समाप्त करने और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के सरकार ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है, जिससे सेवाओं को अधिक कुशल और सुलभ बनाया गया है।

6. केरल के ई-गवर्नेंस बुनियादी ढांचे का केंद्र ई-सेवानम है, जो एक एकीकृत एकल-खिड़की सेवा वितरण तंत्र है। यह मंच 800 से अधिक सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन लाता है, जिससे नागरिक आसानी से विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस और अत्याधुनिक तकनीक के साथ, ई-सेवानम उपयोगकर्ताओं के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे सरकारी सेवाओं तक त्वरित और परेशानी मुक्त पहुंच की सुविधा मिलती है।
7. केरल की पूर्ण ई-गवर्नेंस पहल समाज के सभी वर्गों को शामिल करने पर जोर देती है, जिसमें कम विशेषाधिकार प्राप्त और हाशिए पर रहने वाले लोग शामिल हैं। सेवा वितरण का डिजिटलीकरण करके, सरकार ने नागरिकों के लिए, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, आवश्यक सेवाओं तक पहुंचना आसान बना दिया है। समावेशिता के प्रति यह प्रतिबद्धता राज्य की सामाजिक कल्याण और समान विकास की लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुरूप है।
8. सरकारी कार्यालयों को सशक्त बनाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म सभी स्तरों पर ई-गवर्नेंस के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए, राज्य आईटी मिशन ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन विकसित किए हैं। विशेष रूप से, ई-ऑफिस फाइल फ्लो सिस्टम पेश किया गया है, जो ग्राम कार्यालय स्तर पर भी निर्बाध डिजिटल वर्कफ़्लो को सक्षम बनाता है। प्रौद्योगिकी का यह एकीकरण कुशल प्रशासन सुनिश्चित करता है और समग्र शासन प्रक्रिया को बढ़ाता है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

मुंबई 29 मई को पहले 'माइनिंग स्टार्ट-अप समिट' की मेजबानी करने के लिए तैयार है

चर्चा में क्यों:- कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी 29 मई को मुंबई में पहले माइनिंग स्टार्ट-अप समिट का उद्घाटन करेंगे।

1. शिखर सम्मेलन का आयोजन खान मंत्रालय द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे के सहयोग से किया जा रहा है।
2. शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से नवाचार और प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेगा जो प्रदर्शन, सुरक्षा का समर्थन और सुधार करेगा और खनन और धातु विज्ञान के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाने में मदद करेगा।
3. शिखर सम्मेलन खनिज अन्वेषण क्षेत्र में अग्रणी उद्योगों, वित्तीय संस्थानों और बैंकों के साथ बातचीत पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। शिखर सम्मेलन में 120 से अधिक स्टार्ट-अप और 20 प्रमुख उद्योग भाग लेंगे।
4. इस आयोजन के दौरान, खान मंत्रालय खनन और धातु विज्ञान के क्षेत्र में स्टार्ट-अप के साथ बातचीत करेगा और विभिन्न प्रौद्योगिकियों से लैस ये स्टार्ट-अप खनन क्षेत्र की गतिविधियों में कैसे योगदान दे सकते हैं।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व बैंक के साथ इनाम कार्यक्रम

चर्चा में क्यों:- रिवॉर्ड विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त वाटरशेड विकास कार्यक्रम है जिसे 2021 से 2026 तक लागू किया जा रहा है।

1. पुरस्कार कार्यक्रम का विकास उद्देश्य "भाग लेने वाले राज्यों के चयनित वाटरशेड में किसानों के लचीलेपन को बढ़ाने और मूल्य श्रृंखलाओं का समर्थन करने के लिए बेहतर वाटरशेड प्रबंधन को अपनाने के लिए राष्ट्रीय और राज्य संस्थानों की क्षमताओं को मजबूत करना है"।
2. यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय में भूमि संसाधन विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है और कर्नाटक और ओडिशा राज्यों में आधुनिक वाटरशेड प्रथाओं को पेश करने के लिए।
3. पुरस्कार कार्यक्रम का कुल बजट परिव्यय 4.5 वर्षों की कार्यक्रम अवधि में 167.71 मिलियन अमरीकी डालर है। इसमें विश्व बैंक से छह करोड़ 90 लाख डॉलर, ओडिशा से चार करोड़ 90 लाख डॉलर और डीओएलआर से 60 लाख डॉलर, दो साझेदार राज्यों कर्नाटक से दो करोड़ 57.1 लाख डॉलर और ओडिशा से दो करोड़ 10 लाख डॉलर और डीओएलआर से 60 लाख डॉलर शामिल हैं। फंडिंग पैटर्न विश्व बैंक और राज्यों के बीच 70:30 है, जबकि यह विश्व बैंक और डीओएलआर के बीच 50:50 है।
4. केंद्रीय स्तर, इनाम कार्यक्रम के दायरे में डीओएलआर द्वारा प्रबंधन, निगरानी, संचार और ज्ञान साझा करण कार्य शामिल हैं। राज्य स्तर पर, पुरस्कार कार्यक्रम को डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के दायरे में संरेखित किया जाएगा, और प्रमुख विज्ञान-आधारित गतिविधियों और प्रदर्शनों के कार्यान्वयन का समर्थन करेगा, जिसका उद्देश्य अंततः भारत के अन्य राज्यों में डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के व्यापक परिप्रेक्ष्य का समन्वय करना है।
5. तीसरे कार्यान्वयन सहायता मिशन (आईएसएम) के एक भाग के श्रीमती प्रीति कुमार की अध्यक्षता में विश्व बैंक की टीम ने प्रगति की समीक्षा करने और अगले 6 महीनों के लिए कार्य योजना के बारे में चर्चा करने के लिए तीसरे आईएसएम के लिए डीओएलआर और रिवार्ड स्टेट्स का दौरा किया।
6. डीब्रीफिंग बैठक के दौरान चर्चा किए गए अन्य बिंदुओं में पुरस्कार कार्यक्रम के तहत बेंगलुरु में स्थापित वाटरशेड घटक पर उत्कृष्टता केंद्र को मजबूत करना, विज्ञान-आधारित वाटरशेड प्रबंधन पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित करना, पायलट आधार पर देश भर में भूमि संसाधन सूची (एलआरआई) के विस्तार के लिए प्रोटोकॉल का विकास, किसानों को एलआरआई आधारित डिजिटल सलाहकार सेवाएं प्रदान करना और पुरस्कार अधिकारियों के एक्सपोजर दौरे आदि शामिल थे।

(SOURCE –The Hindu)

मेरी लिफे मेरा स्वच्छ शहर

चर्चा में क्यों:- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) ने रिड्यूस, रीयूज एंड रीसायकल (आरआरआर) के अपशिष्ट प्रबंधन सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए मेगा अभियान 'मेरी LIEFE, My Clean City' शुरू किया है।

1. इसका का उद्देश्य मिशन LiFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के अनुरूप दैनिक जीवन में पर्यावरण-समर्थक व्यवहार परिवर्तन स्थापित करना है
2. कार्यान्वयन: अभियान का उद्देश्य आरआरआर केंद्र स्थापित करना है जहां नागरिक पुन: उपयोग या रीसाइक्लिंग के लिए कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने और प्लास्टिक जैसी वस्तुओं का योगदान कर सकते हैं। यह

अभियान तीन सप्ताह तक चलेगा और विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वच्छ और टिकाऊ पर्यावरण के संकल्प के साथ समाप्त होगा।

3. मिशन LiFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) (अक्टूबर 2022 में शुरू किया गया) पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है।
4. व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर पर्यावरणीय गिरावट और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने की आवश्यकता
5. इसका उद्देश्य सावधानीपूर्वक उपयोग के साथ नासमझ खपत को बदलना है और व्यक्तियों और समुदायों को अपने दैनिक जीवन में जलवायु के अनुकूल कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
6. Aim:-
   - पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देना, - व्यक्तियों को जलवायु के अनुकूल कार्य करने के लिए प्रेरित करना,
   - प्रो-प्लैनेट लोगों का एक वैश्विक नेटवर्क बनाना (पी 3)
   - भारत का ट्रैक रिकॉर्ड: स्वच्छ भारत मिशन और अन्य राष्ट्रीय योजनाओं की सफलता
7. अन्य संबंधित पहल ग्लासगो जलवायु बैठक (COP26), पंचामृत रणनीति, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP), राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति हैं

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

सी-डैक का एआई सुपर कंप्यूटर 'ऐरावत' शीर्ष 500 सुपरकंप्यूटिंग सूची में 75 वें स्थान पर है

चर्चा में क्यों:- सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे में स्थापित एआई सुपर कंप्यूटर 'ऐरावत' को दुनिया में 75 वां स्थान दिया गया है।

1. जर्मनी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग सम्मेलन (आईएससी 2023) में बुधवार को शीर्ष 500 ग्लोबल सुपरकंप्यूटिंग सूची के 61 वें संस्करण में सुपर कंप्यूटर को स्थान दिया गया था। यह भारत को दुनिया भर में एआई सुपरकंप्यूटिंग देशों के शीर्ष में वर्गीकृत करता है।
2. यह प्रणाली भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एआई कार्यक्रम के तहत स्थापित की गई है। "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिजिटल युग में सबसे आशाजनक तकनीक है। भारत में अपने बड़े पैमाने पर डेटा उपलब्धता, मजबूत डिजिटल अर्थव्यवस्था और कुशल कार्यबल के कारण एआई के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र और प्रतिस्पर्धी लाभ है।
3. **200** एआई पेटाफ्लॉप्स मिक्स्ड प्रेसिजन पीक कम्प्यूट क्षमता की अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) एआई रिसर्च एनालिटिक्स एंड नॉलेज सेमिनार प्लेटफॉर्म (एआईआरएवीएटी) वर्तमान में एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित है और सी-डैक, पुणे द्वारा कार्यान्वित किया गया है।
4. परम सिद्धि के साथ एकीकृत ऐरावत पीओसी 410 एआई पेटाफ्लॉप्स 200 एआई पेटाफ्लॉप्स मिश्रित परिशुद्धता और 8.5 पेटाफ्लॉप्स (आरमैक्स) दोहरी परिशुद्धता की निरंतर गणना क्षमता प्रदान करता है। "पीक कंप्यूट क्षमता (डबल परिशुद्धता, आरपीईक्यू) 13 पेटाफ्लॉप्स है।

5. **NetWeb Technologies AirAWAT** का निर्माता है और सुपर कंप्यूटर उबंटू 20.04.2 **LTS** ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है। सुपर कंप्यूटर एएमडी ईपीवाईसी 7742 64 सी 2.25 गीगाहर्ट्ज प्रोसेसर द्वारा संचालित है जिसमें 81,344 कोर हैं।

(SOURCE –The Hindu)

भारत का नया संसद भवन

चर्चा में क्यों:- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई को भारत के नए संसद भवन का उद्घाटन किया, एक आधुनिक परिसर जो देश की राजधानी में ब्रिटिश औपनिवेशिक युग की वास्तुकला को बदलने के लिए सरकार की भव्य योजना का हिस्सा है।

1. नई संसद सेंट्रल विस्टा इमारतों की तर्ज पर बनाई गई एक त्रिकोणीय संरचना है। यह 64,500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया गया है।
2. यह में लोकसभा, राज्यसभा, सेंट्रल लाउंज और संवैधानिक प्राधिकरणों के कार्यालय हैं।राष्ट्रीय पक्षी 'मोर' की थीम पर आधारित लोकसभा की क्षमता 888 सीटों की होगी। हमारे राष्ट्रीय फूल 'लोटस' की थीम वाले राज्यसभा हॉल में 384 लोगों के बैठने की क्षमता होगी।
3. नए भवन लोकसभा और राज्यसभा के चैंबर में प्रत्येक बेंच पर दो सदस्य एक साथ बैठ सकेंगे। प्रत्येक सीट एक डिजिटल सिस्टम और टच स्क्रीन से लैस होगी।
4. नई इमारत में एक संविधान हॉल होगा जिसका उद्देश्य भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करना है। इसमें नवीनतम ऑडियो-विजुअल सिस्टम के साथ बड़े समिति कक्ष होंगे। मंत्रिपरिषद के उपयोग के लिए 92 कमरे होंगे। और नया संसद परिसर भी 'विकलांगों के अनुकूल' है।
5. ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, नया परिसर एक "प्लैटिनम-रेटेड ग्रीन बिल्डिंग" है और सतत विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणाली की सुविधा होगी।
6. एक नई संसद की आवश्यकता
   - संकीर्ण स्थान
   - अत्याधुनिक उपयोगिताओं की कमी
   - संकटग्रस्त बुनियादी ढांचा
7. प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर आदिनाम (पुजारियों) से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें पवित्र राजदंड , 'सेंगोल' सौंपा, जिसे नए संसद भवन में लगाया गया था। 'सेंगोल' स्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त और पवित्र स्थान है। और पीएम मोदी ने सेंगोल को अमृत काल के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाने का फैसला किया।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

हिमालयन नेशनल पार्क में वनस्पतियों, जीवों पर केंद्र

चर्चा में क्यों:- सभी चार राज्य प्रतीक - राज्य पक्षी, पश्चिमी ट्रैगोपन; राज्य पशु, हिम तेंदुआ; राज्य फूल, गुलाबी रोडोडेंड्रोन; और राज्य वृक्ष, देवदार - उनके विवरणों के साथ प्रदर्शित किए गए हैं। यूनेस्को की इस विश्व धरोहर स्थल में सभी चार राज्य प्रतीक पाए जाते हैं।

1. यह परियोजना नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाएगी। इस 2,880 मेगावाट जलविद्युत परियोजना की अनुमानित लागत 319 बिलियन रुपये है।
2. सैंज रोपा में ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (जीएचएनपी) की सैंज घाटी में एक इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित किया गया है। यह जीएचएनपी में पाए जाने वाले वनस्पतियों और जीवों के बारे में जानकारी देता है। यह पक्षियों और सुंदर स्थानों के साथ ऑर्किड और औषधीय पौधों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
3. जीएचएनपी दुनिया के पश्चिमी ट्रैगोपन की जंगली आबादी के लगभग 10 प्रतिशत का दावा करता है। पार्क क्षेत्र में पाए जाने वाले भूरे भालू, काले भालू, हिम तेंदुए और कस्तूरी मृग जैसे बड़े स्तनधारियों के कट आउट को भी केंद्र में प्रदर्शित किया गया है।
4. ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क:
   - यह सुदूर पश्चिमी हिमालय में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार उप-मंडल में स्थित है.
   - यह 1171 वर्ग किमी के कुल क्षेत्र में फैला हुआ है.
   - यह 1984 में गठित किया गया था और औपचारिक रूप से 1999 में एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया था.
   - जीएचएनपी को 2014 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया गया था.

(SOURCE – NEWS ON AIR)

महाराष्ट्र के किसानों को नई योजना के तहत सालाना 6,000 रुपये मिलेंगे

चर्चा में क्यों:- - कैबिनेट ने सिलोद के मौजे कोटनंद्रा और डोइफोडा में मक्का अनुसंधान केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी।

1. यह योजना नमो शेतकारी महासंमन योजना है जिसके तहत राज्य में एक करोड़ से अधिक किसानों को सालाना 6,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा।
2. यह राशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र द्वारा प्रति वर्ष किस्तों में किसानों को भुगतान किए गए 6,000 रुपये के अतिरिक्त थी। अप्रैल से जुलाई, अगस्त से नवंबर और दिसंबर से मार्च के दौरान 2,000 रुपये की तीन किस्तों में किसानों के बैंक खातों में पैसा जमा किया जाएगा।
3. राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, डॉ. पंजाबराव देशमुख प्राकृतिक खेती मिशन का विस्तार करने और राज्य भर में दायरा बढ़ाने का निर्णय भी कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

4. कैबिनेट ने एक अन्य प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी जहां किसान प्रीमियम के रूप में केवल एक रुपये का भुगतान करके फसल बीमा का लाभ उठा सकते हैं, जबकि शेष राशि का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा।
5. मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश में सभी समावेशी फसल बीमा योजना लागू करने का निर्णय लिया गया।
6. यह योजना खरीफ और रबी सीजन 2023-24 से 2025-26 तक तीन साल की अवधि के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से लागू की जाएगी।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

महाकुंभ 2025: डिजिटल कुंभ संग्रहालय की तैयारी

चर्चा में क्यों:- 60 करोड़ की लागत से 'डिजिटल कुंभ संग्रहालय' बनाया जाएगा। यह न केवल देश और राज्य की संस्कृति को प्रदर्शित करेगा, बल्कि यह कुंभ मेले के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व में अंतर्दृष्टि भी प्रदान करेगा।

1. उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार 'महाकुंभ 2025' के लिए भारी तैयारी कर रही है, जो प्रयागराज के संगम शहर में आयोजित किया जाएगा। पर्यटन विभाग 'महाकुंभ 2025' के लिए जन सुविधाएं उपलब्ध कराने के अलावा पर्यटन स्थलों को बेहतर बनाने और मंदिरों के सौंदर्यीकरण पर काम कर रहा है।
2. डिजिटल कुंभ संग्रहालय आगंतुकों को ऑडियो-वीडियो रूम के साथ हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) जैसी सुविधाएं प्रदान करके एक आधुनिक कुंभ अनुभव प्रदान करेगा।
3. इसमें आध्यात्मिक और कुंभ मेला इंटरप्रिटेशन गैलरी, समुद्र मंथन गैलरी और अखाड़ा गैलरी जैसी आध्यात्मिक थीम वाली गैलरी भी होंगी।
4. संग्रहालय में एक फूड प्लाजा और एक स्मारिका स्टोर होगा, जहां आगंतुक कुंभ मेले से संबंधित किताबें और माल खरीद सकते हैं। एक सांस्कृतिक हाट (अक्षयवट), एक संग्रहालय, गैलरी और थिएटर (अमृत कलश) और एक गेस्ट हाउस भी होगा।
5. डिजिटल कुंभ संग्रहालय की प्रस्तावित अवधारणा के अनुसार, 'संगम' नदी को डिजिटल प्रोजेक्शन के माध्यम से प्रवेश लॉबी में प्रस्तुत किया जाएगा।

(SOURCE – HINDUSTAN TIMES)

Important News: Day

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस

चर्चा में क्यों:- अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस, जिसे अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस या मई दिवस के रूप में जाना जाता है, हर साल 01 मई को मनाया जाता है।

1. यह हर साल 1 मई को श्रमिकों और श्रमिक आंदोलन के संघर्षों और बलिदानों को मनाने के लिए मनाया जाता है। और इसे मई दिवस के रूप में भी जाना जाता है।

2. यह भारत, क्यूबा और चीन सहित 80 से अधिक देशों में मनाया जाता है, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोग इस दिन मजदूर वर्ग के लोगों के अधिकारों को बढ़ावा देने और उन्हें शोषण से बचाने के लिए मार्च करते हैं।
3. भारत में पहला मजदूर दिवस 1 मई, 1923 को चेन्नई में मनाया गया था। पहले मई दिवस समारोह का आयोजन लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान द्वारा किया गया था।
4. यह विभिन्न भारतीय राज्यों में कई अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, इसे हिंदी में कामगार दिन, कन्नड़ में कर्मिका दिनाचारने और तेलुगु में कर्मिका दिनोत्सवम के रूप में जाना जाता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व अस्थमा दिवस

चर्चा में क्यों:- विश्व अस्थमा दिवस मई के पहले मंगलवार को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और विश्व स्तर पर अस्थमा के बेहतर प्रबंधन और देखभाल को प्रोत्साहित करना है।

1. इस दिन का समन्वय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, रोगी समूहों और सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ साझेदारी में ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) द्वारा किया जाता है। और 2023 में, विश्व अस्थमा दिवस 2 मई को मनाया गया था।
2. ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) ने 2023 विश्व अस्थमा दिवस के लिए थीम के रूप में "सभी के लिए अस्थमा देखभाल" को नामित किया है।
3. विश्व अस्थमा दिवस 2023 का अस्थमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और विश्व स्तर पर बेहतर अस्थमा प्रबंधन और देखभाल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण महत्व है।
4. यह दिन स्वास्थ्य पेशेवरों, रोगी संगठनों और सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों को सहयोग करने और व्यक्तियों और समुदायों पर अस्थमा के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम अस्थमा अनुसंधान और उपचार में नवीनतम विकास पर भी प्रकाश डालता है, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, रोगियों और अधिवक्ताओं को मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है।
5. विश्व अस्थमा दिवस पहली बार 1998 में ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) द्वारा "विश्व अस्थमा जागरूकता दिवस" के रूप में स्थापित किया गया था। देखभाल को बढ़ावा देने के लिए।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

चर्चा में क्यों:- हर साल 3 मई को हम प्रेस के महत्व के बारे में समझ बढ़ाने के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं जो स्वतंत्र है और बाहरी ताकतों से प्रभावित नहीं है।

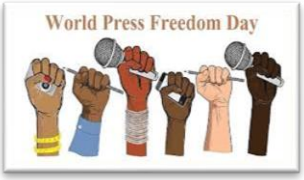

1. विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस अप्रतिबंधित पत्रकारिता के महत्व पर जोर देता है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की वकालत करता है।

2. इस वर्ष का विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस "अधिकारों के भविष्य को आकार देना: अन्य सभी मानवाधिकारों के लिए एक चालक के रूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" के विषय पर केंद्रित है, जो अन्य मानवाधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है।
3. विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सतत विकास को बढ़ावा देने में एक स्वतंत्र और स्वतंत्र मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।
4. यह दिन पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों के काम को स्वीकार करने और जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है जो जनता को सटीक और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करने का प्रयास करते हैं, अक्सर बड़े जोखिम और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हैं।
5. इसके अलावा, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सेंसरशिप, उत्पीड़न, धमकी और हिंसा सहित दुनिया भर के पत्रकारों और मीडिया कर्मियों द्वारा सामना की जाने वाली कई चुनौतियों और खतरों पर ध्यान आकर्षित करने का एक अवसर है। यह दिन पत्रकारों की अधिक सुरक्षा का आह्वान करने और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और सूचना के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करने वाले सुधारों की वकालत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
6. अंत में, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सरकारों, नागरिक समाज संगठनों, मीडिया पेशेवरों और जनता को प्रेस स्वतंत्रता और मीडिया विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और प्रतिबिंबित करने के लिए एक साथ आने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
7. कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से, यह दिन हितधारकों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देता है और समाज में एक स्वतंत्र और स्वतंत्र मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की बेहतर समझ को बढ़ावा देता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

कोयला खदान दिवस 2023

चर्चा में क्यों:- कोयला खनिक दिवस हर साल 4 मई को कोयले के निष्कर्षण में कोयला खनिकों की कड़ी मेहनत और उल्लेखनीय योगदान को स्वीकार करने और सराहना करने के लिए मनाया जाता है।

1. कोयला एक महत्वपूर्ण जीवाश्म ईंधन है जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जैसे कि बिजली उत्पादन और औद्योगिक उत्पादन, विशेष रूप से स्टील और सीमेंट के निर्माण में।
2. कोयला खनन एक श्रमसाध्य उद्योग है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। कार्बन समृद्ध प्राथमिक जीवाश्म ईंधन के रूप में, कोयला बिजली, इस्पात और सीमेंट के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
3. कोल माइनर्स डे उनके योगदान का सम्मान करने और उन त्रासदियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक समर्पित अवसर के रूप में कार्य करता है जो उन्होंने अपने पूरे जीवन में सहन की हैं। श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा आवश्यकताओं को बढ़ावा देने के लिए इस दिन कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

4. ये पहल श्रमिकों को भारत सरकार के विभिन्न कानूनों और विनियमों के बारे में शिक्षित करने का प्रयास करती हैं जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और मजदूरी को बढ़ाने के लिए हैं। इसका उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों के बारे में ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है ताकि वे एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण में काम कर सकें।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व अग्निशामक दिवस

चर्चा में क्यों:- अंतर्राष्ट्रीय अग्निशामक दिवस उन बहादुर व्यक्तियों को पहचानने और सम्मानित करने के लिए समर्पित दिन है जो दूसरों को बचाने के लिए हर दिन अपनी जान की बाजी लगा देते हैं।

1. अंतर्राष्ट्रीय अग्निशामक दिवस उन बहादुर व्यक्तियों को पहचानने और सम्मानित करने के लिए समर्पित है जो दूसरों को बचाने के लिए हर दिन अपने जीवन को दांव पर लगाते हैं।
2. ये अग्निशामक साहस, शक्ति और निस्वार्थता का प्रदर्शन करते हैं क्योंकि वे अपने समुदायों की रक्षा के लिए अथक रूप से काम करते हैं, अक्सर खुद को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रत्येक वर्ष 4 मई को, हमारे पास आग और अन्य खतरों से हमें सुरक्षित रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार और प्रशंसा व्यक्त करने का अवसर है।
3. अंतर्राष्ट्रीय अग्निशामक दिवस का महत्व अग्निशामकों की असाधारण बहादुरी और निस्वार्थता की मान्यता में निहित है, जिन्होंने जनता को आग और अन्य आपात स्थितियों से बचाने के लिए अपनी सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।
4. यह दिन अपने समुदायों के प्रति उनके अटूट समर्पण और बलिदान के एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। यह अग्नि सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है कि अग्निशामकों को उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन और उपकरण प्रदान किए जाते हैं।
5. 1999 अंतर्राष्ट्रीय अग्निशामक दिवस दुनिया भर के अग्निशामकों द्वारा किए गए साहस और बलिदानों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्थापित किया गया था। इस वार्षिक स्मरणोत्सव के लिए प्रेरणा पांच ऑस्ट्रेलियाई अग्निशामकों के दुखद नुकसान से मिली, जिन्होंने अपने कर्तव्यों को पूरा करते हुए जंगल की आग में अपनी जान गंवा दी। सहायता के लिए भेजे जाने के बावजूद, जेसन थॉमस, क्रिस इवांस, गैरी वेयरवाल्ड, मैथ्यू आर्मस्ट्रांग और स्टुअर्ट डेविडसन आग से जूझते हुए मर गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के परिणामस्वरूप, अंतर्राष्ट्रीय अग्निशामक दिवस बनाया गया था।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

अंतर्राष्ट्रीय तेंदुआ दिवस 2023

चर्चा में क्यों:- अंतर्राष्ट्रीय तेंदुआ दिवस एक नया वार्षिक कार्यक्रम है जिसे आधिकारिक तौर पर 3 मई, 2023 को केप लेपर्ड ट्रस्ट (सीएलटी) द्वारा एक समर्पित पोर्टल, "**internationalleopardday.org**" के लॉन्च के साथ घोषित किया गया था।

1. तेंदुआ बिग कैट्स (जीनस पैंथेरा अर्थात् बाघ, शेर, जगुआर, तेंदुआ और हिम तेंदुआ) में सबसे छोटा है, और विभिन्न प्रकार के आवासों के अनुकूल होने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है।
2. यह एक निशाचर जानवर (रात में शिकार) है। तेंदुओं में मेलनिज्म एक आम घटना है, जिसमें जानवर की पूरी त्वचा काली होती है, जिसमें उसके धब्बे भी शामिल होते हैं। एक मेलनिस्टिक तेंदुए को अक्सर ब्लैक पैंथर या जगुआर कहा जाता है, और गलती से इसे एक अलग प्रजाति माना जाता है।
3. यह उप-सहारा अफ्रीका में, पश्चिमी और मध्य एशिया के छोटे हिस्सों में, भारतीय उपमहाद्वीप से दक्षिण पूर्व और पूर्वी एशिया में एक विस्तृत श्रृंखला में होता है।
4. हाल ही में आई एक रिपोर्ट 'भारत में तेंदुओं की स्थिति, 2018' (एमओईएफसीसी द्वारा) के अनुसार, "भारत में तेंदुओं की आबादी की संख्या 2014 के अनुमानों से 60% बढ़ी है"। वर्तमान में इसकी संख्या लगभग 13000 है, जिसमें मध्य प्रदेश> कर्नाटक> महाराष्ट्र में सबसे अधिक आबादी है
5. खाल और शरीर के अंगों के अवैध व्यापार के लिए अवैध शिकार की धमकी। सड़क हत्या, निवास स्थान का नुकसान और विखंडन। मानव-तेंदुए संघर्ष।

(SOURCE – NEWS ON AIR)

विश्व एथलेटिक्स दिवस

चर्चा में क्यों:- अंतर्राष्ट्रीय एमेच्योर एथलेटिक फेडरेशन द्वारा स्थापित विश्व एथलेटिक्स दिवस, प्रत्येक वर्ष 7 मई को मनाया जाता है।

1. इसका उद्देश्य बीमारियों को रोकने और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के साधन के रूप में खेल और व्यायाम को बढ़ावा देना है फोकस लोगों को खुद को स्वस्थ रखने के लिए एथलेटिक्स और अन्य फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने पर है।
2. विश्व एथलेटिक्स दिवस 2023 का विषय "सभी के लिए एथलेटिक्स - एक नई शुरुआत" है, जो एथलेटिक्स में विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने और खेल को उनके लिंग, आयु, क्षमता या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना लोगों के लिए सुलभ बनाने पर केंद्रित है।
3. विश्व एथलेटिक्स दिवस का प्राथमिक उद्देश्य दुनिया भर में खेल और शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है, हालांकि इस आयोजन का विषय हर साल बदल सकता है।
4. अंतर्राष्ट्रीय एमेच्योर एथलेटिक फेडरेशन (**IAAF**) ने शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए खेल के महत्व को बढ़ावा देने के लिए 1996 में विश्व एथलेटिक्स दिवस बनाया। हर साल सात मई को आईएएएफ कई गतिविधियों का आयोजन करता है ताकि लोगों को अपने स्वास्थ्य के लिए खेल और व्यायाम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इन घटनाओं का उद्देश्य शारीरिक गतिविधि के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

थैलेसीमिया

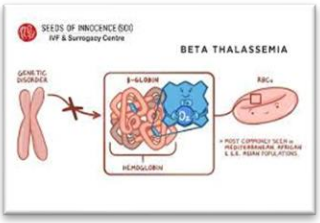

चर्चा में क्यों:- विश्व थैलेसीमिया दिवस हर साल 8 मई को मनाया जाता है।

1. यह वंशानुगत स्थितियों के एक समूह का नाम है जो हीमोग्लोबिन नामक रक्त में एक पदार्थ को प्रभावित करता है।
2. थैलेसीमिया वाले लोग या तो एनओ या बहुत कम हीमोग्लोबिन का उत्पादन करते हैं, जिसका उपयोग लाल रक्त कोशिकाओं द्वारा शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन ले जाने के लिए किया जाता है। थैलेसीमिया एनीमिया का कारण बन सकता है, जिससे आप थक सकते हैं।
3. यह मुख्य रूप से भूमध्यसागरीय, दक्षिण एशियाई, दक्षिण पूर्व एशियाई और मध्य पूर्वी मूल के लोगों को प्रभावित करता है। यह दोषपूर्ण जीन के कारण होता है जो हीमोग्लोबिन के उत्पादन को प्रभावित करता है। एक बच्चा थैलेसीमिया के साथ केवल तभी पैदा हो सकता है जब वे इन दोषपूर्ण जीनों को माता-पिता दोनों से विरासत में लेते हैं। थैलेसीमिया का "वाहक" होना भी संभव है, जिसे थैलेसीमिया विशेषता के रूप में भी जाना जाता है।
4. लक्षण: थैलेसीमिया से जुड़ी मुख्य स्वास्थ्य स्थितियां हैं,

   एनीमिया - गंभीर थकान, कमजोरी, सांस की तकलीफ, धड़कन या अनियमित दिल की धड़कन (धड़कन) और हीमोग्लोबिन की कमी के कारण पीली त्वचा।
5. शरीर में बहुत अधिक आयरन - यह एनीमिया के इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले नियमित रक्त आधान के कारण होता है और अनुपचारित होने पर हृदय, यकृत और हार्मोन के स्तर के साथ समस्याएं पैदा कर सकता है।
6. **चिकित्सा उपचार:**

   रक्त आधान - एनीमिया का इलाज और रोकथाम के लिए नियमित रक्त आधान; गंभीर मामलों में, महीने में लगभग एक बार उनकी आवश्यकता होती है।
7. चेलेशन थेरेपी - शरीर से अतिरिक्त लोहे को हटाने के लिए दवा के साथ उपचार जो नियमित रक्त आधान होने के परिणामस्वरूप बनता है

   थैलेसीमिया के लिए एकमात्र संभव उपचार एक स्टेम सेल या अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण है, लेकिन इसमें शामिल जोखिमों के कारण यह बहुत बार नहीं किया जाता है।

   (SOURCE – TIMES OF INDIA)

अंतर्राष्ट्रीय अर्जेंटीना दिवस 2023

चर्चा में क्यों:- हर साल 10 मई को, आर्गान पेड़ों के पर्यावरणीय महत्व के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय अर्जेंटीना दिवस या आर्गन पेड़ों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है।

1. 1988, यूनेस्को ने ऑर्गेनेरी बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया, जो आर्गन

पेड़ का स्थानिक उत्पादन क्षेत्र है, एक निर्दिष्ट क्षेत्र के रूप में। इसके अतिरिक्त, 2014 में, यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में आर्गन पेड़ के बारे में सभी ज्ञान और जानकारी अंकित की।

2. इसके अलावा, दिसंबर 2018 में, खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने मोरक्को में एट सौआब-एट मंसूर क्षेत्र के भीतर आर्गन-आधारित कृषि-सिल्वो-देहाती प्रणाली को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली के रूप में स्वीकार किया।
3. अंत में, 2021 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से मोरक्को द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को अपनाया, जो संयुक्त राष्ट्र के 113 सदस्य राज्यों द्वारा सह-प्रायोजित है, 10 मई को अर्जेंटीना के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित करने के लिए, आर्गन पेड़ के महत्व को पहचानते हुए और इसके वैश्विक पर्यावरणीय महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए।
4. आर्गन पेड़, जो मोरक्को के उप-सहारा क्षेत्र, विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम का मूल निवासी है, शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों में बढ़ता है और पानी की कमी, कटाव जोखिम और खराब मिट्टी द्वारा चिह्नित कठोर वातावरण के लिए अपने लचीलेपन के लिए जाना जाता है।
5. ऑर्गेनेरी वुडलैंड पारिस्थितिकी तंत्र की परिभाषित करने वाली प्रजाति है, जो स्थानिक वनस्पतियों में समृद्ध है और न केवल संरक्षण के मामले में, बल्कि अनुसंधान और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण महत्व का है।
6. आर्गन ट्री वुडलैंड्स वन उत्पादों, फलों की पेशकश करते हैं और चारा, जो सभी क्षेत्र में लोगों की अर्थव्यवस्था और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं। पत्तियां और फल खाद्य और अत्यधिक मूल्यवान हैं, और सूखे की अवधि के दौरान पशुधन के लिए एक महत्वपूर्ण चारा रिजर्व के रूप में काम करते हैं।
7. पेड़ों को हीटिंग और खाना पकाने के लिए ईंधन की लकड़ी के रूप में भी उपयोग किया जाता है। आर्गन तेल, जो पेड़ के बीज से निकाला जाता है, विश्व प्रसिद्ध है और इसके विभिन्न अनुप्रयोग हैं, विशेष रूप से पारंपरिक और पूरक चिकित्सा में, साथ ही पाक और कॉस्मेटिक उद्योगों में भी।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

चर्चा में क्यों:- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल् ली में राष् ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर पांच हजार आठ सौ करोड़ रूपये से अधिक की कई वैज्ञानिक परियोजनाओं का शिलान् यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) का एक सांविधिक निकाय प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) देश में नवाचारों और तकनीकी उत्कृष्टता की उपलब्धियों को मनाने के लिए हर साल 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाता है।
2. 11 मई, 1998 को भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया।

   पहले स्वदेशी विमान "हंसा -3" का इस दिन बैंगलोर में परीक्षण किया गया था।

3. भारत ने उसी दिन त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण भी किया।तथा 1999 से, इस दिन को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

चर्चा में क्यों:- अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2023: स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नर्सों के योगदान को उजागर करने के लिए हर साल 12 मई को यह दिवस मनाया जाता है।

1. अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती को चिह्नित करता है, जिन्हें आधुनिक नर्सिंग का संस्थापक माना जाता है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नर्सों के योगदान को उजागर करने के लिए हर साल 12 मई को यह दिवस मनाया जाता है।
2. इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का विषय "हमारी नर्स, हमारा भविष्य" है। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेस (आईसीएन), अवर नर्सेज, अवर फ्यूचर के अनुसार, हमारा भविष्य एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना और सभी के लिए बेहतर वैश्विक स्वास्थ्य प्राप्त करना है।
3. 1974, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेस ने घोषणा की कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाए। फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक ब्रिटिश नर्स और समाज सुधारक थीं, जिन्हें आधुनिक नर्सिंग की नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। उन्हें दुनिया भर में "लेडी विद द लैंप" के रूप में जाना जाता है।
4. दुनिया भर में नर्स अपने रोगियों की देखभाल करने का प्रयास करती हैं और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में एक महान योगदान देती हैं। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस ऐसी सभी नर्सों को सम्मानित करता है जो लगातार काम करती हैं और अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करती हैं।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

ग्रह स्वास्थ्य का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

चर्चा में क्यों:- संयुक्त राष्ट्र ने 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस (आईडीपीएच) के रूप में नामित किया है ताकि वैश्विक जागरूकता बढ़ाई जा सके कि पौधों के स्वास्थ्य की रक्षा भूख को समाप्त करने, गरीबी को कम करने, जैव विविधता और पर्यावरण की रक्षा करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में कैसे मदद कर सकती है।

1. पौधे पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। वे हमें भोजन, ऑक्सीजन और आश्रय प्रदान करते हैं। वे पर्यावरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जलवायु को विनियमित करने और मिट्टी के क्षरण को रोकने में मदद करते हैं।
2. हालांकि, पौधे कीटों और बीमारियों की चपेट में भी आते हैं। ये फसलों को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे भोजन की कमी और आर्थिक नुकसान हो सकता है। वे पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

3. अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र स्वास्थ्य दिवस पौधों के स्वास्थ्य और इसके सामने आने वाले खतरों के बारे में अधिक जानने का अवसर है। यह पौधों की रक्षा करने और हमारे ग्रह के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने का भी समय है।
4. इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस समारोह का विषय "पर्यावरण संरक्षण के लिए पादप स्वास्थ्य" है।
5. आईपीपीसी संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा देखरेख की गई 1951 की बहुपक्षीय संधि है जो पौधों और पौधों के उत्पादों के कीटों के परिचय और प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कार्य योजनाएं तैयार करती है।
6. 2023 में अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र स्वास्थ्य दिवस वैश्विक कल्याण के लिए पौधों के स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर करना जारी रखता है। यह कीटों, बीमारियों और आक्रामक प्रजातियों से पौधों की रक्षा के लिए सामूहिक कार्रवाई और जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करता है। स्वस्थ पौधे खाद्य सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक हैं। यह दिन व्यक्तियों, संगठनों और सरकारों को पौधों के स्वास्थ्य प्रबंधन, अनुसंधान और शिक्षा में प्राथमिकता देने और निवेश करने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। पौधों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर, हम लचीला कृषि प्रणालियों को सुनिश्चित कर सकते हैं,
7. जैव विविधता की रक्षा कर सकते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर सकते हैं, और जीविका और आय के लिए पौधों पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका की रक्षा कर सकते हैं अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र स्वास्थ्य दिवस 2022 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित किया गया था। इस विचार को जाम्बिया द्वारा बढ़ावा दिया गया था और फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया था। बोलीविया, फिनलैंड, पाकिस्तान, फिलीपींस और तंजानिया ने प्रस्ताव पर सह-हस्ताक्षर किए थे। इस दिन को "अंतर्राष्ट्रीय पौधे स्वास्थ्य वर्ष की प्रमुख विरासत" माना जाता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस

चर्चा में क्यों:- विश्व प्रवासी पक्षी दिवस एक वैश्विक कार्यक्रम है जो साल में दो बार मई और अक्टूबर के दूसरे शनिवार को आयोजित किया जाता है।

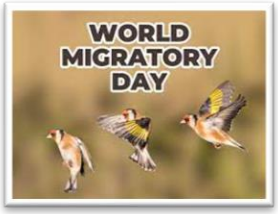

1. यह प्रवासी पक्षियों के संरक्षण को बढ़ावा देने और उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पक्षी उत्साही लोगों को एक साथ लाता है। 2023 में, इन पक्षियों के लिए पानी और इसके महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
2. 13 मई, विश्व प्रवासी पक्षी दिवस मनाया जाता है। विश्व प्रवासी पक्षी दिवस 2023 आधिकारिक तौर पर 13 मई और 14 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।
3. विश्व प्रवासी पक्षी दिवस 2023 पानी के विषय और प्रवासी पक्षियों के लिए इसके महत्व पर केंद्रित होगा।

4. विश्व प्रवासी पक्षी दिवस (WMBD) एक वार्षिक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य प्रवासी पक्षियों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। अभियान प्रवासी पक्षियों के पारिस्थितिक महत्व, उनके सामने आने वाले खतरों और उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
5. प्रवासी पक्षी प्रकृति के संतुलन और दुनिया भर के पारिस्थितिक तंत्र के कामकाज को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कई समुदायों को महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। WMBD व्यक्तियों, संगठनों और सरकारों को एक साथ आने और प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों की रक्षा के लिए कार्रवाई करने का अवसर प्रदान करता है।
6. यह लोगों को प्रवासी पक्षियों, उनके प्रवास मार्गों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित करता है।
7. विश्व प्रवासी पक्षी दिवस (WMBD) 2006 में AEWA और CMS सचिवालयों द्वारा शुरू की गई एक विश्वव्यापी पहल है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी पक्षी दिवस (आईएमबीडी) और अफ्रीका, यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में प्रवासी जलपक्षी दिवस (एमडब्ल्यूडी) से उत्पन्न हुआ। पहला WMBD 2006 में केन्या में हुआ था और तब से प्रतिवर्ष मनाया जाता है,

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

शांति से एक साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

चर्चा में क्यों:- विश्व स्तर पर व्यक्तियों और समुदायों के बीच शांति, सहिष्णुता, समावेशिता, समझ और एकजुटता को प्रोत्साहित करने के लिए 16 मई को शांति में एक साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

1. इसका उद्देश्य विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, आपसी सम्मान और सद्भाव बनाने के महत्व पर जोर देना है। शांति में एक साथ रहने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस दुनिया भर के लोगों के लिए एक साथ आने और शांति का जश्न मनाने का एक अवसर है। यह उन चुनौतियों पर विचार करने का भी समय है जिनका हम एक अधिक शांतिपूर्ण दुनिया के निर्माण में सामना करते हैं।
2. यह दिन विविधता, संवाद और सांस्कृतिक पुलों को बढ़ावा देने में बहुत महत्व रखता है। यह शांति और समझ की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए हिंसा, भेदभाव और बहिष्कार की अस्वीकृति को प्रोत्साहित करता है। यह हमें एक न्यायसंगत, समावेशी और टिकाऊ दुनिया बनाने में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।
3. सरकारें, संगठन और व्यक्ति शांति से एक साथ रहने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। इनमें अंतरधार्मिक संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शांति शिक्षा कार्यक्रम, समुदाय-निर्माण की पहल और पूर्वाग्रह और भेदभाव के खिलाफ अभियान शामिल हैं। यह दिन शांतिपूर्ण और लचीला समाजों के निर्माण में एकता, सहानुभूति और करुणा के महत्व पर प्रतिबिंब के क्षण के रूप में कार्य करता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस

खबरों में क्यों: उन संभावनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए जो इंटरनेट और अन्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) का उपयोग समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ डिजिटल विभाजन को पाटने के तरीकों को ला सकता है।

1. It अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की स्थापना और 1865 में पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ सम्मेलन पर हस्ताक्षर करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
2. इसमें 193 देशों और लगभग 800 निजी क्षेत्र की संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों की सदस्यता है।
3. भारत 1869 से आईटीयू का एक सक्रिय सदस्य रहा है और 1952 से आईटीयू परिषद का नियमित सदस्य रहा है।
4. यह "सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सबसे कम विकसित देशों को सशक्त बनाने" पर केंद्रित है। अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों से अपने पार्टनर 2कनेक्ट डिजिटल गठबंधन के माध्यम से इन देशों में सार्वभौमिक कनेक्टिविटी और डिजिटल परिवर्तन के लिए प्रतिज्ञा करने का आह्वान करता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

एचआईवी टीका जागरूकता दिवस

चर्चा में क्यों:- विश्व एड्स वैक्सीन दिवस 18 मई को विश्व एड्स वैक्सीन दिवस के रूप में मान्यता प्राप्त है, एक ऐसा अवसर जो लाइलाज बीमारी के लिए टीका बनाने के महत्व पर जोर देता है।

1. यह दिन, जिसे एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस के रूप में भी जाना जाता है, न केवल जागरूकता बढ़ाता है, बल्कि समर्पित वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को श्रद्धांजलि भी देता है जो एचआईवी / एड्स की दिशा में काम कर रहे हैं। एड्स को रोकने के लिए एक टीका विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध।
2. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एचआईवी के परिणामस्वरूप अब तक 40.1 मिलियन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। एचआईवी संचरण विश्व स्तर पर हो रहा है, कुछ देशों में नए मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। एचआईवी संक्रमण के इलाज की अनुपस्थिति के बावजूद, उचित और कुशल उपचार और स्वास्थ्य देखभाल जीवन काल का विस्तार कर सकती है और एचआईवी के साथ रहने वाले व्यक्तियों की भलाई में सुधार कर सकती है।
3. मैरीलैंड के मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में 18 मई, 1997 को दिए गए एक भाषण के **C.In,** पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने संचरण का मुकाबला करने और अंततः एचआईवी को खत्म करने के लिए वास्तव में प्रभावी निवारक एचआईवी वैक्सीन की आवश्यकता पर जोर दिया।
4. राष्ट्रपति क्लिंटन के संबोधन की मान्यता **D.In, 18** मई को विश्व एड्स वैक्सीन दिवस के रूप में नामित किया गया था, जिसका उद्घाटन अगले वर्ष 1998 में किया गया था।

5. एचआईवी एक वायरल संक्रमण है जो विशेष रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली को लक्षित और कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति तपेदिक, कुछ संक्रमण और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। एचआईवी संक्रमण के सबसे उन्नत चरण को अधिग्रहित इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) के रूप में जाना जाता है।
6. एचआईवी का संचरण शरीर के कुछ तरल पदार्थों जैसे स्तन के दूध, वीर्य, रक्त और योनि तरल पदार्थ के आदान-प्रदान के माध्यम से होता है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एचआईवी चुंबन, गले लगाने या भोजन साझा करने जैसी गतिविधियों के माध्यम से नहीं फैलता है। एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) के माध्यम से एचआईवी का प्रभावी उपचार और रोकथाम प्राप्त की जा सकती है। एआरटी से गुजरने से, व्यक्ति वायरल दमन प्राप्त कर सकते हैं, जो उन्हें वायरस को दूसरों तक पहुंचाने से रोकता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

राष्ट्रीय आतंकवाद दिवस

चर्चा में क्यों:- भारत हर साल 21 मई को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाता है। यह दिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मृत्यु की याद दिलाता है, जिनकी 1991 में आज ही के दिन हत्या कर दी गई थी।

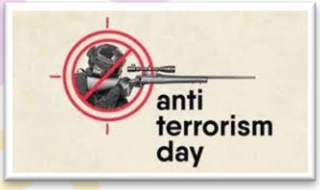

1. यह दिन आतंकवाद के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए भी मनाया जाता है।
2. राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस पर, सरकारी कार्यालय और अन्य सार्वजनिक संस्थान इस दिन को मनाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन आयोजनों में अक्सर सरकारी अधिकारियों के भाषण, आतंकवाद के पीड़ितों के स्मारकों पर पुष्पांजलि अर्पित करना और आतंकवाद विरोधी प्रतिज्ञा पढ़ना शामिल होता है।
3. इस दिन, आतंकवाद के विनाशकारी प्रभाव के बारे में लोगों को शिक्षित करने और शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व पर जोर देने के लिए देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य आतंकवाद से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना और इस वैश्विक खतरे का मुकाबला करने में नागरिकों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना है।
4. आतंकवाद के इस जघन्य कृत्य के जवाब भारत सरकार ने 21 मई को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। इसका उद्देश्य आतंकवाद के विनाशकारी परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस वैश्विक खतरे का सामना करने में एकता और लचीलापन को बढ़ावा देना था।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

विश्व थायराइड दिवस 2023

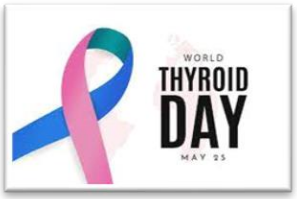

चर्चा में क्यों:- विश्व थायराइड जागरूकता दिवस 25 मई को मनाया जाता है विश्व थायराइड दिवस 25 मई को थायराइड रोगों, उनके लक्षणों, रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

1. विश्व दिवस 25 मई को थायराइड रोगों, उनके लक्षणों, रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन 2008 में यूरोपीय थायराइड एसोसिएशन (ईटीए) के एक प्रस्ताव पर अस्तित्व में आया।
2. विश्व स्तर पर, 200 मिलियन से अधिक लोगों को थायराइड विकारों से पीड़ित होने का अनुमान है और इनमें से 50 प्रतिशत मामलों का निदान नहीं किया जाता है।
3. इस वर्ष विश्व थायराइड दिवस के लिए कोई अलग विषय नहीं है। हालांकि, 22 से 28 मई के बीच मनाए जाने वाले थायराइड अवेयरनेस वीक के लिए, थायराइड फेडरेशन इंटरनेशनल ने थीम की घोषणा की है, "यह आप नहीं हैं। यह आपका थायराइड है। विषय यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित था कि लोग थायराइड विकारों के सबसे आम लक्षणों को समझते हैं और इसे ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाते हैं।
4. 25 मई को आधिकारिक तौर पर सितंबर 2007 में यूरोपीय थायराइड एसोसिएशन (ईटीए) कांग्रेस से पहले वार्षिक आम बैठक के दौरान विश्व थायराइड दिवस के रूप में अपनाया गया था।
5. **25** मई 1965 में ईटीए की नींव की वर्षगांठ भी है। इसलिए, इसे थायराइड विकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए समर्पित दिन के रूप में चुना गया था।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस।

चर्चा में क्यों:- संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस की स्थापना 2002 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र में सेवा करने वाले पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए की गई थी शांति अभियान और शांति स्थापना के कारण अपनी जान गंवाने वालों को सम्मानित करना

1. अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस 2023 का विषय 'शांति मेरे साथ शुरू होती है' है। यह अतीत और वर्तमान में शांति रक्षकों की सेवा और बलिदान को मान्यता देते हुए सभी से शांति के लिए वैश्विक आंदोलन में शामिल होने का आह्वान करता है।
2. संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस: पृष्ठभूमि महासभा ने अपने प्रस्ताव 57/129 में 29 मई को संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में चुना क्योंकि 'संयुक्त राष्ट्र ट्रूस पर्यवेक्षण संगठन' या यूएनटीएसओ नामक पहले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने 1948 में 29 मई को फिलिस्तीन में संचालन शुरू किया था।
3. इस वर्ष, संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस अपनी 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है। 29 मई को, महासचिव एक पुष्पांजलि समारोह की अध्यक्षता करते हैं और संयुक्त राष्ट्र के ध्वज के नीचे अपनी जान गंवाने वाले सभी शांति रक्षकों को सम्मानित करते हैं।

4. यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया जाता है। डैग हैमरस्क्जोल्ड मेडल उन शांतिरक्षकों को मरणोपरांत भी प्रदान किया जाता है जो शांति के लिए सेवा करते हुए मारे गए हैं।
5. संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों के खिलाफ हिंसक हमलों में खतरनाक वृद्धि सहित शांति अभियानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया। लैक्रोइक्स ने ए 4 पी + परिवर्तन पहल पर प्रकाश डाला, जो शांति सैनिकों की सुरक्षा और सुरक्षा को बढ़ाने पर महत्वपूर्ण महत्व देता है।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

विश्व स्किज़ोफ्रेनिया जागरूकता दिवस, 2023

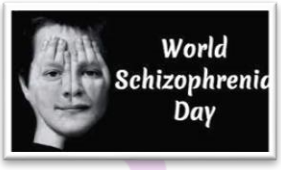

चर्चा में क्यों:- विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) ने मानसिक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कलंक को कम करने के लिए स्किज़ोफ्रेनिया मनाया।

1. यह उन चुनौतियों को उजागर करता है जो दुनिया भर में स्किज़ोफ्रेनिया वाले हजारों लोग दिन-प्रतिदिन के आधार पर सामना करते हैं।
2. जनता के बीच स्किज़ोफ्रेनिया के बारे में जागरूकता पैदा करने के दृष्टिकोण के साथ, विभाग ने विश्व स्किज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया, इससे जुड़े संस्थानों के माध्यम से पूरे भारत में 30 से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।
3. जागरूकता और संवेदीकरण सत्र विशेष ऑडियो-वीडियो और रेडियो कार्यक्रम और विशेषज्ञों द्वारा पैनल चर्चा, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं।
4. स्किज़ोफ्रेनिया में प्रारंभिक हस्तक्षेप पर वेबिनार- मनोवैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य आईडी के साथ बच्चों को टीएलएम वितरण। "स्किज़ोफ्रेनिया के शुरुआती लक्षण और इसके प्रबंधन" पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
5. व्यावसायिक स्टालों का प्रदर्शन जिसके माध्यम से स्किज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों द्वारा बनाए गए उत्पाद, स्किज़ोफ्रेनिया पर जागरूकता के बारे में एक नाटक चिकित्सा शिविर।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2023

चर्चा में क्यों:- - इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का विषय "हमें भोजन की आवश्यकता है, तंबाकू की नहीं"। 2023 के वैश्विक अभियान का उद्देश्य तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसल उत्पादन और विपणन के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें टिकाऊ, पौष्टिक फसलों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस हर साल 31 मई को मनाया जाता है। यह दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू की खपत को कम करने के लिए नीतियों के रूप में मनाया जाता है।
2. यह वार्षिक उत्सव जनता को तंबाकू का उपयोग करने के खतरों, तंबाकू कंपनियों की व्यावसायिक प्रथाओं, डब्ल्यूएचओ तंबाकू महामारी से लड़ने के लिए क्या कर रहा है, और दुनिया भर के लोग स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के अपने अधिकार का दावा करने और भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा के लिए क्या कर सकते हैं, इसके बारे में जनता को सूचित करता है।
3. इस वर्ष नो टोबैको ग्लोबल कैम्पेन का उद्देश्य तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसल उत्पादन और विपणन अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें टिकाऊ, पौष्टिक फसलों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करना है।
4. इसका उद्देश्य टिकाऊ फसलों के साथ तंबाकू उगाने के प्रयासों में हस्तक्षेप करने के लिए तंबाकू उद्योग के प्रयासों को उजागर करना भी होगा, जिससे वैश्विक खाद्य संकट में योगदान होगा।

(SOURCE – NEWS18)

विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस

चर्चा में क्यों:- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) देश के विकलांग व्यक्तियों के सभी विकास एजेंडे की देखभाल करने के लिए नोडल निकाय है।

1. मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (केंद्रीय तंत्रिका तंत्र) की एक संभावित अक्षम बीमारी है। एमएस में, प्रतिरक्षा प्रणाली सुरक्षात्मक म्यान (माइलिन) पर हमला करती है जो तंत्रिका तंतुओं को कवर करती है और आपके मस्तिष्क और आपके शरीर के बाकी हिस्सों के बीच संचार समस्याओं का कारण बनती है।
2. जनता के बीच मल्टीपल स्केलेरोसिस के बारे में जागरूकता पैदा करने के दृष्टिकोण के साथ, विभाग ने 30 मई 2023 को विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस मनाया, इससे जुड़े संस्थानों के माध्यम से पूरे भारत में 40 से अधिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके।
3. विश्व एमएस दिवस 2020-2023 का विषय 'कनेक्शन' है। एमएस कनेक्शन अभियान सामुदायिक कनेक्शन, आत्म-कनेक्शन और गुणवत्ता देखभाल के कनेक्शन बनाने के बारे में है।
4. अभियान टैगलाइन 'आई कनेक्ट, वी कनेक्ट' है और अभियान हैशटैग एमएस कनेक्शन है। एमएस कनेक्शन सामाजिक बाधाओं को चुनौती देता है जो एमएस से प्रभावित लोगों को अकेला और सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करते हैं। यह बेहतर सेवाओं की वकालत करने, समर्थन नेटवर्क का जश्न मनाने और आत्म-देखभाल का चैंपियन बनाने का अवसर है।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

Important News: Sports

आईपीएल ऑरेंज कैप विजेता 2023 "शुभमन गिल"

चर्चा में क्यों:- आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के ओपनर शुभमन गिल ने ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली है।

1. गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने आईपीएल 2023 में 17 मैचों में 890 रन के साथ ऑरेंज कैप जीती।
2. उन्होंने 4 अर्द्धशतक और 3 शतक बनाए। गिल पूरे टूर्नामेंट में शीर्ष फॉर्म में थे, उन्होंने 157.80 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया, अपने पिछले 8 मैचों में 600 रन बनाए।
3. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में ऑरेंज कैप एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी को दी जाती है। सीजन के अंत में ऑरेंज कैप रखने वाले खिलाड़ी को कैप से सम्मानित किया जाता है।
4. ऑरेंज कैप एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है, और इसे आईपीएल में बल्लेबाजों के लिए उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। ऑरेंज कैप पहली बार 2008 सीज़न में प्रदान की गई थी, और तब से 12 अलग-अलग बल्लेबाजों द्वारा जीती गई है।
5. ऑरेंज कैप इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाज डेविड वार्नर हैं, जिन्होंने तीन बार पुरस्कार जीता है। अन्य कई विजेताओं में क्रिस गेल और विराट कोहली शामिल हैं, जिन्होंने प्रत्येक ने दो बार पुरस्कार जीता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

Important News: Personality

प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के रूप में शपथ ली

चर्चा में क्यों:- सतर्कता आयुक्त प्रवीण कुमार श्रीवास्तव को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) के रूप में शपथ दिलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समारोह में भाग लिया।

1. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रतिष्ठित असम-मेघालय कैडर से संबंधित हैं। उनकी पृष्ठभूमि और व्यापक अनुभव ने उन्हें सार्वजनिक प्रशासन में बहुमुखी चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस किया है।
2. केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की भूमिका संभालने से पहले, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने सुरेश एन पटेल का कार्यकाल पूरा होने के बाद कार्यवाहक सीवीसी के रूप में कार्य किया। यह निर्बाध संक्रमण आवश्यक कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित करता है और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को संभालने में श्रीवास्तव की क्षमता को रेखांकित करता है।
3. सीवीसी एक शीर्ष सतर्कता संस्थान है, जो किसी भी कार्यकारी प्राधिकरण से मुक्त है। यह एक स्वतंत्र निकाय है जिसकी जवाबदेही केवल संसद के प्रति है।

4. इसकी स्थापना फरवरी 1964 में के. संथानम की अध्यक्षता में गठित भ्रष्टाचार विरोधी समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।
5. केन्द्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 (सीवीसी अधिनियम) को संसद द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग को सांविधिक दर्जा प्रदान करते हुए अधिनियमित किया गया है।
6. यह भारत के राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)

Important News: Schemes

अटल भूजल योजना जल योजना को दो साल के लिए बढ़ाया गया

चर्चा में क्यों:- विस्तार का उद्देश्य कोविड-19 के कारण कार्यान्वयन में देरी की भरपाई करना और सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन पहल को आगे बढ़ाना है।

1. प्रारंभ में 2020 में शुरू किया गया, अटल जल सात भारतीय राज्यों के 80 जिलों के भीतर 8,220 जल-संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों में सक्रिय है।
2. राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति (एनएलएससी) द्वारा किए गए एक निर्णय के अनुसार, भारत की केंद्रीय क्षेत्र की जल संरक्षण योजना अटल भूजल योजना (अटल जल) 2025 की मूल समाप्ति तिथि के बाद अतिरिक्त दो साल तक जारी रहेगी। विस्तार का उद्देश्य कोविड-19 के कारण कार्यान्वयन में देरी की भरपाई करना और सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन पहलों को आगे बढ़ाना है।
3. प्रारंभ में 2020 में शुरू किया गया, अटल जल गुजरात और उत्तर प्रदेश सहित सात भारतीय राज्यों के 80 जिलों के भीतर 8,220 जल-संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों में सक्रिय है। इसने संरक्षण और स्मार्ट जल प्रबंधन की दिशा में सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन को चलाने पर ध्यान केंद्रित किया है।
4. संरक्षण प्रयासों के अलावा, यह योजना जल दक्षता बढ़ाने के लिए नवीन सिंचाई तकनीकों को भी प्रोत्साहित करती है।
5. अटल जल संसाधन उपयोग को अधिकतम करने के लिए पानी के मुद्दों पर काम करने वाले विभिन्न लाइन विभागों को एकजुट करना चाहता है। इस योजना में 450,000 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र को ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण जैसी कुशल जल तकनीकों के तहत लाने की योजना है। परियोजना के प्रदर्शन को पूर्व-निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से मापा जाएगा, जिसमें राज्य अतिरिक्त वित्त पोषण प्रोत्साहन के लिए अच्छी तरह से पात्र होंगे।

(SOURCE – NEWS18)